GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0174**

Classification:

Original File No.

Title

Candidates Reporting

Volume:

Running **from year: Jan 1959** **till year: July 1959**

Content:

- **Candidates Reporting their daily work done.**

इजाजत देते हैं। इतना छोड़
और को [illegible] काम नहीं किया
हूँ। चूँकि लोगों को बैठने
का अवसर नहीं मिलता
उरांव लड़कियों को सुसमाचार
सुनाने के लिये प्रचारिका
को हुकुम दिया हूँ और मौके
पर वह भी सुनाती हैं।
प्रचारिका की बात से मुझे मालूम
हुआ कि वे गिरजा आना तो
चाहती हैं किन्तु शरमाती
हैं उसी से वे नहीं आती हैं
आप का विश्वस्त N Lakra

(सुसमाचार हिन्दी वाला नहीं है।)

पोस्ट कार्ड
जवाबी
केवल पता

POSTAGE
5 N.P. INDIA 5 न.पै.

19

To
The Rev. J. Soy
G. E. L. Church
Chaibasa
Singhbhum
(BIHAR)

26/VII

Monthly Report for the month of July 59 Jagarnathpur

मान्यवर Rev J-Soy आप को सपरिवार [illegible] 17th Ag 59

सब को ओर से यीशु सहाय।

आज कल हम दु:ख सुख दोनों हालत में हैं अर्थात प्रचार ने कोकेड़ा तबाह कर दिया है। मैं आप को खत का इन्तजार में था जिससे मुझे मासिक रिपोर्ट देने में देर होगयी कृपाया क्षमा करेंगे। मैं खास कर के इस महिना में फारकों, गमरिया; केन्दपुसी इन्हीं जगहों में घूमा, कभी कोई मिल जाता है तो कुछ सुनाता हूँ नहीं तो यों ही लौट जाता था। कभी २ लड़कों को सुनाया करता था। फिर सुअवसर पा कर हन्ना को पढ़ाता था। मुझे कठिन जान पड़ता है कि हन्ना जो सिखाता हूँ उसको मन में नहीं रख सकती है फिर कभी २ संसारियों के यहां भी प्रार्थना करता हूँ जब कि वे

जराई केला परोडी Report VII

6 A

जुलाई महीने का १९५६ ई० की मनथोली रिपोर्ट

ता:

१ बाजार किया

२ मकरांग गया था २ भाईयों से धर्म के विषय वाद विवाद हुआ।

3 बाजार किया

4 गाँव में घूमा और एक परिवारों को दोडोम धुर्म से समझाया

5 गिरजा चलाया

6 बिशेष काम के लिये ओफिस गया था।

7 डोम लाई गया था कोई भी आदमी से मुलाकात नही हुआ कुछ काम नही हुआ

8 घर का काम किया और पाठ तैयार किया

9 ओटोनोमी बर्ष का ~~कि~~ बिहना हुआ

11 पाँच पैया गया था मसीह भाईयों के घर में प्रर्थना आदि हुआ

12 गिरजा हुआ,

13 गाँव में घुमा एवटाडी भी किया।

14 फुल बाड़ी गया था मसीह भाईयों के पास प्रन्तु किसी से मुलाका नही हुआ

15 बाजार किया

16 बुनुल खुटु गया था एक भाई और दो बहीनों को प्रचार किया

17 जराई केला के मसीह भाईयों के पास गये थे। प्रर्थना हुआ

18 पाठ तैयार किया,

19 गिरजा चलाया

20 पुर नाडी गया था कुछ काम नही हुआ किससे पाँचपैया गया एक भाई को प्रचार किया

21 घर का काम किया

22 जराईकेला से मांकराडा गया दो भाई को प्रचार किया

23 दिघा गया था वहाँ से साल जोड़ी आया तीन भाईयों को प्रचार किया और ता: २३ को ।। मी: ९ हुआ

24 बाजार किया

25 पाठ तैयार किया

26 गिरजा चलाया

27 पस्चारिक आव्यताल दापा लाने गया था

28 ता: से २ ता: तक मैं पाँव के घाव से कहीं भी जाने नही सके।

P. Glasurin Parodi

बोंगाबांगा मिशन फिल्ड का रीपोर्ट जुलाई महीना १९५९ ई

मान्यवर "Rev" P. Soy को योशुसहाय। इस महीने का रीपोर्ट आप को भेजता हूं सो कृपाया भूल चूकों को सुधार कर ग्रहन करेंगे॥

ता १-७-५९ से तारीख ४-७-५९ तक स्कूल चलाया।
ता: ५-७-५९ को एतवार गिर्जा चलाया।
ता: ६-७-५९ को विहान स्कूल चलाया दुसरे बेला बजार गया।
ता: ७-७-५९ को मोसोडीह मुसफ पंन्च के साथ खपरा लेने के लिये गाये, पर पन्डाडीह से स्कूल घर तक गाड़ी से लाया जा ~~सकता~~ सकता है और देखें दोनों रस्ता खेतों से बन्द हुआ इस कारण से नहीं लेने का विचार किया। यह हम लोगों ने राय किया कि जैसा बने इस साल पातों से छेरेंगे।

ता: ८-७-५९ को और ९-७-५९ को स्कूल चलाया।
ता: १०-७-५९ को ओटोतोमी पर्व का गिर्जा चलाया
ता: ११-७-५९ को स्कूल चलाया। ता: १२-७-५९ को एतवार गिर्जा चलाया। ता: १३-७-५९ को बिहान स्कूल चलाया दुसरी बेला बजार गया। ता: १४-७-५९ को स्कूल चलाया। ता: १५-७-५९ को मेरा भाई आया था उसके कहने से हमको चुकलु जाना पड़ा क्योंकि चोर मफिन का पन्चायत ठहराया थे। उसको सुनने के लिये गाये।
ता: १६-७-५९ को चुकलु में रहा। ता: १७-७-५९ को चुकलु से बेडीह आया। ता: १८-७-५९ को स्कूल चलाया। ता: १९-७-५९ को एतवार गिर्जा चलाया। ता: २०-७-५९ को बिहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया। ता: २१-७-५९ से ता: २३-७-५९ तक स्कूल चलाया।
ता: २४-७-५९ को स्कूल चलाया, उसके बाद भाः बांगा पंडु के घर गया। सांझ को सापरिवार मिल के समाज हुआ, और बपतिस्मा की बातों को ~~सि~~ सिखाया और ~~समझ~~ समझाया, पंडु तो जो कुछ सिख रहा है पर अब तक उसकी घरनी नहीं सिखी है। इसलिये पंडु को कहा कि ~~जित आप~~ जितना आप सिखें हैं, उन को अपने घरनी को सिखाईये, और जब मैं आऊंगा उस दिन दोनों को समझावेंगे और सिखावेंगे। ता: २५-७-५९ विहान को खुरबुड़ा और मोसेडीह दूर किया, वहां सापरिवार मिल के विन्ती हुई और स्कूल चलाया। ता: २६-७-५९ को एतवार गिर्जा चलाया।
ता: २७-७-५९ को विहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया।
ता: २८-७-५९ से ता: ३०-७-५९ तक स्कूल चलाया।
ता: ३१-७-५९ को स्कूल चलाया, सांझ को बाकुगाड़ा दूर करने गया सांझ को सापरिवार ~~मी~~ मिल के समाज चलाया, और गिर्जा जाने के लिये उनको चेताया॥ गिर्जा आमदनी हिसाब —

एतवार सिती ॥≡)॥+
चन्दु " १≡)॥
राज्यवृद्धी दान =)।

२।-)। टोटल

लि० आप का सेवाधीन प्रचारक आन्तोनी सोय बोंगाजांगा-
मिश्रा फिरका।

जुलाई महीने का रिपोर्ट

१-७-५९ ... फुडु लिया गया। वहां संसार लोगों से बात चीत किया। रात को A. Tudu के घर में प्रार्थना से काम समाप्त किया।

२-७-५९ --- वारियदा पादरीसाहब को पहुंचाते गया था और बाजार करने में समय बिताया

३-७-५९ --- वर्षा के कारण कहीं नहीं गया घर में रह कर समय बिताया।

४-७-५९ --- रंगामाटिया बाजार में लोगों से बात चीत किया वहीं समय बिताया।

५-७-५९ .... एतवार आराधना किया और घर में समय बिताया।

६-७-५९ — ८-७-५९ वर्षा के कारण कहीं नहीं गया। घर में रह कर समय बिताया।

९-७-५९ — ११-७-५९ वारियदा में बपतिस्त ख्रिस्तान भाइयों के साथ धर्म पुस्तक बिक्री करने और साक्षी देने के काम में समय बिताया। मुक्ति संघ यात्रा में।

१२-७-५९ .. एतवार आराधना किया और घर में रह कर समय बिताया।

१३-७-५९ — १८-७-५९ .. वर्षा के कारण कहीं नहीं गया था। रंगामाटिया जेन गोला में रेडियो सुनने जाया करता था और उस समय लोगों को धर्म प्रचार करता था। प्रति शाम को

१९-७-५९ .. एतवार आराधना से ~~बिता~~ दिन बिताया।

२०-७-५९ — २५-७-५९ बीमार में था।

२६-७-५९ एतवार आराधना से समय बिताया।

२७-७-५९ — ३१-७-५९ - अस्वस्थ था और फुडु लिया में A. Tudu के घर में रहा। प्रति दिन संसार लोग आते थे और उन से बात-चीत करते समय बिताया। और प्रति शाम को प्रार्थना से काम समाप्त किया।

H. Tuti
10-8-59

19/VII

जुलाई १९५९ का डायरी।

१-७-५९ को टांड़ का खतियान के लिये अर्जी पेश करने के लिये कुचिन्डा गया था।
२-७-५९ कुचिन्डा से लौट कर बलन्डा और जम्माल में दु: दुःखालियों को सेवा किया।
३-७-५९ दुःखालियों की सेवा में था।
४-७-५९ मुख, हाथ, पैर और सिर दर्द किया।
५-७-५९ गिरजा किया।
६-७-५९ दुःखालियों को सेवा में था।
७-७-५९ जाम्माल में एक बहिन बहुत दुःख में थी, उस की सेवा में था।
८-७-५९ बलन्डा में बिन्ती समाज किया।
९-७-५९ जाम्माल में एक दुःखाली बहिन को प्रार्थना द्वारा सेवा किया।
१०-७-५९ ओटोनोमी पर्ब्ब गिरजा किया।
११-७-५९ एक दुःखाली बहिन को प्रार्थना द्वारा सेवा किया।
१२-७-५९ गिरजा किया।
१३-७-५९ जाम्माल में धर्म्म गीतों को सिखाया।
१४-७-५९ बलन्डा में एक नया धर्म्म खोजक के घर में कुटुम्बकी काम हुआ वहां था।
१५-७-५९ एक नया धर्म्म खोजक बहिन पेट दर्द से पीड़ित थी, उस को प्रार्थना और दवा द्वारा सेवा किया।
१६-७-५९ बलन्डा में नया धर्म्म खोजकों को धर्म्म में स्थिर रहने के लिए समझाया।
१७-७-५९ बलन्डा में नया धर्म्म खोजकों को बचन सिखाया।
१८-७-५९ " " " " " "
१९-७-५९ गिरजा किया।
२०-७-५९ बलन्डा में बचन सिखाया।
२१-७-५९ बलन्डा में रोगियों को प्रार्थना और दवा द्वारा सेवा किया।
२२-७-५९ बलन्डा में रोगियों को सेवा किया।
२३-७-५९ बलन्डा में नया धर्म्म खोजकों को बचन सिखाया।
२४-७-५९ सोराइ में एक संसार भाई के घर में दुख था, उन को सेवा किया।
२५-७-५९ सोराइ में एक नया धर्म्म खोजक के घर में बिन्ती किया।
२६-७-५९ गिरजा किया।
२७-७-५९ से ३०-७-५९ तक बलन्डा में नया धर्म्म खोजकों बचन सिखाया।
३१-७-५९ को एक ख्रीस्तान बहिन जो दुःख में थी, उस को बिन्ती और दवा द्वारा सेवा किया।

Cate. Simon Dang
G. E. L. Church.
Kulpal.
31-7-59.

श्री युक्त महा मान्यवर -
Rev. J. Soy.
आप को मेरा यीशु सहाय,
महाशय,

आप को जनाया जाता है कि, जुलाई महिना को मराम्मतिकी अमदनी ५।।।=)।। पांच रुपैया चौदह आना दो पैसा है। पादरी बाबू Ch. H. Samad डेरा घर मराम्मति को बिल २३) रु: बताये हैं सो इस महिना का अमदनी भी उसी खर्च में दिया जायगा।

आप का आज्ञा धीन सेवक- Cate. S. Dang
31-7-59.

15/VII

२८ता: खुडरी कोचा गया -
३० ता तक रहा सब खेती का काम में
थे. स्कूल नही होता था।

जुलाई - १९५६

१ से
६ ता: तक खुडरी कोचा मे था -
१० ता: घर लौटा प्रचारीन बिमारी के करण
चैबासा चली गयी थी।
११- को उनका लौटने का आशा देखा
१२-
१३- को मै भी चैबासा गया।
१४ चैबासा मे था
१५ को लौटा - और बरिश जोर होने
से- के कारण और पैसा पाने खर्चो का
घाटी के कारण नही जा सका, तथा
खेती का काम करता था।
३१ ता: तक मै घर में था।

मै आप लोगों का
विश्वस्त - मनोहर बास्के

Repoart for the month of July 1959 J. Minj Sesibaha.

1-7-59. घर का काम किया।
2-7-59. निश्चिंतपुर, आसंडा, डोम्बरा, पोरेइकिर गया। वहां प्रभु का वचन सुनाया
तथा पान्डु हो विशेष स्थिर रहने के लिये शिक्षा दिया।
3-7-59 चक्रधरपुर मिस्त्री के पास गया समान नहीं दिया फिर तारिख दिया।
4-7-59. पाठ तैयार किया।
5-7-59. गिरजा किया।
6-7-59. चक्रधरपुर गया वह हमे कड़ी जवाब दी।
7-7-59. तेन दा: गया वहां १० भाइयो को वचन सुनाया।
8-7-59. शीशीवहा में ३० भाइयो को प्रचार किया।
9-7-59. चक्रधरपुर मिस्त्री के पास गया वह बोला लकड़ी नहीं चीरा गया।
10-7-59. गिरजा किया – गिरजा बाद बाजार किया।
[illegible]-7-59. पाठ तैयार किया।
12-7-59. गिरजा किया और गिरजा बाद बनासोया गया वहां के लोग वचन सुनने के लिये
बुलाये थे। उन को जा के वचन सुनाया गया।
13-7-59. चक्रधरपुर गया। मिस्त्री को बोला अगर नहीं देते हैं तो केस करेंगे। वह मुझे
14-7-59. एक सप्ताह के लिये समय मांगा। इसमें हम राजी हो गया।
कुरजुली में दो घरानो को वचन सुनाया यहां से ६ मील दूर है। यहां के लोग
लौकिक रीति से भी प्रभु के काम को विघ्न देख लिये।
15-7-59. कुरजुली से शीशीवहा आया।
16-7-59. घर में रहा।
17-7-59. बाजार किया।
18-7-59. साहीकटा गया वहां के प्रचारक को सहायता के लिये (प्रकिसव दुख में थे)
[illegible]-7-59. गिरजा किया दाऊद सिंह गिरजा में आना शुरु किया।
20-7-59. जोंको गया वहां एक गरीब हो को सुधि ली और दवा खिलाया पिलाया।
21-7-59 कांडे हो के लिये दवा बनाया।
22-7-59 गाऊ बुढ़िया को दवा दिया।
23-7-59. दवा तैयार किया।
24-7-59 बाजार किया।
25-7-59 पाठ तैयार किया।
26-7-59 गिरजा किया – दाऊद सिंह आया। गिरजा बाद योहन्नेस के साथ बाईड़ी गया।
27-7-59. वहां सुखना के घर में रहा उन दोनो को प्रभु में धीरज के साथ आशा रखने के लिये
और बोंगा से अलग रहने के लिये समझाया।
<u>बाईड़ी से लौटा</u>।
28-7-59. चक्रधरपुर मिस्त्री के पास गया। मिस्त्री उलट पलट बोलता है।
29-7-59. घर में रहा।
30-7-59. घर में वचन पढ़ा।
31-7-59 दो हो रोगियो के लिये दवा बनाया। बाद में बाजार किया।
(क) योहन्नेस बराबर गिरजा आते हैं। वे खूब प्रचार कर रहे हैं गांव वाले उसको
मारना चाहते थे। इससे गांव वालो को छोड़ दिया।

(ख) कुरजुली का एक भाई घर धर्म्म में आने चाहता है। उस को बोले है कि तुम्हारे घर में बोंगा के बारे में जितनी चीजें रखी गई है उस को हम दोनो निकाल के जला देंगे। और तुम्हारे घर भूत को भगा देंगे। चूंकि उन का विश्वास भूत ही में है।

(ग) पुस्तक के बारे आप कुछ नहीं लिखे।

(घ) सुसमाचार, दुरंग पोथी, मन दर्पण, और दोडोम पोथी तथा छोटा कटेकिस्म टीका की मांग है।

(ङ) आनन्द की बात कि अब दाऊद सिंह फिर गिरजा में बराबर आ रहे है।

(च) दाऊद सिंह और पोट्रेस दो गिरजा में आने वाले हैं पर और २ दूसरे भाई लोग भी गिरजा में इस महिना में हाजिर आवे थे।

Your's faithfully Servant

Catechist J. Surin

1-4-8-59

13/VII

Monthly Report

July

Submitted by

Nakti J.M.B. fore monthly Report for the July.. from 1. to 31 - 1959.

Date	working Place.
१	रिपोर्ट जुन महीने का बनाकर भेजा।
२	निश्चोतपुर. आरंगा गया और वहां के धर्म खोजक परहु हाकेश्वान ~~प्रार्थ~~ प्रार्थना हुआ
~~४~~ ३	बाजार किया
४	जोंको गया एक संताली भाई को चिकित्सा के लिये।
५	गिरजा हुआ।
६	टेनटाई यहां के एक महतो का घर गया। वहां उसको प्रचार किया
७	बाजार किया।
८	विशेष काम के लिये बङ्कापुर गया।
९	फिर दुबारा जोंको बिमारी भाई को देखने गया।
१०	गिरजा हुआ। और बाजार किया।
११	पाठ तैयार किया।
१२	गिरजा हुआ।
१३	घर का काम किया।
१४	" " "
१५	तेनाघा गया। वहां बिमारी प्रार्थना किया
	गिरजा हुआ
१६	मठको घेरा गया ~~क~~ छोटी लापरवाह हुआ

Date	working Place.
१७ -	बाजार किया।
१८	शाहोकरा गया वहां के प्रचारक के घर मे भाई बिमार था देखने और चिकित्सा के लिये गया
१९ -	गिरजा हुआ।
२०	फिर जोंको गया संताल भाई को जो बिमार था उसे चिकित्सा के लिये गया।
२१	घर का काम किया फिर बाजार भी था।
२२, २३, २४	बरसात था फिर घर मरामत किया
२५	भरान्डेया गया बेड़ी कारखाना में प्रचार किया सुननेवाले २० जन थे।
२६	पाठ तैयार किया।
२७	गिरजा हुआ।
२८	फिर जोंको गया बिमार भाई को देखने के लिये। साथ में प्रचार भी किया
२९	सुभान साई गया वहां एक तांती को प्रचार किया।
३०	घर में था।
३१	बाजार किया।

Submitted by P.S. Topno
Dat. 3-8-59

बैंबेड़ा जोइन्ट मिशन बोर्ड का रिपोट १९५६ जुलाई का।

स्री महामन्यवर रेभ. एच. क्रोस और रेभ. जे. सोय यीशुसहाय।

जुलाई महिना का काम।

ता: १ दृढ़ीकृत और बप्तिस्मावालों को बचन सिखाया।
२ दृढ़ीकृत और बप्तिस्मा वालों को बचन सिखाया।
३ दृढ़ीकृत और बप्तिस्मा वालों को बचन सिखाया।
४ दृढ़ीकृत और बप्तिस्मा वालों को बचनसिखाया।
५ बैंबेड़ा में गिर्जा किये और दृढ़ीकृत औरबप्तिस्मा हुआ।
६ सोनुआ गये स्री रेभ. जे. सोय के साथ टोपो के घर में प्रर्थना किये।
७ सोनुआ में गिर्जा किये, और स्री रेभ. जे. सोय के साथ होरो गये- और होरो गाँव में भाईयों को ईश्वर का बचन सुनाये संख्या ३।
८ होरो में गिर्जा किये।
९ रैंकुटु स्री रेभ. के साथ गये और भाईयों को प्रभु का बचन सुनाये, संख्या ५।
१० स्री रेभ. जे. सोय को चक्रधरपुर तक पहुँचा देने को गया।
११ तबियत अच्छा नहीं किया।
१२ गिर्जा किया।
१३ घर का काम किया।
१४ जोमपुरा गया भाईयों को ईश्वर का बचन सुनाया, संख्या ८।
१५ गाँव ही में भाई को बचन सुनाया, संख्या १।

ता: १६ बजार किया।
१७ मोरवार हुआ।
१८ गिर्जा पाट तायारी किया।
१९ सराडेया और सोनुआ में गिर्जा किया।
२० स्थानिया में गिर्जा किया।
२१ घर का काम किया।
२२ पुनसोवा गया और फोरेसटर को मैं पुछा कि आप पछताते- हो कि नहीं।
२३ बजार किया।
२४ जोमपुरा गया और भाई को प्रभु का बचन सुनाया, संख्या १।
२५ गिर्जा पाट तायारी किया।
२६ सरोडेया और सोनुआ में गिर्जा किया।
२७ बैसाई और मुँर हतु गया भाई बहिनों को प्रभु का बचन सुनाया, संख्या २२।
२८ बैंबेड़ा में गिर्जा किया।
२९ स्थानिया ही में भाईयों को ईश्वर का बचन सुनाया, संख्या ३।
३० बजार किया।
३१ घर का काम किया।

आप का बिश्वास्त ——

Israil Topno.

राज्य वृद्धि काम का रिपोर्ट होरो मरिया जुलाई महीना १९५९

// VII

ता!

१- स्कूल किया

२- स्कूल किया

3, स्कूल किया

४- स्कूल किया

५- गिरजा किया

६ स्कूल किया

७ स्कूल किया और Rev. j soy. के साथ मोरेगा गये थे

८ Rev. j. soy. गिरजा किया

[illegible] स्कूल किया

१० गोडल केरा बाजार होके खुस्त बड़ी गया था

११ खुस्त बड़ी से होरो आया

१२. गिरजा किया

13. स्कूल किया

१४ स्कूल किया

१५. स्कूल किया

१६ स्कूल किया

१७ स्कूल किया

१८ स्कूल किया

१९ गिरजा किया

[illegible]० स्कूल किया

२१ स्कूल किया

२२ स्कूल किया

२३.+२४ को छुट्टि छुट्टी किया था

२५. स्कूल किया

२६ गिरजा किया

२७ स्कूल किया

ता.
२८ पिताल गया भाई को देखने
२९+३० को पिताल मे ठहरा
३१ पिताल से ~~औ~~ गोरखपुर में ठहरा
१ ला ता. को छेरौ आया

आप का विश्वस्त
Thomas Bhengra
H.R.Z.

जुलाई महिना का रिपोर्ट १९५९

१-७-५९ को मैं उरीकिया को गया था, माहतो लोगों को किताब से पढ़ कर सुनाया —

२-७-५९ को मैं उरीकिया के पोस्ट फोन को निर्गमन १९:२० को समझाया —

३-७-५९ को मैं बरंगा तरफ जाता था, रास्ता में सुना की बरंगा में मार काट हुआ है — तब मैं लौट गया —

४-७-५९ को मैं फिर पोस्ट फोन को स्वर्ग राजा के बिषय में बताया —

५-७-५९ को बिश्राम दिन था —

६-७-५९ को मैं उरीकिया के कबीर पन्थ वाला उरांव लोगों के साथ में धर्म के बिषय में बात चीत किया —

७-७-५९ को मैं दिरिपाहिला को गया था, एक सन्ताल के साथ में खृस्त धर्म के बिषय में बात चीत किया, तब वह कहता है कि एक दिन सभों को खृस्त धर्म में आना होगा —

८-७-५९ को मैं सिमिरता को गया था किसी से मुलाकात नहीं हुआ —

९-७-५९ को मैं बरंगा के मुन्डा टोला को गया था, सरना धर्म और ईश्वर की कुलाह के बिषय में बात चीत किया —

१०-७-५९ को ओटोनीमस पर्ब्ब था —

११-७-५९ को मैं उरीकिया को गया खृस्तानी धर्म और हिन्दू धर्म के बिषय में बात चीत किया, वे हिन्दू धर्म ही में अटल रहते हैं —

१२-७-५९ को बिश्राम दिन था —

१३-७-५९ को दिरिपाहिला गया था किसी से मुलाकात नहीं हुआ —

१४-७-५९ को मैं चिड़िया को गया एक मुन्सी को सुसमाचार सुनाया और रास्ता में एक आदमी से सुना की तिरला और तरला के उरांव लोग खृस्त धर्म को चाहते हैं —

१५-७-५९ को मैं चिड़िया से घर को लौटा —

१६-७-५९ को मैं तिरला और तरला को गया, दो घर उरांव लोग निश्चय धर्म में आवेंगे, पर वे कौन मिशन को चाहते हैं निश्चय नहीं हुआ। फिर दिरिपाहिला के सन्ताल लोगों को सुसमाचार सुनाया —

१७-७-५९ को मैं सिमिरता मचुपुर को गया किसी से मुलाकात नहीं हुआ —

१८-७-५९ को मैं उरीकिया को गया, पोस्ट मास्टर मुनी समाज वालों के साथ में धर्म को बहुत तौलना किया —

१९-७-५९ को बिश्राम दिन था —

२०-७-५९ को मैं तिरला से लौटा, वे रोमन मिशन में जाने चाहते हैं - वे सब नशा में थे इस से समझाने को नहीं बना —

२१-७-५९ को गया किसी से मुलाकात नहीं हुआ —

२२-७-५९ को मचुपुर गया वहां भी किसी से मुलाकात नहीं हुआ —

२३-६-५९ को मैं हिमिरहु को गया, दो माहलो लोगों को सुसमाचार सुनाया —

२४-६-५९ को फिर हिमिरहु को गया किसी को नहीं पाया सब काम में लगे हैं —

२५-६-५९ को दिहियाडिहा गया दो सन्तालों को सुसमाचार सुनाया —

२६-६-५९ को बिश्राम दिन था —

२७-६-५९ को मैं बरंगा को गया. एक माहली के साथ में खृस्त धर्म, हिन्दु धर्म और मुनी समाज के बिषय में बहुत बाद बिबाद किया —

२८-६-५९ को बर्षा के कारण कहीं नहीं गया —

२९-६-५९ को मैं बरंगा के एक माहली को खृस्त धर्म के बिषय में बहुत सुनाया —

३०-६-५९ को मैं बरंगा के मुन्डा लोगों को खृस्त का जड़ और हिन्दु धर्म का जड़ को तुलना करके बहुत बताया —

३१-६-५९ को मैं हिमिरहु का जराटोली के माहली और एक सन्ताल को खृस्त धर्म का प्रमाण और हिन्दु धर्म का बे प्रमाण को दिखाया —

आप का आज्ञाधीन प्रचारक

J. K. Hemrom. Dumirla

3-8-59

July 59. पोड़ाहजोड़ 8/VII

श्रीयुक्त महामान्यवर, ता. २४.७.५९

पादरी बाबू आप को मेरा यीशु सहाय।

महाशय, आप को मालूम होवे

ता. १.६. को मैं पोखिनपुड़ा गया था।
ता. २.६. को मैं तरना कटा गया था।
ता. ३.६. को मैं गंभर मुंडे गया था।
ता. ४.६. को मैं कुरुग गया था।
ता. ६.६. को मैं आरगेन गया था।
ता. ७.६. को मैं रायड़ा गया था।
ता. ८.६. को मैं मुतेल गया था।
ता. ९.६. को मैं तेलोमाल गया था।
ता. ११.६. को मैं घुसरा मुंडा गया था।
ता. १२.६. को मैं टिकलीपड़ा गया था।
ता. १४.६. को मैं डोंगा आरेन गया था।
ता. १५.६. को मैं कुजडीह कुड़ा गया था।
ता. १६.६. को मैं तलजोड़ गया था।
ता. १७.६. को मैं कुकुरडीह गया था।
ता. १८.६. को मैं बेलकम गया था।
ता. २०.६. को मैं डोंगापत्थर गया था।
ता. २१.६. को मैं आंख दर्द से घूमा।
ता. २२.६. को मैं पराआडूर गया था।
ता. २३.६. को मैं रघड़ा गया था।
ता. २४.६. को मैं माहुलपेरा गया था।

मई और जून के मसीहिया आमदनी कुल जमा १।।।≡) आना कुल्ला है

प्रचारक
सिलपाट तलाड़ी

जुलाई १९५६ 7/VII

Dt 12-8-56

१.६.५६ को कुलपाल एक रोगी घर में प्रार्थना किया।
२-६-५६ को जामबल में प्रार्थना दवाई के साथ सेवान किया।
३-६-५६ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।
४-६-५६ को गोरेया बहाल खोईर डीह में वचन सिखाया।
५-६-५६ को ,, ,, में गिरजा किया।
६-६-५६ को कुलपल में रहा।
७-६-५६ कुलपाल से दूसरा सब समान ले कर गोरेया बहाल में रहते हैं।
८-६-५६ को भी समान बचे हुए थे उसको लाने गया।
९-६-५६ को देहरीनमल के संसारियों को ईश्वार का वचन से समझाया।
१०-६-५६ को नोकटिपाली संसारियों का ईश्वार का वचन सुनाया।
११-६-५६ गोरेया बहाल में नये धर्म खोजकों को वचन सिखया।
१२-६-५६ गोरेया बहाल में गिरजा किया। जन संख्या ५० प्राणी थे।
१३-६-५६ खोइर डीह संसारियों को Rev. H Samad के साथ समझाया।
१४-६-५६ को गोरेया बहाल में वचन सिखाया।
१५-६-५६ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।
१६-६-५६ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।
१७-६-५६ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।
१८-६-५६ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।
१९-६-५६ ,, ,, ,, ,, गिरजा किया।
20-6-५६ ,, ,, ,, ,, वचन सिखाया।
२१-६-५६ ,, खोईर डीह संसर-दुखाली के घर वचन सुना कर प्रार्थना किया।
22-6-५६ ,, गोरेया बहाल में वचन सिखाया।
23-6-५६ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।
२४-६-५६ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।
२५-६-५६ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।
२६-६-५६ ,, ,, ,, ,, गिरजा किया जन संख्या ४० प्राणी थे।
२७-६-५६ ,, ,, ,, ,, वचन सिखाया।
२८-६-५६ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।
२९-६-५६ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।
३०-६-५६ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।
३१-६-५६ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।

महाशय

पद्री बाबू आप को यीशु सहाय
आगे आठ ६६ घर हैं
पर मंडली और ही बड़ जाने उद्देश्या है क्योंकि वचन सिखने
आना जाना करते हैं मंडली आमदानी में इस मंडली का मार्फत
महिना को २) होती है सो आप को मलुम इस महिना से सेरनी शुरु हुई है।
सो आप कुछ Faisimal P.O मे मनियाडार किया। कारे Bhojpur
यहाँ से बहुँत दुर है।

villeg gorea bahal Khairdih
P.O Faisimal
Sambal pur. Dist

Bochama.

५९ जुलाई का डाइरी ॥

१ — ता: - मैं मैं घर का काम किया ॥
२ - ,, - को - बाजार किया ॥
३ - ,, - आज बकीबहाल घुमने गया था ॥
४ - ,, - गांव से बहार नहीं गया ॥
५ - ,, - एतवार को गिर्जा किया ॥
६ - ,, - आज चेपोराय गया था ॥
७ - ,, - लाटू कराईडरांव याहियां के यहां गया था ॥
८ - ,, - कहीं नहीं गया ॥
९ - ,, - बाजार किया ॥
10 - ,, - लोटोलामी गिर्जा किया ॥
11 - ,, - घर का काम किया ॥
१२ - ,, - एतवार को गिर्जा किया ॥
१३ - ,, - आज मैं योजपुर से गोबिनपुर में ठहरा ॥
१४ - ,, - गोलांगोबरा स्कूल के लड़का के यहां पहुंचा ॥
१५ - ,, - एक दिन यहां ठहरा ॥
१६ - ,, - सुबे का गाड़ी में पैर के शाम को बाबू A. Rev. H. Samad के घर पहुंचा
१७ - ,, - वहां से फिर ठठ के बोड़ रामा पहुंचा ॥
१८ - ,, - बिशनपुर घुमने गया था ॥
१९ - एतवार को गिर्जा किया ॥
२० - ,, - चेपोराय गया था ॥
२१ - ,, - आज फिर चेपोराय हो गया था ॥
२२ - ,, - घर का काम किया ॥
२३ - ,, - बाजार किया ॥
२४ - ,, - घर का काम किया ॥
२५ - ,, - आज मैं चेपोराय गया था ॥
२६ - ,, - एतवार गिर्जा किया ॥
26 - आज के से लेके ३१ तारिख तक
- रात दिन पानी वर्षा होती है।
- अभी तक होतेही है ॥ घर से बाहर
- कोई जाने नहीं सकते हैं ॥

J. Samad.

जुलाई १९२९ की डायरी । 5/III

ता० १-७-२९ - गिरजा घर के लिए लकड़ी (काठ) खोजने गया ।
ता० २-७-२९ - गिरजा घर काठ मिलने गया ।
ता० ३-७-२९ गिरजा घर का काठ ढोने लगा ।
ता० ४-७-२९ " " " "
ता० ५-७-२९ कोलापट में बिहान को बिन्ती प्रार्थना करके दुरगाडीह और घमड़ा में गिरजा किया ।
ता० ६-७-२९ दुरगाडीह में था ।
ता० ७-७-२९ कुलपाल गया ।
ता० ८-७-२९ दुरगाडीह आया ।
ता० ९-७-२९ घमड़ा में गिरजा घर की लकड़ी खोजने गया ।
ता० १०-७-२९ दुरगाडीह में था ।
ता० ११-७-२९ कोलापट गया शाम को Rev. H. Samad के साथ बिन्ती प्रार्थना किया ।
ता० १२-७-२९ दुरगाडीह + घमड़ा में गिरजा किया ।
ता० १३-७-२९ गिरजा घर का काठ खोजने गया ।
ता० १४-७-२९ " " " " "
ता० १५-७-२९ " " "
ता० १६-७-२९ कोढाडीह गया ।
ता० १७-७-२९ दुरगाडीह आया ।
ता० १८-७-२९ महुआडीह के मसीह भइयों को देखने गया ।
ता० १९-७-२९ " में बिहान को बिन्ती प्रार्थना करके दुरगाडीह और घमड़ा में गिरजा किया ।
ता० २०-७-२९ दुरगाडीह में था ।
ता० २१-७-२९ कुलपाल गया ।
ता० २२-७-२९ गिरजा घर की काठ खोजने गया ।
ता० २३-७-२९ शाम को बन्धाटोली में वचन सिखाया ।
ता० २४-७-२९ "
ता० २५-७-२९ Rev. H. Samad के साथ कोनसाट के मसीह भइयों को देखने गया ।
ता० २६-७-२९ Rev. H. Samad दुरगाडीह + घमड़ा में गिरजा किए ।
ता० २७-७-२९ " " " दुरगाडीह आया ।
ता० २८-७-२९ दुरगाडीह में था । पानी खूब बरसा ।
ता० २९-७-२९ पानी लगातार वृष्टि हुआ ।
ता० ३०-३१- " "

Cate - Mansidh Dang
G. E. L. church Durgadih

जुलाई की मासिक आमदनी ४/५ आना ।
Rev. 4-5 A-

Diary for the Month of July 1959

को हेड प्रचारक आमगांव बोलाया। वहां दो रोज रहा

1 7/59 को हेड प्रचारक आमगांव बोलाया। वहां दो रोज रहा

2 7/59 " आमगांव में थे

3 7/59 को आमगांव से सरगीडीह लौटे।

4 7/59 बच्चों को हिन्दी पाठ पढ़ाया आठ लड़के हाजीर थे

5 7/59 को गीरजा किये गीरजा में [illegible] प्राणी हाजिर थे

6 7/59 लड़कों को पाठ पढ़ाया और साम को धर्म खोजकों को प्रभु का वचन सिखाया

7 7/59 लड़कों को पाठ पढाया। धर्म खोजकों को वचन सीखाया

8 7/59 " " " "

9 7/59 " " " "

10 7/59 उस रोज ओहोतोमो पर्व माने

11 7/59 पाठ पढ़ाया सब लड़के हाजिर थे

12 7/59 गीरजा किये सब हाजिर थे उस रोज उपदेश के बदल दश आज्ञा प्रभु की प्रार्थना को सीखाये विश्वास वचन को सीखाये।

13 7/59 पाठ पढाया सब हाजिर थे

14 7/59 " " "

15 7/59 " " "

16 7/59 " " "

17 7/59 उस रोज मैं [illegible] देश जाने के लिये घर से निकले प्रचारिन को जाने के लिये सोरसोरा में थे 18 ता० को बनाई गढ़ पहुचे वहां से रौरकेला आये साम को चक्रधरपुर पहुचे 19 ता० को, फिर वहां ~~[illegible]~~ खूंटी गये ~~और आये~~ साम को ~~रौरकेला~~ बकाकेर पहुचे वहां दो दिन रह गोविन्दपुर बस में बैठ गये गये ~~20~~ता० 22 को कुदरू ता० 23 को प्रचारिन के साथ उसी रोज रौरकेला पहुचे दुसरा दिन बस पकड़े और बनाई गढ़ 24 ता० को आये वहां से पैदल आये रस्ता में डेरा किये 25 ता० घर पहुचे

26 7/59 को गीरजा किये सब कोई हाजिर थे

27 7/59 उस रोज पाठ पढ़ाये सब लड़के हाजिर थे

28 7/59 पाठ पढाये

29 7/59 " " " "

30 7/59 " " " "

31 7/59 " " " "

To the Catechist Patras Barla
Sargidih
6-8-59

3/VI+VII

Monthly Report
(June 16th to July 16th, 1959)

June '59

16 अस्पताल के कुछ संसारियों को बचन सुनाया।

17 एक लड़की को दृढ़ीकरण बचन सिखाया।

18. दृढ़ीकरण बचन सिखाया और साम को Ble क्लास किया।

19+20 दृढ़ीकरण बचन सिखाया और ता. 20 को गिर्जा तैयारी किया।

21. बच्चों का सन्डे स्कूल और इतवाराराधना किया।

22-24. दृ. बचन और ~~बच~~ पुस्तक अध्ययन किया।

25 दृढ़ीकरण बचन सिखाया और साम को बैबल क्लास किया।

26+27 प्रतिदिन दृ. बचन सिखाया।

28 सण्डे स्कूल और गिर्जा का काम चलाया।

29+30 बचन सिखाया और गिर्जा त्यारी किया ता. 5वी जुलाई के लिये।

July '59

1-4 ता. १+२ को दृढ़ीकरण बचन सिखाया और Ble क्लास तैयारी किया और ता. २ साम को बैबल क्लास किया। ता. ३ को और ४ को दृढ़ीकरण बचन सिखाया और गिर्जा त्यारी किया।

5. सण्डे स्कूल और गिर्जा किया।

6-8 पुस्तक अध्ययन तथा दृढ़ीकरण बचन सिखाया।

9. Ble क्लास त्यारी किया पर बर्षा के कारण क्लास नहीं कर सका।

10 कलीसिया का Autonomy पर्व का गिर्जा किया।

11. गिर्जा की त्यारी में था।

12. Sunday School तथा ईश्वराराधना का काम चलाया

13. दृ. बचन सिखाया तथा बिमारी बहन के घर में प्रार्थना करने गया।

14. दृढ़ीकरण बचन सिखाया।

15 " " " ।

16. Ble क्लास की तैयारी तथा उसका क्लास किया।

[illegible]

20-7-1959.

PS

कृपया जनाइये कि इस साल का शिक्षा क्लास का कोई प्रबन्ध होता है या नहीं?

[illegible]
20/7

2/VII

Report of the month of July 1959.

From:

Cand. S. Kujur,

Gua.

1/7 – Visited a patient in Gua Sai. Went to Bicha Ikir to teach the enquirers. Visited a patient in Bajar Dhaura.

2/7 – Visited Christian families in Bajar Dhaura.

3/7 – Visited Christian families in Topa Sai.

4/7 – Visited a patient in Gua Sai.

5/7 – Conducted Church Service in Gua. Attended the meeting of Gua Mandali Panch.

6/7 – Visited Christian families in Neria. Sent the report of the month of June.

7/7 – Went to Bicha Ikir to teach the enquirers.

8/7 – Did home work.

9/7 – Did work regarding Sunday School.

10/7 – Conducted Church Service in the evening on the occasion of Autonomy Day.

11/7 – Conducted burial service.

12/7 – Conducted Sunday Church Service in Gua.

13/7 – Conducted burial service.

14th – 31st July – Remained at home.

(a) 14/7 – God blessed us with a daughter.

(b) Mrs. Kujur was suffering from Priliminary Septic after delivery.

(c) She is not yet fully cured. Medical treatment is being given to her.

(d) 26th July – Conducted Sunday Church Service in Gua. In the evening attended the Mandali Panch ~~Me~~ meeting.

N.B. :– It is to draw the attention of the Chairman and the Secretary of the Joint Mission Board towards the situation of the Christians in general and the members of the Gossner Church in particular, in the Iron Ore mines Gua.

Here, in Gua, the Christian workers have been divided into two unions. The registered one is the I.N.T.U.C. where the Christians are in few. The other one is the United Mineral Workers Union which is unregistered. In this Union there are many Christians, mostly the labourers. The motive behind this is the political one. This is purely of the Communist party. Three things clearly show this, firstly, the union has the red flag which is the sign of the Communist Party, secondly the union calls very often the Communist leaders of India such as Mr. Dange & Mrs. Rhenu Chakravarti, thirdly the union receives a paper called "Swadhin" published by the Communist Party. The members of the union are very ~~muc~~

very much in favour of the Kerala Communist Government.

From the religious point of view, the leaders of this union, are leading our Christian brethren astray from the Christian principles – infusing hatredness unbelief and immorality in to their hearts.

Here the Committee members of the Congregation are trying their level best to bring the Christian members back from the union, but as it would create new labour problem, they are unable to say them directly. There are many Christians who are the members of the union, realise that the union is quite against the Christianity. But they are not able to give up the union openly, because the leaders of the union very often visit the localities at night. They are waiting for a direct words from the head of the Gossner Church.

This is a burning problem arising among the Christian workers in the areas of Mines and Factories. And it is a great responsibility for the head of the Gossner Church to take up the burning problem ~~in~~ in order to keep safe the Christian members from falling into the antichristian belief and becoming an atheism.

I therefore earnestly request you, ~~to~~,

please do send me a kind of "Pastoral Letter", stating about the Communism as an enemy of Christianity, emphasising on the giving up of Communistic Union, (Action Committee). Further more I would request the President and Secretary of the Gossner Church, that it would affect very much if they come to Gua as a Pastoral Visit.

S. Kujur.
11-8-59.
Gua.

Date — Report for july 1959. — 1/VII

1/7/59 — दृढ़ाहयन और नया धर्म खोजकों को शिक्षा दिया (खाका हुआ)।

2/7/59 बिमारी सेवा किया, ग्राम के शिक्षा दिया धर्म खोजकों और दृढ़ाहयन वालों को।

3/7/59 " " " " " " " " " " " "

4/7/59 दृढ़ाहयन वालों का परीक्षा हुआ।

5/7/59 — 7 प्राणियों का (धर्म खोजकों का) बपतिस्मा और 8 प्राणियों का दृढ़ाहयन हुआ।

6/7/59 — घर में खेती किया।

7/7/59 — बरसा के कारण घर ही में रहा (बिमारी का सेवा हुआ)।

8/7/59 — एक संसारिक भाई के घर में बिमार थे, बुलाने आये और ~~उनके~~ घर में प्रार्थना किया, और रोगी ~~चंगी~~ होगये और दिन से वे लोग विश्वास किये और गिरजा आने लागे, बपतिस्मा और दृढ़ाहयन के लिये तैयार हो रहे हैं (प्रत्यय सीख रहे हैं)।

9/7/59 — मोरोनोगी गिरजा के लिये तैयारी किया।

10/7/59 — मोरोनोगी गिरजा हुआ।

11/7/59 — कोलापाट गया था।

12/7/59 — कोलापाट में गिरजा हुआ।

13/7/59 — फुलकुरुम गया था, वहाँ एक संसार भाई बिमार था, उनको दवाई और विनती किया था हो और धर्म ~~विश्वा~~ आने चाहते हैं।

14/7/59 — खोरीहर डीह गया था डेक्कास्टल के पास।

15/7/59 — तोड़ीजोर गया था घर विजिट के लिये।

16/7/59 — तोसारे गाँव गया था, एक संसारिक भाई गाइतो मुड़ु के घर वे बिमार थे विनती किये। और चंगा हुआ तो वे आदमी गिरजा आ रहे हैं।

17/7/59 — गाँव में बिमार थे उनकी सेवा किया।

18/7/59 — दुगी डीह गया था, प्रभुभोज गिरजा के लिये।

19/7/59 — दुगी डीह और छमड़ा में प्रभुभोज गिरजा किया।

20/7/59 — छमड़ा से दुगी डीह आया।

21/7/59 — बड़ा जोर बरसा हुआ, दुगी डीह में रह गया।

22/7/59 — दुगी डीह से कुलपाल आये।

23/7/59 — चम्पा टोली गया था, उनको धर्म के विषय समझाते।

24/7/59 — जोरेया डीह गया था सोमरु भाई के घर उनको धर्म के विषय समझाये।

25/7/59 — तोनकोर, ~~महल~~ ब्रोहो, और टिकरू रसनान करीब कुलपाल से 12 मील दूर गये थे।

26/7/59 — कुलपाल में गिरजा किया।

27/7/59 — बिमारी लोगों को सेवा किया।

28/7/59 — संसारिक भाई बोड़ो मुडु के घर गया था उनको धर्म के विषय समझाते।

29/7/59 — बिमारी सेवा किये।

30/7/59 — संसारिक भाई कालिया के घर में एक लड़की बिमार थी उनके पास प्रार्थना करने गया था।

31/7/59 — घर में खेती किया।

नोट — जुलाई महिना कुलपाल टोली में बहुत जोर बिमार गिरा, और अभी तक बिमार हैं इसी बिमारी चलते कितने समाजिक भाई बहन धर्म में आ रहे हैं। उन लोगों को कबूल करके हम लोग उनके घर बप्तिस्मा करते जाते हैं। इसी बिमारी चलते ३-४ घर गिरजा माला जाप शुरू किये हैं और बपतिस्मा जोर सोर से चल रहा है और सेप्टेम्बर आखरी तक में कितनों ख्रीष्ठ को का बपतिस्मा और दृढ़ावन होगी।

ईश्वर कुलपाल के लिये संकट के द्वारा संसारिक लोग बहुतों का मन को खोल दिया है।

ईश्वर की इच्छा है अभी तक कुलपाल किसी घर नहीं इमारत है।

ईश्वर को धन्यवाद हो और इस काम को सफल बनावे।

आप का विश्वस्त।
A. H. Samad pastor
Kulpal.

हे[illegible]ा है चूंकि वे अपने
काम में होंगे।

आप का विश्वस्त
N. Tanki

पोस्ट कार्ड

CHAIBASA
3. 7. 59
9 30AM
केवल पता

The Rev, J. Soy
G. E. L. Church
Chaibasa
(BIHAR)

Monthly report for the month of June 59 Jagannathpur. 1st July 59

26/VII

महाशय,

वर्षा के कारण इस महिना में कोई खास काम नहीं हुआ है केवल समय पर अपने ईसाई भाईयों के पास घुमता था। जैसे केन्दपुसी, डांगापुस और रेलवे फाटक वालों के पास जाता था इसके अलावे गमरिया भी समय समय पर जाता था क्योंकि दूसरे लोगों से तो मुलाकात हो नहीं

H/9 80

Monthly Report of June 1959. 2 4/II

१-६-५९ - शिमला पहाड़ से वापास आया. और रुपये के इन्तजार में -
२, ३, ४ —— तक रंगामटिया में रहा।
५-६-५९ - रंगामटिया से बाड़सोल आया।
६-६-५९ — एतवार पाठ तैयार किया।
७-६-५९ — बाड़सोल दुसरा टोली में गिर्जा किया।
८-६-५९ — पुन्डीसोल बाजार गया।
९-६-५९ — पुन्डीसोल, कुन्दुआही जाकर वहां वालों से मुलाकत किया गिर्जा — जाने पर जोर डालते हुए उनको समझाया।
१०-६-५९ —— कन्दनासोल, और पुरुलिया गया।
११-६-५९ —— सलगड़िया, च्युतुरकुंडिया गया वहां के भाई बहिनों से मुलाकत — किया, धर्म विषय को गिर्जा आने जाने पर बातचीत हुई।
१२-६-५९ - सिरसी गया और गिर्जा जाने का परामार्श दिया।
१३-६-५९ - एतवार पाठ-पत्रों का तैयारी किया।
१४-६-५९ - बाड़सोल में गिर्जा किया।
१५-६-५९ — Rev. M. Tutti के साथ चोड़नीसोल गया।
१६-६-५९ - चोड़नीसोल में गिर्जा किया और उसी रोज मोलापड़ा गये।
१७-६-५९ - मोलापड़ा में गिर्जा करके गुड़ीग्राम होते हुए बड़सोल वापास आया।

१८, १९, २०, २१, तक बीमार था, फिर भी ता०२१ को बाड़सोल में गिर्जा चलाया।
२२-६-५९ - —— बाड़सोल ही में रहा।
२३-६-५९ —— को रंगामटिया गया।
२४-२५, २६ - रंगामटिया में रहा।
२७-६-५९ - को बाड़सोल वापास आया।
२८-६-५९ - बाड़सोल में गिर्जा किया।
२९-६-५९ - पुन्डीसोल बाजार गया।
३०-६-५९ - पुरुलिया और सरिया गया।

Cate. I. Topno.
1-7-59.

Joint ~~Mission~~ Board जराई केला पहाड़ी June 59. G. Surin. 22/VI

जून महीने का १९५९ की मनथली रिपोर्ट

ता: जून महीने का

१ बिशेष काम के लिये आम्बाकोना गये थे।

२ वहां से दुसरा ता: को लौटे, उधर से मुझे बुखार शुरू हुआ

३ से १६, १९ ता: तक मैं बीमार में था बीमार के कारण से

मैं कहीं भी घुमने नहीं सका मुझे पैर में चोटभी हुआ लगा

था जिसके कारणसे भी से चलते फिरते भी नहीं सकते थे।

१८ को गांव में घुमा एक घर के परिवारों को धर्म के

विषय में समझाया।

१९ बाजार किया,

२०. इलटेसार के भाईयों के सवाल गया था प्रार्थना आदि हुआ

२१ गिरजा चलाया, मसीहि भाईयों को समझाया,

२२, पांच पीया गया था। एक भाई को देड़ीम पुथी से प्रचार किया

२३ मकरवाडा गया था विशेष काम के लिये।

२४ जराई केला बाजार गया था कोई भी भाईयों से मुलाकात नहीं हुआ

२५ लईलोर गया था

एक मसीह भाई से बाद विवाद हुआ।

२६ घर का काम किया और बाजार भी किया

२७ घर का काम किया और पाठ आदि तैयार किया

२८ गिरजा चलाया

२९ पांचपीया गयाथा वहां गिरजा हुआ

३० घर का काम किया।

P. Gladson Surin.

Jaraikala Pahadi.

मान्य Rev. H. Klose - आप को मेरा यीशु सहाय

आगे आप से आजी है कि मैं रिपोर्ट देर से भेज रहा

हूँ कारण कि लिफाफा नहीं मिलता है सो कृपया माफ

कीजिए।

बोंगाजांगा मिशन फिल्ड का रीपोर्ट। जून महीना १९५६ ई।

मान्यवर J. Soy. को यीशुसहाय, — आगे में आप को इस महीने का रीपोर्ट भेजता हूं, कृपाया ग्रहन करेंगे। 20/VI

ता: १-६-५६ को विहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया।
तारिख २-६-५६ से ता: ६-६-५६ तक स्कूल चलाया। रोग से मेरा शरीर कमजोर था इस के कारण दूर करने नहीं सका।
ता: ७-६-५६ को Rev. J. Soy. और खिरिबा प्रचारक के अगुवाई में इतवार गिर्जा हुई।
ता: ८-६-५६ से ११-६-५६ तक स्कूल चलाया।
ता: १२-६-५६ को चुकलु गया, कारण कि प्रचारीन पांव में घाव है उसको दवाई करने के लिये वैद्य का बन्दोबस्त किया। इसलिये हमको तीन दिनों तक रहना पड़ा।
ता: १६-६-५६ को चुकलु से वापीस आया।
ता: १७-६-५६ से ता: २०-६-५६ तक स्कूल चलाया।
ता: २१-६-५६ को मान्यवर डैरेक्टर S. Surin, Rev. J. Soy और प्रचारक खिरिबा के साथ बोंगाजांगा मिशन फिल्ड दूर करने को नया गिर्जा घर संस्कार करने आये, पर अफशोस की बात हुई घर तैयार नहीं तैयार होने के कारण संस्कार नहीं हुआ। इतवार गिर्जा प्रभुभोज गिर्जा हुआ।
ता: २२-६-५६ को विहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया।
ता: २३-६-५६ को स्कूल चलाया, सांझ २ को भरा: कांगा पंड के घर गया। पंड और उसके घरनी को धर्म्म की शिक्षा दिये और समाज बिन्ती हुई। कुरबुड़ा गया और वहां भी सापरिवार मिल के समाज बिन्ती हुई। ता: २४-६-५६ को चक्रधरपुर बजार गया, आते समय मोसोडीह गया वहां युसफ के घरनी बिमार थी उसको उसकी दुःख के लिये विशेष प्रार्थना हुई।
ता: २५-६-५६ को स्कूल चलाया। ता: २६-६-५६ को विहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला जुगदु के साथ खपरा का दर दाम सुनने और लेने के लिये पन्डाडीह गये, खपरा किसान घर को मोलान के तौर पर देता है, और उसका दाम ३२) रु० कहता है। पर ढोलाई खर्च नहीं होने के कारण मोलान लेने को नहीं सके गिनती हिसाब से २) रु० सैकड़े दाम है, हम दोनों उसको पौने दो रुपये सैकड़े हिसाब से मांगा, पर वह नहीं दिया। एक हजार खपरा लेने का बिचार किये हैं, पर मजुरी नहीं पाने के कारण नहीं लीये हैं। सांझ को बारुगाड़ा में रहा वहां सापरिवार मिल के समाज गिर्जा हुआ।
ता: २७-६-५६ को स्कूल चलाया। ता: २८-६-५६ को इतवार गिर्जा चलाया
ता: २९-६-५६ को बिहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया।
ता: ३०-६-५६ को स्कूल चलाया॥ लकीन हस्सदा: होयोहातु बोचे इतवार से और गिर्जा करता है, पुछने से यह कहता है, हमारे कुटुम्बों के बहकाने से मैं उतना दिन गिर्जा नहीं आता था, पर आजे को इसी ख्रिस्तान धर्म्म पर चलने का करार करता हूं।

आगे इन महीनों का गिर्जा आमदनी हिसाब आप को भेजा जाता है।

फरवरी	महीना	का	टोटल	३।॥=)।+
मार्च	"	"	"	३ ॥)।
अप्रेल	"	"	"	२ ।-)
माई	"	"	"	२।॥=)॥
जून	"	"	"	३ -)।

जमा टोटल १६ ॥≡)॥-

प्रभुभोज दान ।।-)॥ आप को दिया गया।

१६ -)॥ प्रचारक खर्चा।

लि० आप का आज्ञाधीन प्रचार - अन्तोनी सोय

बोंगा जांगा मिशन फिल्ड।

ता: ४-६-२६।

१९५९ जून महिना का डायरी। 19/VI

१-६-५९ को जाम्माल में बचन सिखाया।
२-६-५९ " जाम्माल में बचन सिखाया।
३-६-५९ " " " " " ।
४-६-५९ " " " " "
५-६-५९ " बलन्डा मे एक नया धर्म्म खोजक के घर में बिन्ती किया।
६-६-५९ " बलन्डा में एक दुःखाली के घर में बिन्ती किया।
७-६-५९ - गिरजा किया।
८-६-५९ - बलन्डा में एक दुःखाली की सेवा में था।
९-६-५९ से ११-६-५९ बलंडा का एक दुःखाली की सेवा में था।
१२-६-५९ बलन्डा में एक नया धर्म्म खोजक के घर में एक बहिन बिमार थी उस की सेवा में।
१३-६-५९ - जाम्माल में बिन्ती समाज किया।
१४-६-५९ - गिरजा किया।
१५-६-५९ - बलन्डा में एक नया धर्म्म खोजक के घर में एक दुःखाली की सेवा में था।
१६-६-५९ - जाम्माल के दुःखालियों के लिये दवा खोजने गया था।
१७-६-५९ - बलन्डा में नया धर्म्म खोजकों के घर में दुःखालियों को दवा और प्रार्थना द्वारा सेवा किया।
१८-६-५९ - बलन्डा में एक नया धर्म्म खोजक बिमार था, उस को सेवा किया।
१९-६-५९ - बलन्डा में एक बिमारी ख्रस्तान बहिन की सेवा में था।
२०-६-५९ - जाम्माल में एक बिमारी बहिन को दवा ओ प्रार्थना द्वारा सेवा किया।
२१-६-५९ - गिरजा किया।
२२-६-५९ - जाम्माल में बचन सिखाया।
२३-६-५९ - टांड़ का खतियान अर्जी के लिए कुचिन्डा गया था।
२४-६-५९ - कुचिन्डा से लौट कर जाम्माल में बचन सिखाया।
२५-६-५९ - जाम्माल में बचन सिखाया।
२६-६-५९ - बलन्डा में एक नया धर्म्म खोजक के घर में एक दुःखाली को प्रार्थना और दवा द्वारा सेवा किया।
२७-६-५९ - बलन्डा और जाम्माल में दुःखालियों को प्रार्थना और दवा द्वारा सेवा किया।
२८-६-५९ गिरजा किया।
२९-६-५९ - जाम्माल में एक दुःखाली की सेवा में था।
३०-६-५९ - जाम्माल और बलन्डा मे दुःखालियों की सेवा में था।

Cat. Simon Dang
G. E. L. church
Kulpal
6-7-59

Kulpal
6-7-59

श्री युक्त महामान्यवर —
पाद्री बाबू J. Soy.
आपको मेरा यीशुसहाय।
महाशय,
इस महिना के भितर, मराडली में ओ गांव भर में संसार, ख्रस्तान, ओ अन्य जातियों के बीच भी बहुत दुःख पड़ा है। वर्त्तमान में बिशेष करके एक नया ख्रस्तान बहिन जोर दुःख में पड़ी है, और सब प्रायः अराम हुए। आप के तरफ प्रभु में सुनने के चाहक हूं।
जून महिना का मराडली अमदनी ५।।।=)।। 2 N.P. है। आप के आज्ञानुसार पाद्री डेरा मरामत में खर्च किया जायगा। पीछे तरफ भी देखें

पहिले का Rev. Ch. Samad बाबू जनाये हूं. हैं बोले
इसे मैं केवल जून महिना का इस डायरी में लिखा हूं।
आप का आज्ञाधीन ~~सेक~~ सेवक —
प्र० शिमोन डांग कुलपाल मराडली।
६-७-५६।

To
The
Rev. J Soy.
G. E. L. church chaibasa
P. O. chaibasa
Dist- Singhbhum.
Bihar.

Reports
May & June 59.

Rangamatia
3-7-59

18/V+VI

मान्यवर

Rev. Soy आप को सपरिवार मेरा प्यार यीशु सहाय।
आप को मालूम होवे कि ता० ३-६-५६ को मैं जून महीने का तलब पाया।
आज कल यहां दुःख और सुख दोनों दशा में हम लोग हैं। पाद्रीयाइन की
तबीयत हमेशा अच्छी न रहने के कारण मैं बहुत दुखित हूं। उसका पेट
दर्द कभी २ बिलकुल अब तो छूट गया जैसा मालूम पड़ता है। इस बार
फरवरी से जून के अन्तिम सप्ताह तक कुछ दर्द नहीं था। ३० जून को फिर
दर्द निकला और उस दिन बहुत ही तबाह हो गई थी। ता० २-६-५६
को प्रचारक बाबू J. Topno के साथ मैं पाद्रीयाइन को घर भेज दिया। रांची में
मेरा एक बड़ा ससुर है वैद्य का काम जानते हैं। महासभा के समय मुझ को बोले
थे कि जल्दी भेज दीजिये मैं एक बार दवा दूंगा। उस समय अच्छी भी थी
यही आशा रखते थे कि अब छूट जायगा। प्रचारक को पैसा, कहां भेजा गया
है अथवा नहीं। बहुत तकलीफ में पड़ कर चला गया।
मैं आज इसी पत्र द्वारा मई और जून महीने का रिपोर्ट संक्षेप से बताना
चाहता हूं। पहिला मई से ६ मई तक सिमली पहाड़ तरफ दूर में था।
उस समय वहां ५ धर्म खोजकों को बपतिस्मा दिया। उन का नाम नीचे लिखता
हूं। उधर से लौट कर कुछ दिन के लिये अर्थात हवा बदलने के लिये फिर मैं
सिमली पहाड़ गया। उसके बाद १८ ता० से २१ ता० तक घर ही में रह कर
समय बिताया। इन दिनों में बाबोती नाम का गांव का एक आदमी मेरे
पास हिन्दी सीखने के मतलब से आता था उसको धर्म का ज्ञान भी
देता था। आगे जून महीने के विषय संक्षेप से बताने चाहता हूं।
जून महीने में दो बार दूर निकला था। एक बार जसीपुर तरफ अर्थात
८ जून से ११ जून तक उधर था।
बंगाल में था। उधर सब जगह घूमे थे। फिर १२ जून से १६ जून तक पश्चिम
की दशा अति शोचनीय है। जहां प्रचारक बाबू अभी रहते हैं। नदी के इस पार की मसाडलियों
पार के भाई बहिन लोग प्रचारक काम की ओर जोर रहे हैं। नदी उस
राम बाबू हम से यह अर्जी करते हैं। कि उसकी बड़ी बेटी तबीता स्कूल में
या कहीं ऐसा जगह में रहे कि उसको कुछ धर्म का ज्ञान और उधर
की सभ्यता के विषय सीखे जिससे इधर के बहनों की अगुवाई करे।

और यह इधर के लिये बहुत जरूरी है। कृपा कर आप उनके लिये जगह दरियाफ्त कीजिये। उनका कहना यह है कि कहीं लड़की बोर्डिंग में भी बावर्ची का काम करते हुए कुछ उधर की सभ्यता के बिषय ज्ञान प्राप्त करे। उनकी उम्र करीब २० बर्ष की होगी। बंगला में अपर प्राइमरी तक शिक्षा प्राप्त किई है। पास नहीं किई है।

कृपा कर आप पहिले आने का ता० मुझ को दीजिये कि आप कब आयेंगे और किधर से आयेंगे। जिससे मैं समय पर उन को खबर देने सकूं। आप आशा रखिये कि policy company से बहुत रुपया पायेंगे। मुझ को भी रुपया मिलना आरम्भ हो गया है। १० जून से आना आरम्भ है। अब तक १०६) रु. मुझको मिला है। आप को कब से और कितना मिला है। हम दोनो का रुपया पश्चिम बंगाल से मिल रहा है। जो फार्म मैं इधर लाया था वहीं चालू किया। आज कल पुड़ु लिया आस पास policy Form की आग लगी है। डुडु बाबू के घर के ३ जनों को रुपया मिल रहा है। वैसा ही और कितनों को भी। इतना ही लिख कर अन्त करता हूँ।

लि० आप का विश्वस्त

H. Tuti

Report June 59. Jusaf Kandulna 16/VI

जुन महीन का रिपोर्ट १९५९

१-६-५९ को मैं सरुदा से रंगामटीया गया था और मैं भजार किया
२-६-५९ को मैं रंगामाटीया में रह गाय
३-६-५९ को मैं रंगामटीया से सरुदा गया था
४-६-५९ को मैं सरुदा में राह गया था
५-६-५९ को मैं सरुदा में प्रभु भोजो. कैलिआ सिकाते है
६-६-५९ को मैं सरुदा से डुडारुच्याक गया था
७-६-५९ को मैं डुडारुच्याक में गिरज किया
८-६-५९ को मैं डुडारुच्याक से सरुदा आया था
९-६-५९ को मैं सरुदा में जवान युवाति को सिखते हैं इसलीया
मैं सरुदा में राहते है और मैं सरुदा से टुर कारते है
१०-६-५९ को मैं गितिलपिडी गया था दुकानाजेला मैं सरुदा आया थी
११-६-५९ को मैं सरुदा में राह गया था
१२-६-५९ को मैं सरुदा से गितिलपिडी गया था और गितिलपिडी से गोपिन
पुर गया था
१३-६-५९ को मैं गोपिनापुर से सरुदा आया था
१४-६-५९ को मैं सरुदा से कुदागुटू गया था और मैं गिरज किया
१५-६-५९ को मैं सरुदा में रह गया
१६-६-५९ को मैं मुडाबलांग गया था और मैं पचर किया
१७-६-५९ को मैं ओबरमापुर गया था और मैं दो जगन को पचार किया
१८-६-५९ को मैं पानी कियाइसालिया मैं घर में था
१९-६-५९ को भी पानी किया
२०-६-५९ को मैं कुदागुटू गया था और मैं पचार किया
२१-६-५९ को मैं कुदागुटू मैं था और मैं गरबेटे को समजाय
२२-६-५९ को मैं कुदागुटू से सरुदा आय ता
२३-६-५९ को मैं सरुदा में रह गय था
२४-६-५९ को मैं सरुदा से गोपिनापुर गया था
२५-६-५९ को मैं गोपिनापुर से मैं सरुदा आया था
२६-६-५९ को मैं घर में रह गय था
२७-६-५९ को मैं कुदागुटू गया था
२८-६-५९ रुवार को मैं कुदागुटू में गिरज किया और मैं
गिरज के बादे मैं सरुदा आया था
२९-६-५९ को मैं मुडाबाल गया था और मैं पचार किया
३०-६-५९ को मैं सरुदा से मैं मानोपिडी गय था

ता० ५-७-५९ ... जुसफ कांडुलना

He did preparation Class for Holy Confirmation. Took are of the Christian people by visiting them and also preaching the Gospel to the Non Christians.

जून १९५६

१ ता से
८ ता. तक घर से था. प्रचारी का सेवा
और मदात में और खेती का काम
भी करता था
९ ता. को सनगाई मोवेन साई से बुध
लोगो को सुना था
१० ता: घरबासाई लोगो को सुनाया
११ ता: गांव के टोले मे
१२ ता: देवली दो चार जानो साथ मुकाबले
बिसाय सुनाया
१३ ता - घर मे था
१४ ता - सिवदो गिरजा करने गया
१५ ता खुड़री कोया
२० ता: तक रहा
२१ ता! घर लौटा माटी गड़हा होते हुए
२२ त - घर मे था।
२३ जुड़ी गया था. दो चार जान से
घर के बिशय बात चित किया।
२४ ता. नेपलोम गया था।
२५ ता: प्रचारीन फिर उसका बिमारी किया
२६ ता: पोड़ाडिहा गया. और दवा भी कराया
२७ ता - था
कुछ अच्छा होने से

Ripoart for the month of Jun 1959 cat. J. Munu Sisibaha.

1-6.59. कुंवार सिंह के कारखाना में प्रचार किया।

2-6.59. पो. आफिस रु. छुड़ाने गया।

3-6.59. चीचीवहा में 7 भाइयो को धर्म के बारे समझाया।

4-6.59. दमुड़ी में घुमा।

5-6.59. बाजार कड़ाइ केला गया।

6.6.59. हुरांग दा: में महतो और हो लोगो को प्रभु का वचन सुनाया।

7-6.59. चीचीवाहा और वाईवेड़ा में गिरजा किया। वाईवेड़ा में गिरजा वास मिशन घर के लिये खपरा खोजने Rev. J. Joy के साथ गया पर नहीं पाये।

8.6.59. वाई वेड़ा से सीमी दीरी Rev. J. Joy के साथ एक जवान के पास आये और उस जवान को प्रभु का वचन सुनाये और वहां से चक्रधरपुर आये। वहां से अपने स्थान को लौटे। चक्रधरपुर में मिस्त्री को भी खोड़ा खिड़की के बारे धमकी दिये।

9.6.59. चीचीवहा में प्रभु का वचन सुनाये।

10.6.59. दमुड़ी में एक रोगी के पास प्रार्थना किया यीशु कौन है उस को दर्शाया।

11-6.59. दमुड़ी में घुमा।

12.6.59. कराई केला बाजार गया।

13.6.59. पाठ तैयार किया।

14.6.59. गिरजा किया।

15-6.59. जरकी और जदकोड़ी गया।

16.6.59. नाकटी प्रचारिन की सेवा में प्रचारिन के साथ गया।

17.6.59. चक्रधरपुर मिस्त्री के पास गया, मिस्त्री बहाना कर दिया।

18.6.59. दमुड़ी गया और कारखाना में जवानो के साथ बातचित।

19.6.59. सिंकपानी अपस्मार की दवा पहुंचाने गया।

20-6.59. सिंकपानी से चाइबासा आया और Rev. J. Joy और Director Rev. S. Surin के साथ चीचीवाहा आया। चीचीवहा में रात को कितने भाई Director के साथ मिलने आये।

21-6.59. बोंगा जंगा में गिरजा किया। रात को गैर मसीहियो को प्रचार किया।

22.6.59. चीचीवहा में एक जवान धर्मखोजक को Director Rev. S. Surin के द्वारा बपतिस्मा दिया गया और बाद में ठाकुरीसाई में महतो लोगो को प्रभु का वचन सुनाया गया। वे आनन्द के साथ सुने।

23.6.59. कड़ाई केला में 6 भी हिन्दुओ को प्रभु का वचन सुनाया। उन को बताया कि मनुष्य भला काम से बैकुण्ठ नहीं पायगा पर मनुष्य सिर्फ यीशु पर विश्वास करने के द्वारा।

24.6.59 बेटी को रांची पहुंचाने गया।

25-6.59. रांची से लौट आया।

26.6.59. बाजार किया।

27.6.59. पाठ तैयार किया।

28.6.59. गिरजा किया और गिरजा बास 30 जनो को कारखाना में प्रचार किया।

29.6.59. चक्रधरपुर गया और मिस्त्री को बहुत बोला पर फिर ता: दे दिया।

30.6.59. दिन भर पानी किया, वचन स्टाडी किया।

नोट :- (क) आनन्द की बात है कि ईश्वर एक जवान को तैयार किया और 22-6-59 को योहन्नेस नाम दिया जा कर ख्रिस्तान धर्म में मिला लिया गया है।

(ख) जोहन्नेस हर रविवार को गिरजा आता है और आनन्द में भर कर इधर उधर साथियो को और बुढ़ो को भी प्रभु का वचन सुनाता है। मैं अर्जी करता हूं कि बोर्ड से एक सुसमाचार उसको दिया जाय।

(ग) ३ छोटा कटेकिस्म की टीका की जरूरी (मांग) हो रही है सो आप देने को कृपा करें। मैं सिर्फ १ ही टीका पैसे की कमी के कारण लाया। इस पुस्तक को गैरमसीही मांग रहे हैं और धर्म में आने को भी इच्छा प्रगट करते हैं।

(घ) मैं हो लोगो के लिये दिन और रात परिश्रम करता हूं और उसी परिश्रम का फल जो हम ने देखने पाया है।

(ङ) मैं योहन्नेस को दृढ़ापन के लिये भी तैयार करता हूं। वह अपने एक साथी के साथ हर शाम को पढ़ने आता है।

(च) हम परिवार समेत अच्छे हैं पर आर्थीक कठिनाई मुझे बहुत दुख दे रहा है चूंकि मेरा परिवार का खर्चा १५ चावल महिना का है और चावल का दाम 30) मन है। कुल खर्चा १ महिना का ५०) है और २५) माह बेटी को देना पड़ता है।

Yours faithfully
J. Sunn
6.7.59.

P. S. Topno

13/VI

नकटी जोईन्ट मिशन बोर्ड
माहवारी रिपोर्ट जून महीने का १९५६

ता० · काम का जगह —
६-६-५६ डुरंगदा माहतो लोगों को सुसमाचार सुनाया सुनाने वाले करीब २० जन थे।
८-६-५६ मोरी साई गया वहां भी दो,तीन जनों सुसमाचार सुनाया। और एक ठाकुर को जो ग्राम सेवक है
९-६-५६ - नकटी में दो माहतो भाइयों को सुनाया।
१२-६-५६ को कोंकोला के मुराड़ा को सुसमाचार सुनाया।
१४ मदको बेरा में गिरजा किया।
१५, १६ घर में था प्रचारीन की हालत बिमार हालत में था। डीलियारी केश के कारण।
१७
१८
१९ " "
२० " "
२२ " "

२२ ता० को मौरी स्वाई दुबारा महतो लोग
और मोदी लोग। मछुवा लोग।
और ठाकुर लोगों को सुनाया
डाईरेक्टर D. [illegible] के साथ
सुननेवाले करीब ४० अनुमान के ऊपर थे
२६ ता० ता० मे झराड़ो गांव के एक भाई को
सुनाया।
२७ ता० को मरारडेया के स्कुल के मास्टर को
सुनाया।
२८ मठकी वेरा मे गिरजा हुआ।
२९ घर का काम किया।
३०
नोट. २३ ता० को नकटी मे गिरजा हुआ
नोट. जिन ता० को लिस्ट नाही है
उन से घर ही मे था चुंकि अभी तक
प्रचारीन को हालत नहीं सुधरी है कमजोरी
बहुत है।

Catechist S. Tofno
Nakti 1.7.59

12/V

ता:२-६-१९५९ बाईबेड़ा ज्वोईन्ट मिशन बोर्ड का रिपोर्ट ~~मई~~ जून का ॥

Sri Mahamanegawar Rev: H: Kloss,
Rev: J: Song ajishusahay.

जून-
ता: १ बाईबेड़ा में गिर्जा किया।
२ घर का काम किया।
३ सुन्दरी गया और भाईयों को प्रभु का बचन सुनाया संख्या ३।
४ बजार किया।
५ घर का काम किया।
६ गिर्जा के लिये पाठ तयारी किया।
७ सोनुआ में और सराडेयापोस में गिर्जा किया।
८ बाईबेड़ा में गिर्जा किया।
९ बीरू में कान्या बंदबस्त कर रहे हैं, इसकारण हमारे भाई लोग मुझको बुलाये थे, इसकारण मैं बीरू गया।
१० बीरू में था।
११ बीरू में था।
१२ बीरू में था।
१३ बीरू से लौट आया, कोसिश तो करते हैं पर अभी तक नहीं हुआ है।
१४ सोनुआ और सराडेयापोस में गिर्जा किया।
१५ स्थानिया में गिर्जा किया।

ता: १६ घर का काम किया।
१७ गाँव ही में भाईयों, ईश्वर का बचन सुनाया संख्या ३।
१८ बजार किया।
१९ दृढ़ीकृत और बप्तिस्मा वालों को बचन सिखा।
२० गिर्जा उपदेश बचन तयारी किया।
२१ गिर्जा किया।
२२ दृढ़ीकृत और बप्तिस्मा वालों को बचन सिखा।
२३ दृढ़ीकृत और बप्तिस्मा वालों को बचन सिखा।
२४ दृढ़ीकृत और बप्तिस्मा वालों को बचन सिखा।
२५ टोपो साई गया और भाईयों को बचन सुनाया संख्या २।
२६ दृढ़ीकृत और बप्तिस्मा वालों को बचन सिखा।
२७ गिर्जा उपदेश बचन तयारी किया।
२८ गिर्जा किया।
२९ दृढ़ीकृत और बप्तिस्मा वालों को बचन सिखा।
३० गाँव ही में भाईयों को धर्म भक्ति बचन सुनाया संख्या २।

आप का बिश्वासी —

इसराएल तोपनो प्रचारक ॥

राज्य वृद्धि काम का रिपोर्ट होरो खरिया जून महीना १९५६-

११/५

तारीख

१ घर में रहा

२- बारी गांव बैल खरीदने गया था

३, - घर में रहा

४ -- घर में रहा

५ - गोइलकेरा बाजार गया था

६ - हाल जोता

७- होरो गिरजा करके दूसरी बेला कोमदी मण्डली में गिरजा किया। खरीदा हुआ बैल को पहुंचना और भाई को देखने पितल गया।

९+१०- दो रोज पितल में ठहरा।

११ - पितल से होरो आया

१२ गोइलकेरा बाजार गया था

१३ मकाई बोया

१४. होरो में गिरजा करके दूसरी बेला कोमदी में गिरजा किया

१५ स्कूल शुरू किया

१६ स्कूल किया

१७ स्कूल किया

१८ स्कूल किया

१९ स्कूल किया और बाजार गया।

२० - स्कूल किया

२१- गिरजा किया

२२ स्कूल किया

२३. स्कूल किया

२४ - स्कूल किया

२५ स्कूल किया

२६ गोइलकेरा बाजार गया था

२७ स्कूल किया

२८ गिरजा किया और हिन्दुंग गया

२९ हिन्दुग से होरो आया

३० स्कूल किया।

आका विश्वस्त थोमस मेंगरा
होरो। ता: ६-७-५६ ई०

जून महिना का रिपोर्ट - ~~ता: २-६~~ १९५८ 9/प

१-६-५८ को मैं दिरिपसिला को गया था ३-४ सन्ताल लोगों को सुसमाचार सुनाया वे यीशु के जन्म को हांस देते हैं —

२-६-५८ को मैं मच्चुपुर को गया था, एक सन्ताल को सुसमाचार सुनाया और बताया कि हिन्दु धर्म बिना मुल का है

३-६-५८ को मैं अपना साथिवाला भाई को कुछ सुसमाचार सुनाया —

४-६-५८ को मैं घर ही में था —

५-६-५८ को मैं सिमरता के माहती लोगों कुछ सुसमाचार सुनाया —

६-६-५८ को मैं उरकिया को गया था, दुकान वाला माहती के साथ मे सच्चा धर्म खोजने के बिषय में बादाबिबाद किया —

७-६-५८ को बिश्राम दिन था —

८-६-५८ को मैं दिरपसिला को गया था, एक सन्ताल को मैं समझाया —

९-६-५८ को मैं गोन्डपुर को गया था, वहां के नयां आने वालों को यीशु का पुरा सबुत और सच्चा मुक्तिदाता कह के समझाया —

१०-६-५८ को मैं नयां वालों को समझाया कि यीशु किस प्रकार से मनुष्यों को शैतान से और पाप से छुड़ा सकता है —

११-६-५८ को मैं गोन्डपुर से घर चला आया —

१२-६-५८ को मैं एक उरांव को बताया कि ईश्वर ने यीशु के द्वारा से पाप क्षमा का रास्ता को बनाया है, इस लिये यीशु के बिना पाप क्षमा नहीं मिल सकता है —

१३-६-५८ को मासन्ध पर्ब था, इस लिये मैं कहीं नहीं गया —

१४-६-५८ को ,, ,, ,, ,, ,,

१५-६-५८ को बिश्राम दिन था ——

१६-६-५८ को मैं एक माहली को यीशु धर्म के बिषय में कुछ बहुत बताया ——

१७-६-५८ को मैं उरकिया को गया था, माहली लोगों के साथ में धर्म के बिषय में बात चीत किया —

१८-६-५८ को मैं दिरिपसिला को गया था, किसी को नहीं पाया ——

१९-६-५८ को मैं बांगा के मुन्डा टोला को, आज कल का समय और यीशु के फिर आने के बिषय में बात चीत किया ——

२०-६-५८ को मैं घर से गोलसुवा को गया, जोजोकुटु में सन्ताल लोगों को जोर से सुसमाचार सुनाया ——

२१-६-५८ को मैं गोलसुवां से हीरो को पहुंचा और हम दोनों प्रचारक मिल के औरंगा को गया, और एक सन्ताल को प्रचार किया —

२२-६-५८ को हीरो में गिरजा कर के कुम्डी को ~~और~~ आया और एक मुन्डा बुढ़ा को बहुत समझाया और घर चला आया

२३-६-५९ को मैं आनन्दपुर को गया, गोन्डपुर के भाइयों को बपतिस्मा का खबर देने के लिये, वे मेरे ठहराये तारिख को मन्जुर नहीं किये, केन्सेल कर दिये। और बोले कि जब हम बुलायेंगे तब आना —

२४-६-५९ को मैं बाजार जाने के कारण से कहीं नहीं गया —

२५-६-५९ को मैं उरीकिया को गया था, एक माहतो के साथ में राजा नैतिक और धर्म नैतिक के बिषय में कुछ बात चीत किया —

२६-६-५९ को मैं कुरताबेड़ा को गया लोटा पानी देखने को —

२७-६-५९ को मैं कुरताबेड़ा से लौटा —

२८-६-५९ को विश्राम दिन था —

२९-६-५९ को मैं डुमारिता के दो सन्थाल और एक माहतो को सुसमाचार सुनाया —

३०-६-५९ को मैं उरीकिया को गया था, माहतो लोगों को सुना कर चुप करा दिया —

आप का प्यारा प्रचारक ॥

J.K. Hemrom. Dumirta

3-7-59

Porhahdih 8/II
D. 25.6.49

श्रीयुत महामान्यवर

पाद्री बाबू आप को मेरा यीशु सहाय।

महाशय,

पाद्री बाबू आप को मालूम होवे।

ता. १.६. को मैं गांव में घुमा था।
ता. २.६. को मैं छुटुकडीह गया था।
ता. ३.६. को मैं पतरामाडर गया था।
ता. ४.६. को मैं गुंजीडुड़ गया था।
ता. ५.६. को मैं टिकलीपड़ा गया था
ता. ६.६. को मैं डोंगाम्बेरा गया था।
ता. ८.६. को मैं तिलेमाल गया था।
ता. ९.६. को मैं आरगेन गया था।
ता. १०.६. को मैं रोपड़ा गया था।
ता. ११.६. को मैं तरनाकटा गया था।
ता. १२.६. को मैं पोलेनपुड़ा गया था
ता. १३.६. को मैं तुरेंग. गया था।
ता. १४.६. को मैं बेलवाम गया था।
ता. १६.६. को मैं सोड़ा गया था।
ता. १७.६. को मैं गुरंबिसा गया था।
ता. १८.६. को मैं जामदोरा गया था।
ता. १९.६. को मैं खमरबाहर गया था।
ता. २०.६. को मैं डोंगापत्थर गया था।
ता. २२
ता. २३
ता. २४ } को मैं कहीं भी जाने नहीं सका। कारण कि
अभी भालू आदमियों को पकडता है।
टिकलीपड़ा का एक किसान लड़का को, सर को
पकड़ दिया है। और दूसरा गांव का
एक जवान को पैर में घाव किया है
डर से मैं चार दिन नहीं घूमा हूं।

१९५८ साल का मराइली आमदनी कुल ४) रुपैया
बाकी है
१९५९ साल का मराइली आमदनी।
जनवरी, फरवरी, मार्च और अप्रेलका
मोट (६) रु. हुआ है।
महाशय पादरी बाबू आप इसको तलब में से
काट लीजियेगा।

प्रचारक Shakra Porha

जुन १९५६

7/VII
तरिक १२-८-१९५६
7/VI

१-६-५६ को कुलपाल के नये खृष्टीयानों को बचन सिखाया।
२-६-५६ को कुलपाल से दोनों प्रचारक S Baug के संग गोरेया बहाल गया।
३-६-५६ को बचन सुना के प्रार्थना किया। शामको जामगला में बचन सिखाया।
४-६-५६ को बलान्डा के नया खृष्टीयान दुखाली को प्रार्थना दवाई से सेवा किया।
५-६-५६ को ओड़ोपल संसारी दुखाली को बचन सुना के प्रार्थना किया।
६-६-५६ कुल पाल से गोरेया बहाल खोरर डीह में बचन सिखाया।
७-६-५६ को गोरेया बहाल खोरर डीह में गिरजा किया।
८-६-५६ को कुलपल में धर्म खोजकों बचन सिखाया।
९-६-५६ J Lugun और S Baug दोनो प्रचारक धुन धुसा के संसारियों
१०-६-५६ नोकदिपाली संसारियों को ईश्वर का बचन सुनाया। को समझाया।
११-६-५६ पोगडा के संसारियों को भि समझाया।
१२-६-५६ को गोरेया बहाल खोरर डीह में गिरजा आने का समझाया।
१३-६-५६ को गोरेया बहाल में संसारियों को बचन सिखाके प्रार्थना किया।
१४-६-५६ को गोरेया बहाल में गिरजा किया।
१५-६-५६ को नया धर्म खोजकों को बचन सिखाया।
१६-६-५६ को कुलपाल में जाकर गाढ़ा बेमार के कारण उठना बैठना नही सका
१७-६-५६ बेमार " " रहा।
१८-६-५६ " " " "।
१९-६-५६ " " " "।
२०-६-५६ को गोरेया बहाल खोरर डीह में गिरजा किया शामको बहुँत गई बहाल जमे
२१-६-५६ को भी गोरेया बहाल में गिरजा किया। जन संख्या ४० से उपर थे।
२२-६-५६ को कुलपल में नया और पुराने धर्म खोज को बचन सिखया।
२३-६-५६ को गोरेया बहाल में बचन सिखाया।
२४-६-५६ को देहरीन माल के संसारियों को ईश्वर का बचान सुनाया।
२५-६-५६ को कुकुडा के संसारियों को गित भजान के बद ईश्वर का बचन सुनाया।
२६-६-५६ तरिका से रहने के लिये घर बनाने सुरु किया फिर शाम को समझाया।
२७-६-५६ गोरेया बहाल में बचन सिखाया।
२८-६-५६ गोरेया बहाल में गिरजा किया।
२९-६-५६ कुलपल में पुराना खृष्टान के घर में प्रार्थना किया।
३०-६-५६ को बलांडा के संसारियों को शमझाया।
~~३१-६-~~

महा मनोन्यार
पाद्री बाबु आप को प्रेम यीशु सहाय। आप को विदित हो
हम आपने फिम्ली बल बच्चों समेत गोरेया बहाल मंडली में रह बासे हैं।
दुःख सुःख सारे मंडली आच्छे ही हैं। जो खृष्टान धर्म को तुछ करते हैं।
उन सब बेमार में पड़ जते हैं जितना बिस करने से भी छुटता नही।
जब हयरान जब होते है तब प्रचारक को खोजते प्रचारक जते हैं तब छुट
जते हैं इसि ईश्वार का महा कर्म को देख कर मंडली में आ जाते हैं।
इस महिना में आठ ८ घर खृष्टान में आये हैं सो आप को मलुम हो

लि॰
आप आज्ञाकारि
प्रचारक J. Lugun
Goreabahal
लि॰

Bo drama. 6/II

जून ५९ का डायरी ॥

ता:

१ — — अपना ही टोला में काम किया ॥

२ — — आज मैं गौड़पाड़ा बाजार कोई काम के लिये गया था ॥

३ — — मैं रात भर रह के बोड़ाया आया ॥

४ — — बोड़ाया से बाहर नहीं गया ॥

५ — — बिशालपुर घूमने गया था।

६ — — अपना डेरा में दिन बिताया ॥

७ — — रतवार को गिर्जा किया ॥

८ — आज ८ ता: से १० तारीख तक घर का काम किया ॥

११ — गांव का बाजार गया था ॥

१२ — अनेक भाईयें मिल के डुड़सुंगा गांव गये थे ॥

१३ — हम आज वहां से लौट आये ॥

१४ — रतवार गिर्जा किया ॥

१५ — अपना घर का काम किया ॥

१६ — आज भी घर का मरामत काम किया ॥

१७ — गिर्जाघर में सफेदा चढ़ाया ॥

१८ — आज दो तीन जनों को छरवाया ॥

१९ — चेपोटाम गया था ॥

२० — कहीं नहीं गया ॥

२१ — रतवार गिर्जा किया ॥

२२ — बिशालपुर गया था।

२३ — मैं चेपोटाम गया था।

२४ — आज भी चेपोटाम ही गया था ॥

२५ — आज बाजार कर के - अपना डायरी बनाया ॥

२८ ता: को छोड़ के आमदनी 1-8-0

और भी नये व्यक्ति बेलोजक होने का उम्मेद हो रहा है।

J. Samad

25-6.59.

जून १९५९ की डायरी

ता॰ १-६-५९ दुरगाडीह में था।
ता॰ २-६-५९ घमड़ा होते हुए बन्धाईं गया।
ता॰ ३-६-५९ Rev. H. Samad के साथ घमड़ा (गोविन्दपुर) गया।
ता॰ ४-६-५९ " " " रेल यात्रा से बिरमित्रपुर होते हुए केरेया गया।
ता॰ ५-६-५९ सिमडेगा सरकिल खरीदने के लिए Rev. H. Samad के साथ गया।
ता॰ ६-६-५९ केरेया में था।
ता॰ ७-६-५९ केरेया मण्डली के गिरजा में ~~उपस्थित~~ हाजिर था।
ता॰ ८-६- केरेया में था।
ता॰ १०-६-५९ केरेया से बिरमित्रपुर आया।
ता॰ ११-६-५९ बिरमित्रपुर से रेल पथ से घमड़ा होते हुए तम्बला मठ आया।
ता॰ १२-६-५९ दुरगाडीह आया।
ता॰ १३-६-५९ दुरगाडीह में था।
ता॰ १४-६-५९ दुरगाडीह + घमड़ा में गिरजा किया।
ता॰ १५-६-५९ घमड़ा में एक बिमारी के लिए सेवकाई का काम किया।
ता॰ १६-६-५९ " " " " "
ता॰ १७-६-५९ दुरगाडीह आया।
ता॰ १८-६-५९ दुरगाडीह में था।
ता॰ १९-६-५९ " "
ता॰ २०-६-५९ " "
ता॰ २१-६-५९ घमड़ा + दुरगाडीह में गिरजा किया
ता॰ २२-६-५९ दुरगाडीह आया।
ता॰ २३-६-५९ " में था।
ता॰ २४-६-५९ कोलापट में एक बिमारी की सेवा किया।
ता॰ २५-६-५९ कोड़रमा गया।
ता॰ २६-६-५९ दुरगाडीह आया।
ता॰ २७-६-५९ कोलापट गया।
ता॰ २८-६-५९ कोलापट, दुरगाडीह, घमड़ा में गिरजा किया। शाम को Rev. H. Samad के साथ घमड़ा में ठहरे।
ता॰ २९-६-५९ घमड़ा में एक बालक का जन्म हुआ
ता॰ ३०-६-५९ जमून किरा होते हुए घमड़ा गया।

१९५९ ई॰ से १९५९ की जून महिना तक का नगद (बैलन्स) ३३/ रुपया —

Cate-Madang
Durgadih
30/6-59

4 / VI

Diary for the Month of June 1959

1 6/59 लड़कों को हिन्दी पाठ पढ़ाते हैं आठ लड़के हाजिर थे

2 6/59 लड़कों को हिन्दी पाठ पढ़ाये ।

3 6/59 " " " "

4 6/59 " " " "

5 6/59 " " " "

6 6/59 " " " "

7 6/59 गोरजा किये हमारे घर वालों के साथ नव प्राणी हाजिर थे

8 6/59 लड़कों को हिन्दी पाठ पढ़ाया । आठ लड़के हाजिर थे

9 6/59 " " " " "

10 6/59 " " " " " "

11 6/59 " " " " " "

12 6/59 " " " " "

13 6/59

14 6/59 गोरजा किये उस रोज आठ प्राणी हाजिर थे

15 6/59 लड़कों को हिन्दी पाठ पढ़ाया । आठ लड़के हाजिर थे

16 6/59 " " " "

17 6/59 " " " "

18 6/59 " " " "

19 6/59 " " " "

20 6/59 " " " "

21 6/59 गोरजा किये आठ प्राणी हाजिर थे

22 6/59 लड़कों हिन्दी पाठ पढ़ाया ।

23 6/59 " " " " " "

24 6/59 " " " " " "

25 6/59 " " " " "

26 6/59 " " " " "

27 6/59 " " " "

28 6/59 गोरजा किये आठ प्राणी हाजिर थे

29 6/59 लड़कों को हिन्दी पाठ पढ़ाये

30 6/59 लड़कों हिन्दी पाठ पढ़ाये आठ लड़के हाजिर थे

Patras Barla Sargidih

12 - [illegible] -59

3 / V+VI

Report for May + June 1st to the 15th, 1959.

May:-1 Bamra स्टेशन से Madhupur आया।

2+3 Madhupur पहुंच के ता. ३ को गिर्जा करके कुलपाल पहुंचा।

4+5 ता. ४ को कुचिनडा आया और ता. ५ को कचहरी में मिशन के लिये शिमोन प्रचारक के नाम से जमीन की रजिष्ट्री करायी गयी

6. ता. ५ साम को देवगढ़ पहुंच के वहां ता. ६ को दिन भर रह गया।

7. ता. ७ को स्वर्गारोहण पर्ब्ब का गिर्जा करके आमगांव बस पकड़ा।

8. ता. ८ को अपना औ कारिन्दात का बेतन लाने को झड़कोर गया।

9+10 इतवार का बचन सोचा और ता. १० को गिर्जा किया।

11 एक युवति को दृढ़ीकरण बचन सिखाया तथा पुस्तक अध्ययन किया।

12. कारिन्दात Y. Kerketta अपना काम का भार सौंपके छुट्टी लेके आलाधर गये

13 सिंगसाढ़ बाजार गया और अस्पताल में एक बिमारी बहन के लिये प्रार्थना की।

14. दृढ़ीकरण बचन सिखाया और साम को कमोंडा में शिक्षा क्लास किया।

15 पुस्तक अध्ययन किया और दृढ़ीकरण बचन सिखाया।

16+17 Kumhargarhiya गया और ता. १७ को Pentecost पर्ब्ब का गिर्जा किया।

18-23 में प्रतिदिन दृढ़ीकरण बचन सिखाया और ता. २१ को शिक्षा क्लास किया और कभी २ अस्पताल आने वालों को बचन प्रचार किया।

24. बिहान इतवार आराधना करके साम को बिमारी बहिन के लिये संक्षेप गिर्जा हुआ

25-30 दृढ़ीकरण बचन सब दिन सिखाया। शिक्षा क्लास किया। ता. २८ को सेरसोरा बलाम तक दूर गया था पर बाजार में पतरस प्रचारक को पाके आमगांव लौटा।

31. इतवार आराधना गिर्जा किया और साम को बिमारी बहन की कोठरी में संक्षेप गिर्जा उसकी बाल बच्चों के साथ किया गया।

June:

1-3 दृढ़ीकरण बचन सिखाया और पुस्तकों का अध्ययन किया।

4. Cand. Y. Kerkette तथा उनके छोटा भाई को मेरे घर में बिदाई दिये।

5. Cand Kerketta को अरदरी बिदाई दिये क्योंकि C.C. के सेक्रेटरी की ओर से उनको ट्रान्सफर हुकम मिला है और Ranchi Head Quarter में रह कर वहां एक कारिन्दात की जगह में June की शुरु में काम आरम्भ करने को है।

6. Kumhargaria गया था और भाइयों को गिर्जा आने को समझाया

7. इतवार आराधना गिर्जा किया और साम को बिमारी बहन की कोठरी में गिर्जा हुआ

8-13. प्रतिदिन दृढ़ीकरण बचन सिखाया, एक दिन शिक्षा क्लास किया और पुस्तक अध्ययन किया।

14. इतवार आराधना गिर्जा किया और साम को बिमारी बहन की कोठरी में संक्षेप गिर्जा किया।

15. Monthly Report तैयार किया और दृढ़ीकरण बचन सिखाया।

Amus Aind
Amgaon
15-6-59

The Reports of the month of June 1959.

from. S. Kujur
G. E. L. Church Gua

2/II

1/6 - Supervised the work regarding the new building.
2/6 - Supervised the work regarding the new building.
3/6 - Supervised the work regarding the new building.
4/6 - Supervised the work regarding the new building. Conducted prayer meeting in B. N. R. Line.
5/6 - Supervised the work regarding the new building.
6/6 - Did home work.
7/6 - Conducted Church Service in Gua.
8/6 - The Old building was demolished.
9/6 - Joined in a function.
10/6 - Did home work
11/6 - Conducted prayer meeting at Topa Sai.
12/6 - Conducted prayer meeting at Gua Sai.
13/6 - Did home work. Attended a meeting of Christian Association.
14/6 - Conducted Church service in Gua.
15/6 - Visited Christians in Chatom Buru, Lalji Hating and Jata Hating. Distributed Christian booklets to non Christian in Lalji Hating.
16/6 - Visited Topa Sai and Nuia.
17/6 - Visited Upar Ghaura.
18/6 - Visited Bakal Hating.
19/6 - Went to Hospital for treatment. Visited a Christian family.
20/6 - Went to Ray. Station and received Rev. C. V. Dang.
21/6 - Rev. C. V. Dang conducted Church Service. There took part 56 male and 53 female members in the Lord's supper. Nine Children were baptised and two Charamkhajaks were also baptised.
22/6 - Went to Top mountain. There Rev. C. V. Dang Conducted Church Service, distributed Holy Communion and ceremonised baptised. There took part 26 male and 28 female members in the Lord's Supper and nine Children were baptised.
23/6 - Rev. C. V. Dang left Gua
24/6 - Did home work. gave Sunday School turn to Mrs. Toppo
25/6 - Went to Nuia for house visit.
26/6 - Did home work
27/6 - Distributed two Christian pamphlets to non-Christians.
28/6 - Conducted Church Service.
29/6 - Went to Top Mountain.
30/6 - Visited Hospital. Distributed a pamphlet to a non-Christian.

N.B. (1, About the New Building :- The new building is now almost complete. According to the decision of the mandaly Panch I took all my belongings to the new building on the 3rd June. The old building was demolished on the 8th June. Now I am staying at the new building. The Mandaly Panch will shortly decide about the dedication of the new building.

entered

(2, Baptism of Dharamkhojaks — Two Dharamkhojaks were baptised on the 21st June 1959 by Rev. C. V. Das. Their father is non-Christian. His name is Harjivan Barwa, Munda by Caste. living at present in Gua Holej Hating as a mines worker.

(1) A girl about the age of 15 years, baptised with the name Mariam.

(2) The younger sister of Mariam, about the age of five years, baptised with the name Bahamani.

(3) Wall Boundry alaround the Burial Ground.

It is a very happy news to the Christians in Gua that the Company is building up a wall boundry alaround the burial ground with her own expenses.

S. Kujur.
4. 7. 59.

Date

Report for manth of Jun 1959. 1/[illegible]

1, घर बनाने के लिये लकड़ी लाने गया था।
2 मनसीह डांग के साथ साईकिल खरीदने के लिये निकले।
3, बकड़ा से बिरमित्रापुर पहुँचे।
4, बिरमित्रापुर से केरेया मनसीह का घर पहुँचे।
5, केरेया से सिमडेगा गये, वहाँ से मनसीह के लिये साइकिल खरीदे।
6, सिमडेगा से रेंडगा मेरा घर पहुँचा।
7, घर में रहा।
8, जोनि बाबू पैर में घांव हुआ था, उसके लिये दवाई बताया।
9, घर से राँची गये।
10, साईकिल खरीदे।
11,- राँची से रेंडगा आये।
12 - वहाँ एक रोज ठहर गये।
13, - सिमडेगा से बिरमित्रापुर पहुँचें।
14, - बिरमित्रापुर से राजगांगपुर पहुँचे।
15, - राजगांगपुर से बमड़ा स्टेशन।
16, - बकड़ा से कुलपाल पहुँचे।
17, - कुलपाल दाको टोली गया था।
18, - जंगल बांस लाने गया था।
19, - घर बनाया।
20, - घर में स्थाडी किया।
21, - गिरजा किया।
22, - एक घर धर्म खोजक बिमार थे उनके पास गये थे।
23, - लकड़ी लाने गया।
24, - एक घर संसारिक लोग बिमार थे, उनके पास गये, थे, और 28-6-58 से गिरजा घाता शुरू किये हैं।
25, - फिर संसारिक लोगों के घर गया था।
26, - घर में स्थाडी किया।
27 बोड़ोमा धर्मखोजक के लिये गया था।
28, - बोड़ोमा में गिरजा करके, खमड़ा आया।
29, खमड़ा में एक ~~[illegible]~~ बालिका का बपतिस्मा हुआ।
30, घर लौटा।

नोट - (1) 5-6-58 को 6 धर्म खोजकों का बपतिस्मा और 2 दृढ़ स्थापना पाने वाले हैं।
(2) घर बनाने (की मरामत) करने का पैसा बहुत जल्दी भेजिये, बेचारे गरीब लोगों को आभी तक पेमेन्ट नहीं किये हैं। हमारे हाथ में भी पैसा नहीं है। जो था साईकिल खरीदने में आने जाते ही में खतम हो गया है।
आगर नहीं भेजते हैं तो 10 जुलाई में मैं जाऊंगा। मैं साईकिल का रसीद भेज दिया हूँ। आप को मिला कि नहीं। फिर मैं कहता हूँ - बमड़ा मैं नहीं ठहर सकता हूँ।

आप का बिश्वस्त C.H. Samad. pastor
Kulpaal. Mandly

Monthly Report for the month of May 1959 26/V

N. Mauki

1-5-59- चाईबासा से जगरनाथपु आया।

2 से 7 - तक घर ही में था चूंकि लाया हुआ समान सब को ठीक करना था तथा अनेक चीजों को जोगाड़ करना था। उसके अलावे घर मरामती चल रहा था उनका देखभाल किया।

8-5-59 को रूगुदसाई गया था वहां तीन भाईयों को ईसाई धर्म की श्रेष्ठता के विषय समझाया।

9 और 10 को स्टार्ट किया तथा गिरजा चलाया।

11-5-59 को हाट गम्हरिया तथा केन्दपुसी गया था किन्तु किसी भाई से मुलाकत नहीं हुआ।

12-5-59 उगोपुस गया था तथा एक ईसाई भाई के घर में प्रर्थाना कर वापस आया।

13-5-59 को घर का काम किया।

14-5-59 को देवगांव एक ईसाई बहिन के पास गया था

15-5-59 को देवगांव से जगरनाथपुर आया।

16-5-59 को एक धर्म खोजक के पास गया था।

17-5-59 को गिरजा चलाया।

18-5-59 को गम्हरिया रास्ते पर दो ईसाई भाईयों के पास गया था।

19-5-59- निश्चिन्तपुर गया था

20-5-59 कोलाई साई में दो भाईयों को मूर्तों को भगवान मानना भूल है चूंकि वे ईश्वर से बनाये हुए हैं इसके विषय समझाया।

21-5-59- बजार किया।

22-5-59- सिलदोरी गया था किसी भी आदमी से मुलाकत नहीं हुआ चूंकि पानी किया था सब अपने 2 खेत के काम में मस्त थे।

23 से 28 कहीं नहीं गया क्योंकि हवा की अधिकता के कारण घर का खपरा सब को बरबाद कर दिया था उसको अपना हाथ लगा कर बनाया

29 और 30 को एक संसारी बिमारी के पास प्रर्थाना करने के लिये आना जाना किया।

31-5-59 को गिरजा चलाया।

N.B.:— आप और डाइरेक्टर साहब के आगमन का हस्तलिपि मुझे प्राप्त हुई किन्तु लोगों को जमा करना असंभव है चूंकि सब 2 अपने 2 खेत के काम में मस्त हैं। अगर सुअवसर होगा तो कृपाया प्रभुभोज भी बांटने की कृपा करेंगे। उसके अलावे एक बपतिस्मा भी होवे। मैं उन्हें खबर दे चुका हूँ।

T. A. Bill-

		Rs-A-P
8-5-59-	Tea-	-4-
20-5-59	Tea-	-4-
Total		0-8-0

Monthly Report Month of May 1959, 24/V

1-5-59 —— बाड़सोल दुसरा टोली के एक घर गया और धर्म विषयक बातें हुई।

2-5-59 —— धानसोल और बन्दुडाही गया और मुलाकत करके गिर्जा जाने के लिये उत्साहित किया।

3-5-59 —— बरह बजे बाड़सोल में गिर्जा किया।

4-5-59 —— पुन्डीसोल बाजार गया कई ख्रिस्टियन भाई बहिनों से मुलाकत हुई और दुख सुख बातें हुई।

5-5-59 —— सरिया और पुरुलिया गया।

6-5-59 —— स्वर्गारोहन गिर्जा का तैयारी किया।

7-5-59 —— बाड़सोल में स्वर्गारोहन गिर्जा किया।

8-9-5-59 —— बाड़सोल में रह कर संताली नया नियम स्टाडी किया।

10-5-59 —— सुबेह पुरुलिया में और शाम को बाड़सोल में गिर्जा किया।

11-5-59 —— पुन्डीसोल बाजार गया।

12, 13, 14, ~~15~~, 5/59 —— बाड़सोल में रह कर बरसात के लिये लकड़ी लाया।

15-5-59 —— सिरसी गया और वहां के भाई बहिनों को गिर्जा जाने के लिये अग्रसर किया।

16-5-59 —— पवित्र प्रभु भोज में भागी होने के लिये रंगामटिया गया २१ मई तक वहां रहा।

22-5-59 —— बाड़सोल वापस आया।

23-5-59 —— गिर्जा तैयारी हुई।

24-5-59 —— सुबेह पुरुलिया में और शाम को बाड़सोल में गिर्जा हुई।

5-5-59 —— पुन्डीसोल बाजार गया।

26-6-59 —— रंगामटिया गया।

27-6-59 —— पादरी M. Tutti के साथ सिमली पहाड़ गया।

28, 29, 30, 31 —— तक सिमली पहाड़ में रहा ता० ३१ को गितिल पिड़ी में गिर्जा चलाया।

Cate. I. Topno.
8-6-59.

May 59. Report. G. Guria

जोइन्ट मिशन का मई महीने का १९५९ का मन्थली रिपोर्ट बोर्ड 22/V

Date 9-6-59

१ – बाजार किया ।
2 पाठ तैयार किया ।
3 गिरजा चलाया ।
4 तेनदा गया था मसीह भाईयों के साथ प्रार्थना किये ।
5 बाजार किया ।
6 घर का काम किया
7 स्वर्गी रोहन बर्ब का गिरजा हुआ और नकटी से पारडी आये ।
8 अम्बा कोना में गये थे ।
9 पारडी गया था ।
10 पारडी से आम्बा कोना गये ।
11 आम्बा कोना में थे ।
12 आम्बा कोना से पारडी पहुँचे ।
13 बाजार किया जराई केला में ।
14 घर का काम किया ।
15 पारडी ग्राम में घुमा ।
16 पाठ तैयार किया ।
17 गिरजा चलाया ।
18 प्राच पैंपा गया था ।
19 गिरजा हुआ बाद में पांच पैंपा गये ।

२० घुमंइरता गया था

२१ मनोहर पुर गया था पोलको वाद जाने के लिये

२२ वाजार किया।

२३ मकरराड गया था एक भाई से बात चीत केवल हुआ।

२४ गिरजा चलाया

२५ पाच पैया गया था २ बहीन एक भाई के साथ वातचीत

२६ पाहड़ी गाँव में घुमा।

२७ जराइकेला गया था।

२८ मकोरराड गया था।

२९ बाजार किया

३० घर का काम किया और घर का काम किया।

३१ गिरजा चलाया।

मई महीने का आमदानी [illegible]
२।५।।। है।   Parudi
दो रुपैया पाँच आना नौ   P.O. Jaraikela
पैसा।

Visited some places for preaching. Mandli Amdani of May is Rs. 2/5/9.

२१ / IV

May

तिथि: →	काम →
१	फुरनापानी में समाज,
२-३	पाठ तैयारी + गिरजा करना अम्बगाँव में
४	समाज कुम्हारगढ़िया मे ।
५	अवकाश,
६	बैला पाठ कम्पौन्ड में ।
७	~~अवका~~ गिरजा ।
८	चस्मा छाँटना ।
९-१०	अवकाश ।
११	घर आने की तैयारी ।
१२-१३	रास्ता में औ घर पहुँचना ।
१४-१६	घर में औ १६ ता० को संसारिकों के बीच भाषण देना ।
१[illegible]-२१	जीवन साथी देखना ।
२२	घर लौटना ।
२३-२६	पातीसाती बैला आस के कमेले में रहना ।
२८	घर में
२९-३१	बात न बनने के कारण से दुसरा जीवन साथी देखना ।

बोंगाजांगा मिश्न फिल्ड का रीपोर्ट। मई महीना १९५६। 20/V

मान्यवर J. Soy. चैबासा को यीशुसहाय –

आप को इस महीने का रीपोर्ट थोड़ा देर से भेजता हूं. कृपाया ग्रहन कीजिये।

ता: १-५-५६ को स्कूल चलाया। ता: २-५-५६ को स्कूल चलाया, दुसरी बेला शरूपाड़ा दूर करने को गिर्जा ओ प्रचारक घर का काठ बन्दोबस्त करने गया। सांझ को सापरिवार मिल के समाज गिर्जा हुई।

ता: ३-५-५६ को इतवार गिर्जा चलाया। ता: ४-५-५६ को स्कूल चलाया। दुसरी बेला बजार गया।

ता: ५ और ६ तारीख को स्कूल चलाया। शरीर दुःख से कमजोर होने के कारण दूर करने नहीं सका।

ता: ७-५-५६ को स्वर्गारोहन गिर्जा चलाया। तारीख ८ और ९ तारीख को स्कूल चलाया। ता: १०-५-५६ को इतवार गिर्जा चलाया।

ता: ११ और १२ को खुनबुड़ा में बिवाह का भोज हुआ, वहां गया।

ता: १३ से ता: १६ तक स्कूल चलाया। ता: १७-५-५६ को पेन्तीकोष्ट पर्ब्ब गिर्जा चलाया। ता: १८ को स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया।

ता: १९-५-५६ को स्कूल चलाया। ता: २०-५-५६ स्कूल चलाया।

ता: २१-५-५६ को स्कूल चलाया। दुसरी बेला चुकलु से दो जन बिमारी का खबर लाने को आये, बिमारी का खबर मिलने से मैं आप से छुट्टी चिट्ठी लिख कर चुकलु गये। मेरा छोटा भाई और बड़ा लड़का झड़ा और खुरकी से बहुत कमजोर थे। प्रचारीन भी पांव में घाव होने के कारण चलने भी नहीं सकती थी, इसलिये उनको सेवकाई करने में दास दिन हम को ठहरना पड़ा। इतवार गिर्जा को याकुब हस्सदाः के जीमा में दिये थे। तारीख १-६-५६ को मैं चुकलु से बयठोह आया।

आज कल भी मेरा शरीर दुर्बल ही है, इसके कारण से स्कूल भी बहुत मुश्कीलता से चला रहा हूं, और आसपास के गांवों को भी दूर नहीं जा सकता हूं। गिर्जा घर ओ प्रचारक का घर अब तक तैयार नहीं हुआ है क्योंकि आज कल बर्षा रोज करता है, जिससे काम भी नहीं चलता है।

गिर्जा का आमदनी हिसाब – किर्मी १।=)।।। +
चन्दु ३।।)
२।।=)।।। प्रचारक खर्च

~~लि० आन्तोनी सा।~~

लि० आप का आज्ञाधीन सेवक प्रचारक आन्तोनी सोय।
बोंगाजांगा मिश्न फिल्ड।
ता: ११-६-५६।

१९५९ मई महिना का डायरी।

१-५-५९ को जाम्माल में बचन सिखाया।
२-५-५९ " एक नया धर्म्म खोजक को बचन सिखने के लिए समझाया।
३-५-५९ " गिरजा किया।
४-५-५९ " गिरजा घर आदि बनाने के लिए ~~डां~~ टांड़ रजिष्ट्री करनेके लिये कुचिन्डा गया था।
५-५-५९ " कुचिन्डा से लौट आया।
६-५-५९ " कुटुम्बत बिषय बातचीत के लिए बेतम्बराइन गया था।
७-५-५९ " ~~घर का काम किया~~। बेतम्बराइन से लौट आया।
८-५-५९ " ~~गिरजा किया~~। घर का काम किया।
९-५-५९ " घर का काम किया।
१०-५-५९ " गिरजा किया।
११-५-५९ " रेभ० सी० एच समद और कोटे ऐ कुजुन के संग गोरया बहाल के भाईयों से धर्म्म बिषय बात चित किया।
समझाने गया था।
१२-५-५९ " कुलपाल के उल्टे हुए खृस्तैनों को समझाने गया था।
१२-५-५९ " कुलपाल के उल्टे हुए खृस्तैनों को समझाने गया था।

~~~

१२-५-५९ " कुलपाल के उल्टे हुए खृस्तैनोंको समझाने गया था।
१३-५-५९ " एक नया खृस्तान के साथ धर्म्म बिषय बात चित किया।
१४-५-५९ " जाम्माल में बिन्ती समाज किया।
१५-५-५९ " जाम्माल में बचन सिखाया।
१६-५-५९ " " " "
१७-५-५९ " गिरजा किया।
१८-५-५९ " जाम्माल में बचन सिखाया।
१९-५-५९ " एक नया खृस्तान के साथ धर्म्म बिषय बात चीत किया।
२०-५-५९ " जाम्माल में बिन्ती समाज किया।
२१-५-५९ " बलन्डा में एक दुखाली के घर में बिन्ती किया।
२२-५-५९ " कुचिन्डा जाने के लिए घर से निकला और तम्बलाकांटा में बिन्ती समाज किया।
२३-५-५९ " कुचिन्डा से रजिस्ट्री कागज निकाल लाया।
२४-५-५९ " गिरजा किया।
२५-५-५९ " जाम्माल में बचन सिखाया।
२६-५-५९ " " " " गोनघुसा का एक उल्टा हुआ खृस्तान भाई को समझाया।
२७-५-५९ " जाम्माल में बचन सिखाया।
२८-५-५९ " " " "
२९-५-५९ " " " "
३०-५-५९ " रेंगालबेड़ा में बिन्ती समाज किया।
३१-५-५९ "

G. E. L. church
Kulpál
1-6-59.

श्री युक्त महा मान्यवर —
Rev. J. Soy -
आप को मेरा यीशुसहाय,
महाशय,
१९५८ साल का मराडली आमदनी के बिषय Rev. Ch. H. Samad रिपोर्ट देंगे। और १९५९ साल का जनवरी से ~~का~~ मई महिने तक का मैं लिख भेजता हूं। १३।=) है, Cate I. Lugun और मेरे हाथ में है, सो मराडली के काम में खर्च किया जायगा। और कितना खर्च हो चुका। प्र० I. Lugun न होने के कारण से खर्च हिसाब नहीं बता सकता हूं। आने वाला महिना साफ़ से लिख भेजूंगा।

Cate. Simon Dáng
G. E. L. Church
Kulpál.
1-6-59.

Cate. S. Dáng
1-6-59.
~~~

17/V

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,
SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH.
Joint Secretary— MR P. DANG, B. A.
Secretary— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B. A.
Treasurer— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref:

Dated 12. 6. 59.

To

The Secy.
J. M. B. Chaibassa.

Sir,

I hereby submit my Short monthly ~~reply~~ report for your information and necessary action.

May 1-6 – on tour (from Rajpur to Rourkela).
" 7 – Lord's ascention Service at Loco shed in the evening.
" 8 I visited the people of Sector 18 and Sector 20.
" 9 – I remained at home for Sunday preparation.
" 10. Church Service at Rourkela.
" 11. I visited the people of Durgapur.
" 12–14. monthly meeting at Zarakudar.

May 15. - ~~Sector~~ 20 and 4.
16. I remained at home because my quarter ~~was~~ was ~~being~~ repaired.
" 17. Church Service was conducted by Mrs. S. Tiga at Rourkela.
" 18. ~~I~~ Sector 19.
" 19. Panposh for prayer meeting.
" 20. ~~I went~~ to Rajgangpur to attend the synod meeting there.
" 21. Came back from the Rajgangpur in the morning and visited the house of Mrs. N. Hemrom in the evening.
" 22. Negotiation with Mr. Coniram a local resident for a cemetary behind the Rly. colony.
" 23. ~~I went~~ to Kuwarmunda Revenue Office to submit an application for aforesaid purpose.
" 24. I attended the union Service at Sector 5. Service was conducted by a lady.

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,
SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH.
Joint Secretary— MR P. DANG, B. A.
Secretary— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B. A.
Treasurer— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref: *Dated* ....

May 25 - Prayer meeting at sector 20.
It was a young man who was
caught with an evil spirit.

" 26. Ranpur for prayer meeting.

" 27. Due to heavy rain and
storm I could not go out.

" 28. Along with Mr. S. Tiga, ~~and~~
Mr. P. Dang, ~~and~~ I visited the
people of new colony near
sector 2,

" 29. I tried to revisit the
people of that colony. But
heavy rain and storm
compelled me to come back
from the way.

" 30. I took confirmation
class in the evening.

" 31. Church Service at
Rourkela & union service
of sector 5 and congregat-
-tion meeting at sector 18.

17

From the last month I have started to attend the Zarakundar Ilaka meeting. I found this meeting is very useful. ~~I come con~~ in to close connection with the catechists and pastors of the other congregations through this. The Ilaka chairman Rev. C.P. Kandulna has kindly welcome me to attend the monthly meeting. I hope you will not make objection to go out of the jurisdiction.

I am asked by several of the Catechists to organise ~~in Zara~~ ~~Tundar Ilaka~~ Yuva Sangh in Zarakundar Ilaka. For which I require your kind permission to do so.

Rest is all right.

Yours truly,
[signature]

Report, May . Jusaf Kandulna. 16 V

मई महिना का रिपोर्ट १९५६

१-५-५६ को मैं गिलपिड़ी पाद्री बाबू के सते था

२-५-५६ को मैं गोड़ो मैं था नयों के सते

३-५-५६ को मैं गोड़ो से गिलपिड़ी गया और आदी बपतिस्मा और प्रभु भोज हुवा है और मैं सरुदा गया

४-५-५६ को मैं सरुदा से जोनोडोड़ा गया

५-५-५६ को मै जोनोड़ोड़ा से जसिपुर गया

६-५-५६ मैं पाद्री बाबु के सते जसिपुर से सरुदा आया और सरुदा से गितिलपिडी गया

७-५-५६ को गितिलपिड़ी में गिरज हुवा

८-५-५६ को सरुदा में गिरज हुवा

९-५-५६ को ड़ड़कम मे गिरज हुवा

१०-५-५६ एतोवार को गोडोरामपुर में गिरज हुवा

११-५-५६ को आसताकुवार से जसिपुर गया

१२-५-५६ को कुवाड़ से चाईबासा गया

१३-५-५६ को चाईबासा से जसिपुर गया

१४-५-५६ को जसिपुर से सरुदा गया

१५-५-५६ को मैं सरुदा में राह गया

१६-५-५६ को मैं सरुदा से अड़ाबलं गया था

१७-५-५६ को मैं कुदागुटू मेंगिरज कीया

१८-५-५६ मैं सरुदा गया था

१९-५-५६ मैं सरुदा से गितिलपिड़ी गया था

२०-५-५६ मैं मोकाबडी गया था

२१-५-५६ मैं गोपिनापुर गया था

२२-५-५६ मै गोपिनापुर में रहगया

२३-५-५६ को मै गोपिनापुर से सरुदा गया था

२४-५-५६ को मैं सरुदा से मदोपिड़ी गया था मैं गुपिनपुर मेंगिरज

२५-५-५६ को मै गुपीनतपुर से सरुदा आया था

२६-५-५६ को मैं सरुदा से गोड़ो मे नसा किया

२७-५-५६ को मैं गोड़ो से मगाड़ीया गया था

२८-५-५६ को मै मगाड़ीया से घर गया

२९-५-५६ को मैं बरीया गया था और जोजोगोड़ा

३०-५-५६ को मैं जोजोगोड़ा से कुदागुटू गया था

३१-५-५६ एतोवर मैं कुदागुटू मे गिरज किया

ता ७-६-५६ जुसफ कनुलना

... people of that

15/V

माई १९५६

बिमार होने के करण घर मे था
१ से १२ तारिक तक और प्रचारीन का हलात
भी अच्छा नही था। मै बिमारी के
समाय मा. में एक जोनको साथ लेया
तथा दवाई आदि मे हाथ मे जो घर
बनाने का पैसा था खर्च किया।-
१३ ता: खुड़री को चा गया
२४ ता: तारीक तक रहा - धूप के करण
और पानी के खराबी से फिर हलात
बिगाड़ रहा था। लौटते समाय रोल-
डिह, सिमदी मे ठहर ता हुआ लौटा
२६ ता. को घर पहुचा
२७ ता. घर मे था।
२८ ता: सिलींग गया था।
२९ ता:
३० ता: } घर मे था प्रचारीन का बिमारी
से और उसी रोज अच्छी हुई

मै आप लोगो का
विश्वस्त — मनोहर बाड़ा

14/V

Report for the month of may 1959 J. Surin Catechist at Sisibaha.

1-5-59. बाजार कराई केला गया।
2-5-59. पाठ तैयार किया।
3-5-59. गिरजा किया।
4-5-59. कराई केला रुपैया छुड़ाने गया।
5-5-59. गांव में घुमा।
6-5-59. चक्रधरपुर मिस्त्री के पास गया मिस्त्री को नहीं पाया।
7-5-59. gladson Surin को गाड़ी तक पहुंचाने गया।
8-5-59. बाजार कराई केला गया।
9-5-59. जदकीड़ी गया ५ भाई और बहिनो को ख्रिस्तान धर्म के महत्व के बारे समझाया।
10-5-59. शीशीबाहा और नाकटी में गिरजा चलाया।
11-5-59. स्टाडी किया और कराई केला गया।
12-5-59. घर का काम किया।
13-5-59. चक्रधरपुर गया मिस्त्री को नहीं पाया।
14-5-59. जदकीड़ी गया वहीं १० भाई और बहिनो को वचन सुनाया।
15-5-59. रांची बेटी को लाने गया।
16-5-59. रांची से कुलकुरा आया वहां मेरा भाई की पत्नी बिमार थी। जिस कारण से मुझे २१-५-५९ तक ठहरना पड़ा चूंकि उसके लिये दवा बनाना पड़ा।
22-5-59. कुलकुरा से शीशीबाहा आया।
23-5-59. पाठ तैयार किया।
24-5-59. परिवारो के साथ गिरजा किया। खूब हवा और पानी आया। दुख की बात है कि घर की खपरा को हवा से दो सौ तक बरबाद कर दिया।
25-5-59. जंगल गया।
26-5-59. घर मरामत किया।
27-5-59. चक्रधरपुर गया मिस्त्री को नहीं पाया। लौटते समय पानी और हवा के कारण फिसल के गिरा और पैर थोड़ा मुरक गया।
28-5-59. पैर दर्द के कारण घर में रहे तथा कुंवार सिंह का कारखाना गया वहां धर्म के बारे कारखाना वालो को समझाया।
29-5-59. बाजार कराई केला गया।
30-5-59. शीशीबा कारखाना में धर्म और शिक्षा के बारे बातचित किया।
31-5-59. गिरजा किया, गिरजा में दो भाई सामिल हुए थे।

नोट:—
(क) अफसोस की बात की हवा और पानी से घर की खपरा नुकसान हुआ लगभग ३ सौ तक चूंकि २४ माई और २६ माई १९५९ की हवा के कारण।
(ख) आनन्द की बात है कि एक धर्म खोजक को बपतिस्मा के लिये तैयार कर रहा हूं। जिसको Director J. Surin के आने पर बपतिस्मा करेंगे।
(ग) आन काल काम की तेजी के कारण आदमी नहीं मिलते हैं। इसके पहले धूप की ज्यादा के कारण घुमना बहुत कठिन था चूंकि पीने को पानी भी नहीं मिलता था और ख्रिस्तानो को लोग बहुत तुच्छ करते हैं।
(ङ) मैं अर्जी करता हूं कि मैं बिमारी के कारण उक्त तारिख पर कुलकुरा से नहीं लौट सका सो आप मेरी गलती को कृपया माफ करें।
(च) Rev. H. Klaus को बोल के हम दोनो ताला कुरा गये थे।

Catechist J. Surin
12.6.59.

To

Rev. J. Hoy

Chaibassa.

12/V

ता: ८-६-५९ बाईबेड़ा जोइंट मिशन बोर्ड का रिपोट मई महिना का।

Sri Mahamanejawar Rev. H: Kloss

Manejawar Rev. J: Sory Yishusahay:

ता: १ घर का काम किया।

२ गिर्जा पाठ तयारी किया।

३ सोनुआ और सराइकेलाकोल में गिर्जा किया।

४ बाईबेड़ा में गिर्जा किया।

५ मुन्दुरी गया और भाई बहिनों को ईश्वर का बचन सुनाया संख्या ५।

६ जोमपुरा गया भाईयों को प्रभु का बचन सुनाया संख्या २।

७ स्वर्गारोहण पर्व्व का गिर्जा किया।

८ जोमपुरा गया और भाईओं को यीशु ख्रीष्ट का बचन सुनाया संख्या २।

९ गिर्जा पाठ तयारी किया।

१० गिर्जा किया।

११ घर का काम किया।

१२ तबियत अच्छा नहीं था।

१३ जोमपुरा गया और भाईयों को ईश्वर का बचन सुनाया संख्या ३।

१४ बजार किया।

१५ बुन्दुसाई और लोडाई गया और भाईओं को प्रभु का बचन सुनाया संख्या १०।

१६ गिर्जा पाठ तयारी किया।

ता: १७ गिर्जा किया।

१८ बमड़ा जाने का बाद से तीन दिन छुट्टी मंगाया था इसलिए बमड़ा गया।

१९ बमड़ा में था।

२० बमड़ा जाने का कारण तो यही था, जो हम लोग ढूंड़ते हैं इसके बारे में गया था।

२१ बजार किया।

२२ जोमपुरा गया और भाईओं को प्रभु का बचन सुनाया संख्या २।

२३ गिर्जा पाठ तयारी किया।

२४ सोनुआ और सराइकेलाकोल में गिर्जा किया।

२५ बाईबेड़ा में गिर्जा किया।

२६ घर का काम किया।

२७ मसकलन तोपनो अपनी बेटी की शादी में मुझको भी होईंग़ले गया।

२८ शादी घर से लौट आया।

२९ सोनुआ गया और बहिन को ईश्वर का बचन सुनाया संख्या १।

३० गिर्जा पाठ तयारी किया।

३१ सोनुआ और सराइकेलाकोल में गिर्जा किया।

आपका बिश्वास्त इसराएल तोपनो प्रचारक ।।

11/V

राज्य वृद्धि काम का रिपोर्ट होरो सरिया मई महीना १९५६ ई०

तारीख

1 गोइलकेरा बाजार गया था
2 स्कूल किया
3 गिरजा किया
४ स्कूल किया
५ स्कूल किया
६ स्कूल किया
७ स्वर्ग रोहण पर्व का गिरजा किया और दूसरी बेला पितल गया था
८ पितल में रहा
९ पितल से होरो आया
१० गिरजा किया
11 स्कूल किया
12 स्कूल किया
13 स्कूल किया
14 स्कूल किया
15 गोइलकेरा बाजार गया था
१६ स्कूल किया और हेरेद बाजार गया था होरो का एक भाई ने अपने की बात बताया उसने कुछ आज्ञा दिया है।
17 गिरजा किया
18 स्कूल किया
19 स्कूल किया
20 स्कूल किया
21 स्कूल किया
22 स्कूल किया और गोइलकेरा बाजार गया था।
23 स्कूल किया और आषम छुट्टी दिया।
24 गिरजा किया और दूसरी बेला पितल गया
25 पितल से बीरमित्रापुर बीमार भाई को देखने गया
26 आम की गाड़ी से बिसरा आया
27 बिसरा से होरो आया
28 घर में रहा
29 गोइलकेरा बाजार गया
30 घर में रहा
31 गिरजा किया।

आप का विश्वासी

Thomas Vangra
Horo

माइ महिना का रिपोर्ट १९५९ 9/V

१-५-५९ को मैं घर ही में था —

२-५-५९ को मैं एक माहतो को अन्तिम दिनों के विषय में बताया —

३-५-५९ को मैं दो सन्तालों को स्वर्ग राज्य के विषय में बताया —

४-५-५९ को मैं उरिकिया को गया था —

५-५-५९ ,, ,, ,,

६-५-५९ को मैं कमजोरीता के कारण घर ही में था —

७-५-५९ को मैं एक सन्ताल के साथ में अन्त समय के बिषय में बात चीत किया —

८-५-५९ को बरंगा के मुन्डा लोगों के साथ में यीशु के बचन के अनुसार दुनियां में दुःख मरी के बिषय में बात चीत किया —

९-५-५९ को मैं अपना साला को सत्य बचन किताब से अन्त समय में होने वाला बातों को अच्छी तरह समझाया —

१०-५-५९ को बिश्राम दिन था —

११-५-५९ को मैं दिरिपसिला का एक सन्ताल को कहा कि मैं ने आप लोगों के गांव फ्लानेल गाफ दिखाया तो कैसा लगा? तो कहा कि अच्छा ही लगा —

१२-५-५९ को मैं उरिकिया को गया था, पोस्ट मास्टर को अन्तिम समय बिषय में बहुत बताया —

१३-५-५९ को मैं मोइसगढ़ा को गया, रास्ता में कई एक आदमियों को सुसमाचार सुनाया —

१४-५-५९ को मैं मोइसगढ़ से गोन्डपुर को गया, वहां जो चर्च में आने वाले उरांव लोग हैं उन को फ्लानेलगाफ दिखाया —

१५-५-५९ को मैं अपना घर लौट आया —

१६-५-५९ को मैं उरिकिया को गया, वहां का पोस्ट मास्टर मेरे बैबल को देखने चाहता है —

१७-५-५९ को मैं बिश्राम दिन था —

१८-५-५९ को मैं सिमिरता और डुमोरता के माहतो लोगों को सुसमाचार सुनाया

१९-५-५९ को मैं पडोरडीह को गया पादरी के पास, हम लोग पांचपाइया, तुनुलगुटु तक घुमा —

२०-५-५९ को पडोरडीह से डुमोरता को आया, उरिकिया घुमने को गया था —

२१-५-५९ को पादरी को मनोहरपुर को पहुंचा रखा और हम लोग चोलको बाद को जाता था टक नहीं मिलने के कारण से नहीं गया —

२२-५-५९ को मैं समने के मुन्डा टोला को गया, तीन जनों को अन्तिम समय के कष्ट के बिषय में बताया, वो जन ध्यान से सुन्ते थे —

२३-५-५९ को मैं उरिकिया के उरांव टोला को गया किसी से मुलाकात नहीं हुआ —

२४-५-५९ को बिश्राम दिन था, मचुपुर के तीन माहतो लोगों को प्रचार किया —

२५-५-५९ को मैं बरंगा के एक माहतो को अन्तिम समय में क्या क्या होगा बताया

२६-५-५९ को मैं चिरिया को गया, रास्ता में एक उरांव को प्रचार किया —

२६-५-५८ को मैं चिरिया से लौटा, रास्ता में एक मुसलमान को सुसमाचार सुनाया —
२८-५-५८ को मैं मच्छुपुर को गया दो माहली लोगों के साथ में ख्रिस्त धर्म के
के विषय में बात चीत किया —
२९-५-५८ को मैं दिरिपसिला को गया था किसी के साथ मुलाकात नहीं हुआ —
३०-५-५८ को मैं ठेठेपोइस को गया था, मैं वहां के लोगों समझाया कि यीशु
का नाम प्रचारने का हक सभों का है। हम सब उस के चेले हैं और
ख्रिस्त में हम सब दृढ़ बिश्वासी होके रहना है, फिर कितना
जोर प्रचार हो रहा है बताया —

३१-५-५८ को विश्राम दिन था —

मैं आप का प्रिय प्रचारक

J. K. Hemram Dumirta

P.O. Urkia

Dist. Singhbhum

पोढ़ाडोह 8/V
ता. २६.५.५६

श्री युक्त महामान्यवर

पादरी बाबु आप को मेरा यीशु सहाय।

महाशय — आप को मालूम होवे।

ता. १.५. को मैं ओरगेन गया था।
ता. २.५. को मैं चुटोल गया था।
ता. ४.५. को मैं पालुनफुड़ गया था।
ता. ५.५. को मैं कुरतिया गया था।
ता. ६.५. को मैं डोंगापत्थर गया था।
ता. ८.५. को मैं रतोड़े गया था।
ता. ९.५. को मैं बेलवन गया था।
ता. ११.५. को मैं पतरा आईर गया था।
ता. १२.५. को मैं कुकुरडोह गया था।
ता. १३.५. को मैं पोढ़ा डोह में छुट्टी।
ता. १४.५. को मैं कुलजी गुड़ गया था।
ता. १५. को मैं डुमाटोली गया था।
ता. १६.५. को मैं टिकलीपड़ा गया था।
ता. १८.५. को मैं तरनाकटा गया था।
ता. १९.५. को मैं गम्भारमुंडे गया था।
ता. २०.५. को मैं खंभरबहेरे गया था।
ता. २१.५. को मैं तिलैमाल गया था।
ता. २२.५. को मैं कदोबाहर गया था।
ता. २३.५. को मैं कनकाचूर गया था।
ता. २४.५. को मैं बेलवन गया था।

पादरी बाबु आप को याद कराते हैं। पिछले बर्ष का चार रुपैया बाकी है और इस बर्ष का साल का चार महीने में अर्थात १९५६ दोनों मिलकर १६ रुपैया होता है। आप जुन महीने का बेतन २०) रू. होता है। इस रुपैया को बचते को देना। बेतन में से काट लेना चाहियेगा।

धन्यवाद
रतन कांग
[illegible]

Bochrawa 6/V

२९-५-५९.

५९- मई का डायरी ॥

ता: १ - छुक को गिर्जा घर का खपरा छौनी दुलाया ॥
२ - आज अपना गांव में घुमा ॥
३ - रतवार गिर्जा किया ॥
४ - कुम को मटी खिनने को तैयार करवाया ॥
५ - आज भी वही काम किया ॥
६ - आज बिश्रामपुर गया था ॥
७ - स्वर्गारोहण का गिर्जा किया ॥
८ - आज मैं ९ तारिख को कहीं भी नहीं गया ॥
१० - रतवार गिर्जा किया ॥
११ - आज खपरा बनवाया ॥
१२ फिर आज ~~भी~~ ॥ भी वही काम किया ॥
१३ - आज खपरा बनाना आखरी हुआ ॥
१४ - आज बाजार किया ॥
१५ - मैं बिश्रामपुर गया था ॥
१६ - घर का काम किया ॥
१७ - पेन्तिकोस्ट पर्ब का गिर्जा किया ॥
१८ - आज जलाने का लकड़ी काटा ॥
१९ - जंगल से लकड़ी लाया ॥
20 - लकड़ी टुकड़ा किया और फाड़ा ॥
21 - बाजार किया ॥
22 - खपरा पोड़ाया ॥
२३ - आज भी ~~जो~~ कुछ बचा था उसको आवा लगाया ॥
२४ - रतवार गिर्जा किया ॥
२५ - आज मैं स्कुल लड़का को लाने के लिये गाड़ी में बैठा ॥
२६ - फिर मित्रपुर में ठहर गया ॥
२७ - वहां से जोकांग बिरा पहुंचा ॥
२८ - आज मैं आराम किया ॥
२९ - मैं आज गाड़ी पकड़ के लड़का के साथ गोविन्दपुर आये ॥
३० - आज शाम को बोड़राम पहुंचा ॥
३१ - रतवार गिर्जा किया - और पैसा भी छुड़ाया ॥

अपनी टाटल -

	जनवरी	2-3-3
	फरवरी	1-11-0
	मार्च	2-4-0
	अप्रैल	1-3-2
	मई	1-3-0
रु:		8-8-1 टारक

cut from the Salary of the June 59.
J. Soy

J. Samad
29-5~~8~~-59.

१९५९ मई की डायरी । 5/V

१-५-१९५९ - दुखूडीह से दुरगाडीह आया ।
२-५- ,, दुरगाडीह में था ।
३- ,, ,, दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया ।
४ - ,, ,, दुरगाडीह में था ।
५- ५- ५९ - छमड़ा का गिरजा घर के लिए खपरा बनाना आरम्भ किया ।
६- ५ - ५९ कुलपाल गया ।
७- ५- ५९ दुरगाडीह में था ।
८- ५- ५९ छमड़ा में खपरा बनाने गया ।
९- ५- ५९ ,, ,, ,, ,,
१०- ५- ५९ छमड़ा + दुरगाडीह में गिरजा किया ।
११- १६ — लगातार खपरा बनाया ।
१७- ५ - ५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया ।
१८-22-५९ खपरा बनाने लगा ।
२३- ५- ५९ दुरगाडीह आया ।
२४- ५- ५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया ।
२५- ५- ५९ दुरगाडीह में था ।
२६- ५- ५९ खपरा जलाया ।
२७- ५- ५९ दुरगाडीह आया ।
२८- ५- ५९ कुलपाल गया ।
२९- ५- ५९ दुरगाडीह आया ।
३०- ५- ५९ ,, में था ।
३१- ५- ५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया
१- ६- ५९ डायरी आदि के लिए जमतारा गया ।

मई १९५९ को आमदनी ५।।।) आना -
खपरा बनाने के लिए ४।।।) का चावल खाने को
दिया । ≡) का कागज + लिफाफा —
बाकी ।।।) बाकी ।

सहायता पैसा के विषय :— मैं ने दुरगाडीह से दो जन को खपरा बनाने के लिए लिया था * कारण कि जल्दी काम होवे कहकर और वहां के लोग खपरा बनाना न जानने के कारण । उनका खर्च में ११) रु: दिया और काम करने वालों को ६) रु. खरचा (चावल) के लिए दिया । लकड़ी लैसन्स के लिए ४) रु. खपरा के लैसन्स में १) रु. मोट 22) रु. खर्च किया गया । दुःख की बात कि अब तक लकड़ी (काठ) का पास (लैसन्सस) मंजूर नहीं हुआ है । सो कुछ देर होगी । आशा है १९६० में जरूर घर तैयार होगी ।

Cate - M Dang
1-6-59 -
Durgadih -

4/V

Diary for the Month of

May 1959

1 5/59 ता० को पाठ पढ़ाया आठ लड़के हाजिर थे।

2 5/59 ता० को पाठ पढ़ाया।

3 5/59 ता० को गिरजा अराधना किये

4 5/59 ता० को पाठ पढ़ाया

5 5/59 — " " " " "

6 5/59 — " " " " "

7 5/59 ता० उस रोज छुट्टी था स्वर्गरोहन पर्ब्ब माने।

8 5/59 ता० को पाठ पढ़ाया।

9 5/59 — " " " " "

10 5/59 ता० को गिरजा किये सब भाई हाजिर थे

11 5/59 ता० को पाठ पढ़ाये सब लड़के हाजिर थे।

12 5/59 — " " " " "

13 5/59 — " " " " "

14 5/59 — " " " " "

15 5/59 — " " " " "

16 5/59 ता० को कोन मुन्डा के संसार भाईयों के पास गये।

17 5/59 ता० पेन्तिकोष्ट पर्ब्ब माने सब भाई हाजिर थे

18 5/59 ता० पाठ पढ़ाया सब लड़के हाजिर थे।

19 5/59 — " " " " " "

20 5/59 — " " " " " "

21 5/59 — " " " " " "

22 5/59 — " " " " " "

23 5/59 — " " " " " "

24 5/59 ता० को गिरजा किये उस रोज कसेरखोय के पुराना ख्रिस्तान भाई सब गिरजा में शामिल थे।

25 5/59 ता० को पाठ पढ़ाये और उसी रोज लड़कों को चार रोज कि छुट्टी दिये थे।

26 5/59 ता० उस रोज प्रचारक के साथ अपना बिमार के कारण देश जाना पड़ा। साम को रौरकेला में थे।

27 5/59 ता० उस रोज चक्रधरपुर पहुंचे वहां मैं उसको गाड़ी बैठा दिया और उसी रोज

28 5/59 ता० चक्रधरपुर से रांची वाली ट्रेन पकड़ कर रौरकेला आये वहां रात को ठहर गये। दुसरे दिन बासा पहुंचे

29 5/59 ता० पाठ पढ़ाया, लड़कों के लिये किताब भी लाये थे जिससे वे आनन्द में थे

30 5/59 — ता० पाठ पढ़ाया।

31 5/59 ता० गिरजा किये।

Patras Barla Sargidih

6-6-59

Rev. H. Samad.

Report For mauth of may 1957.

1/V

Date

१ — कोइंजिरा गिरजा के लिये गया था।

२ — घर में स्लाडी किया।

३ — गिरजा किया जगन्नाथपुर में। दूसरी बेला चाईबासा गया।

४, — चाईबासा से खूँटी और खूँटी से रेडेगा पहुँचे।

५, — ५ तारीख से ● तारीख तक घर में रहा।

~~८~~ — घर से बिशुनपुर।

९ — बिशुनपुर से बड़ा स्टेशन।

१० — बड़ा से कुलपाल।

११ — खोडेर डीह गये थे दोनो प्रचारक को ले के।

१२ — कुछ ~~डीह~~ कुली सब को भेजे थे समान ● को था उसको लाने के लिये।

१३ — पांच कुली बांस लाने के लिये जंगल भेजे।

१४, — बांस को टटरी बनवाये।

१५ — घर के बीच का दिवाल का तोड़ा।

१६ — खोडेर डीह गये थे। इसराएल कुजुर के साथ वहाँ मण्डली स्थापित किये।

१७ — गिरजा किया।

१८ — साईकिल के लिये लंगबहाल पहुँचे।

१९ — लंगबहाल से झारसुगुडा।

२० — झारसुगुडा में थे।

२१ — झारसुगुडा से लंगबहाल।

२२ — लंगबहाल से कुलपाल पंहुचे।

२३ — घर में स्लाडी किये।

२४, — गिरजा किया।

२५ — जंगल गये थे सेतेर लकड़ी लाने के लिये, दो कुली के साथ।

२६ — घर सफा किये।

२७ — खेर खोजने गये थे।

२८ — धुनधुसा गये थे।

२९ — खूँटा गड़ा घर का।

३० — खैर लाने गये थे सिहरिया। फिर एक गाड़ी खैर बच गया था, उसको १ला जून में लाये। कुल जमा दो गाड़ी खैर खरीदा गया है।

३१ — गिरजा किया।

नोट · घर अभी तक तैयार नहीं हुआ है कुली रेजा का पेमेन्ट नहीं हुआ है। और अभी तक काम चालू है। केवल खेर खरीदा २०) रु का। घर सफा करने में एक छप्पर लगेगा रेजा ४ जन काम करने से। घर छरना अभी बाकी है। फिर ३ बोझो तक बांस लाना होगा। बांस का टटरी लगा कर उस में माटी से छाब देना होगा। घर मरामत करने में ५०) रु से कम नहीं लगेगा। याने पचास रुपैया बहुत जल्दी भेजने की कृपा करेंगे। अभी तक तो कुली सब को नहीं पेमेन्ट किये हैं। एक ही साथ सब का पेमेन्ट होगा। धुनधुसा वालों का मन अभी तक ठीक नहीं है। कोई निश्चय जवाब नहीं देते हैं। इसराएल कुजुर को १ला जून खोडेर डीह में रहने का कार्रवाई कर दिया गया है। और मासिक भेजा गया है।

Monthly Report for the Month of April 1959. N. Manki 26/IV

1-4-59 - से 4-4-59 तक घर हो में स्टाडी किया तथा रतवार का पाठ तैयार किया।

5-4-59 - डंगोपुइस गया था वहां भराखाना चलाया।

6-4-59 - करीब 2½ घंटे तक एक मुसलमान भाई के साथ खिरस्त ईश्वर का पुत्र है इसके विषय बाद विवाद हुआ।

7-4-59 - बन्दा साई परिचय होने के लिये गया तथा एक मुसलमान के साथ प्रभु कौन है इसके विषय करीब 30 मिनट तक वाद विवाद हुआ अन्त में वह कुछ बहाना करके वहां से उठ कर चला गया।

8-4-59 से 16-4-59 तक घर हो में पढ़ता था तथा ईंट बनुवाया।

17-4-59 - परिवार लाने के लिये चाईबासा आया।

18-4-59 - को चाईबासा से खुटी पहुँचा। फिर खुटी से महुवांग गया।

19-4-59 - से 29-4-59 तक महुवांग हो में था क्यों कि वहां बच्चों का तबियत ठीक नहीं था अतः मुझे सिघ्र लौटने में देर हो गया।

30-4-59 को सपरिवार महुवांग से निकल कर मर्चा आये तथा वहां से खुटी और खुटी से चाईबासा पहुँचे।

		Rs.-A-P
T.A. Bill - 17-4-59 - Jagarnathpur to chaibasa -		1 - 4 - 0
	Tea	- 4 -
	Total	1 - 8 - 0 -
18-4-59 - chaibasa to khuti -		2 - 13 - 0
	food	12 -
	Tea	3 -
	Total =	3 - 12 - 0
Khuti to Marcha		1 - 2 - 0
	Tea -	- 4 -
	Total -	1 - 6 - 0
30-4-59 - Mahbuang to Marcha 8 coolies each one Rupee -		8 - 0 0
Marcha to khuti		4 - 8 - 0
	Food	3 - 6 -
	Tea	- 11 -
	Total -	16 - 9 - 0
khuti to chaibasa including articles -		16 - 1 - 0
	Tea	2 - 0
Bus stand to Rev J. Soy Quater -		1 - 0 0
Rev J. Soy Quater to Bus stand		1 - 0 0
	Tea =	1 - 12 - 0
	Total	20 - 8 - 0
chaibasa to Jagarnathpur		7 - 11 - 0
	Tea -	8
Bus stand to quater		- 10 -
	Total -	8 - 13 - 0

P.T.O.

Whole Total –	Rs.	A.	P.
	1	8	0
	3	12	0
	1	6	0
	16	9	0
	20	8	0
	8	13	0
	Rs – 52	8	0

N Lanki
2/5/59

Replyed on 12th May 59.

नोट :– घर मरम्मती चल रहा है अर्थात सब कुछ प्रायः समाप्त हो चुका है केवल खिड़की के लिये ~~कु~~ नहीं होगा काम समाप्त होने पर मैं खर्च का बिल सहित आप को भेजूँगा। अब खिड़की का पुरा खर्च ~~बकी~~ नहीं होता है इसके विषय में आप क्या सलाह देते हैं? ईटां जोड़ाई और लिपाई हो में प्रायः सब रुपया समाप्त हो गया है इसके अलावे लिपाई भी कुछ बाकी रह जाता है। फिर करीब तीन चार रोज काम चलेगा। खिड़की अगर बनवाएंगे तो ठिक ठिक करेंगे।
आप का विश्वस्त

N Lanki
2/5/59

April 59. Cate. I. Topno 24/IV
Bengal.

काम पत्र - अप्रैल १९५९

१-४-५९ – कुछ समान रंगामटिया में रह गया था उसको लाने के लिये रंगामटिया गया वहां ३ तारीख तक रहा।

४-४-५९ - पुरुलिया पहुंचा।

५-४-५९ - सुबह पुरुलिया में और शाम को बाड़सोल में गिर्जा हुई।

६-४-५९ - बाड़सोल से चोईनोसोल गया।

७-४-५९ - सुबह चोईनोसोल में गिर्जा हुई, शाम को चांगड़ी पहुंचा।

८-४-५९ - बरह बजे चांगड़ी में गिर्जा हुई। शाम को गुड़ीग्राम पहुंचा।

९-४-५९ - पुरुलिया पहुंचा।

१०+११-४-५९ - पुरुलिया में रह कर संताली से एतवार पाठ और गीतों का तैयारी किया।

१२-४-५९ – सुबह पुरुलिया में गिर्जा किया और बरह बजे बाड़सोल में गिर्जा हुई। गिर्जा से निकल कर यहां के भाईयों के साथ चनसोल और बुन्डुडाही गया भाई बहिनों से मुलाकत किया और गिर्जा जाने का सलाह दिया।

१३-४-५९ से—तक पुरुलिया में रह कर, संताली आराधना में तरजुम्मा
१८-४-५९ - किया और संताली नया नियम स्टाडी किया।

१९-४-५९ - सुबह पुरुलिया में और शाम को बाड़सोल में गिर्जा किया।

२०+२१-४-५९ - पुरुलिया से बाड़सोल समान पहुंचाया।

२२-४-५९ — बाड़सोल में डेरा डाला।

२५-४-५९ - मृतक गाड़ने के लिये खुतुरकुंडिया गया।

२६-४-५९ - सुबह पुरुलिया में और बरह बजे बाड़सोल में गिर्जा किया।

२७-४-५९ - खुतुरकुंडिया में गिर्जा किया।

२८+२९-४-५९ बाड़सोल (दुसरा टोली) में घुमा।

३०-४-५९ —— पुन्डीसोल और पुरुलिया गया बिन्ती,प्रार्थना किया।

मेरा पता :-

Cate-, I. Topno,
vill - Barsol
P.O. Saria
Dist.- Midnapore.
W/Bengal.

I. Topno
6-5-59.

He took care for the christian people by visiting their houses and conducting Church services.

नोइट मिशन बोर्ड का अप्रेल महीने की १९६५ई० की

१ तेनदा गया था तीन भाईयों को धर्म के विषय में रिपोर्ट प्रचार किया
२ नकटी ऊपर टोली में घुमा दो भाईयों को दोड़ोमें पोथी से प्रचार किया
३. बाजार किया।
४। घर का काम किया और पाठ तैयार किया
५ गिरजा चलाया 6 भाई बहीन हाजीर थे।
६। विशेष काम के लिये शिरिवा गया था।
७। बाजार किया,
८। तेनदा गया था मसीह भाईयों के साथ प्रार्थना हुआ।
९ मदको बेड़ा गया गया था प्रार्थना हुआ
१० घर का काम किया।
११ पाठ तैयार किया।
१२ गिरजा चलाया ५ भाई बहीन हाजीर थे।
१३ साड़ी ग्राम गया था कुछ भी काम नहीं हुआ।
१४ बाजार किया।
१५ चकलचरपुर विशेष काम के लिये गया था
१६ जौंको गया था दो भाईयों को प्रचार किया
१७ बाजार किया।
१८ गांव में घुमा और एक कथोलिक के घरमें प्रार्थना हुआ
१९ गिरजा चलाया।
२० घर का काम किया
२१ बाजार किया
२४ ता: को घर का काम किया
२२ जौंकोकला गया था एक भाई को प्रचार किया
२३ मदको बेड़ा गया था मसीही भाईयों के पास के लिये प्रचारक J. Sumin
२४ जराई केला क्वाटर बन्दोबास (देखने) के
के साथ गये थे। जराई-केला पस्टरेट मन्डोली में।
२५ गिरजा चलाया जराई-केला पस्टरेट मन्डोली में।
२६ मसीही भाईयों के पास गये थे। आमका कोना।
२८ घर लौटे।
२९ घर का काम किया
३० " " " "

G. L. Sumin P.

Jrai Kela
P. O. Jrai Kela
(Hi) Parudi

बोंगा जांगा मिशन फिल्ड का रीपोर्ट अप्रैल महीना।
१९५६ई। ता: २९-४-५६।

मान्यवर Rev" J. Soy को यीशुसहाय आगे इस महीने का रीपोर्ट भेजता हूं, सो कृपाया ग्रहन कीजिये।

तारीख १-४-५६ को मैं बिमार हुआ इससे घर ही में रहा।
ता: २-४-५६ से ४-४-५६ तक स्कूल चलाया। ता: ५-४-५६ को एतवार गिर्जा चलाया। ता: ६-४-५६ को पहीले बेला स्कूल चलाया, दुसरे-बेला बजार गया।
ता: 6-४-५६ ~~में~~ को गांव में मारी बिमार फैल गया इससे ता: १९-४-५६ तक स्कूल को छुट्टी करनी पड़ी।
ता: ८-४-५६ को खुरवो से मेरा शरीर कमजोर हुआ इसलिये घर ही में रहा। ता: ९-४-५६ को केरा पोस्ट ओफीस, रुपैया छुड़ाने के लिये गया। आते समय कुरकुड़ा बोआस करमा के घर गया और सांझ को सपरिवार ~~मील~~ मिल के समाज गिर्जा हुई।
ता: १०-४-५६ से ११-४-५६ तक खुरवो से मेरा शरीर बहुत कमजोर हुआ इस से किधर भी दूर करने नहीं सका।
ता: १२-४-५६ को एतवार गिर्जा चलाया। ता: १३-४-५६ को दुसरे बेला बजार गया। ता: १४-४-५६ को बिमार के कारण घर ही में रहा।
ता: १५-४-५६ को याकुब के साथ गिर्जा घर का द्वार ~~लकड़ा~~ तकता लेने के लिये गये, पर नहीं मिला। आते समय जोम्बारो गये वहां द्वार चौखट चिरवाये थे उसको जांच किये। ता: २३-दिन मिसी को ~~ले~~ बण्डीह ले जाने का प्रोग्राम ठहराया।
ता: १6-४-५६ और ता: १८-४-५६ को बिमार के कारण घर ही में रहा।
ता: १९-४-५६ को एतवार गिर्जा चलाया।
ता: २०-४-५६ को स्कूल चलाया दुसरे बेला बजार गया।
ता: २१-४-५६ से ता: २५-४-५६ तक स्कूल चलाया और ता: २५- शनिवार को दुसरे बेला मोसोडीह दूर करने गया। सांझ को वहां समाज गिर्जा हुई।
ता: २६-४-५६ को मान्यवर जे. सोय, के अगुवाई में एतवार गिर्जा हुआ। गिर्जा बाद मान्यवर पादरी जे. सोय के साथ कुहोयोहतु लुकोन को सूमझाने के लिये गये।
ता: २7-४-५६ को बिहान को गांव के पंच और भाईयों के साथ गिर्जा घर और प्रचारक का घर बनाने का सलाह कीये उसके बाद बोंगा जांगा भाई और घर का ~~नाप~~ नेव को नाप जोग कीये। दुसरे बेला-बजार गये, और-पादरी बाबु जी चैबासा लौट गये।
ता: २८-४-५६ को स्कूल चलाया, और उसी तारीख से ही घर बनाने का आरम्भ ~~कि~~ हुआ।
ता: २९-४-५६ को पहीले बेला स्कूल चलाया, दुसरी बेला रीपोर्ट-तैयार किया। ता: ३०-४-५६ को स्कूल चलाया।

मंडली आमदनी हिसाब - सिर्नी १)। चदु सिर्नी ~~१~~ ।=)। राज्यवृद्धि =)॥
टोटल २।=) प्रचारक खर्च। लि०. प्रचारक आन्तोनी सोय
बोंगाजांगा-बण्डीह।

गिर्जा घर और प्रचारक घर के दीवाल के लिये ठीका काम वाले नहीं मिले, इसलिये मजदुरी ही से काम होता है।

१९५९ अप्रेल महिना की डायरी।

R9/III+/IV

१-४-५९ को टंगेरपाली मे ईश्वर के बचनं से समझाया।
२-४-५९" टंगेरपाली से लौट आया।
~~२-४-५९" पादियों के आने की खबर जाँच करने के लिये दुर्गाडीह गया था।~~
~~३-४-५९~~ २-४-५९ से १५-४-५९ तक आध कपाल दर्द के कारण से घर में था।
~~४-४-५९~~ १६-४-५९ पादियों के आने का खबर जाँच करने के लिए दुर्गाडीह गया था।
१७-४-५९" एक संसार बालक बलन्डा में बिमार था। बिन्ती द्वारा सेवा किया।
१८-४-५९" पादरी जे सोय + पादरी एच समद के संग अनेक धर्म बिषय बातचीत किया।
१९-४-५९: गिरजा करके पादियों के संग बलन्डा और कुलपाल टोले में घूमा।
२०-४-५९: पादरी एच समद के संग, पादरी डेरा घर देखने गया था।
२१-४-५९: प्रचारिन आड़ा दुःख से पीड़ित थी, उस की सेवा में था।
२२-४-५९: पेट और कपाल दर्द के कारण से घर में था।
२३-४-५९: कपाल दर्द के कारण घर में था।
२४-४-५९: ~~गिरजा किया।~~ बलन्डा में एक नया धर्म खोजक बिमार था वहां बिन्ती किया।
२५-४-५९: आध कपाल दर्द किया।
२६-४-५९: गिरजा गया था, मोंझिोर का एक लड़का को बड़ा ज्वार हुआ। बिन्ती और दवा द्वारा सेवा किया।
२७-४-५९: घर में था।
२८-४-५९: एक उल्टा हुआ खस्तान को यीशु नाम के गुण के बिषय बताया।
२९-४-५९: रेंगलबेड़ा में बिन्ती समाज किया।
३०-४-५९: जम्माल में बचनं सिखाया।

Cate. Simon Dang
G. E. L. church Kulpal.
8-5-59.

G. E. L. church Kulpal
8-5-59.

श्रीयुक्त महा मान्यवर
पादरी बाबू J. Soy.

आप को मेरा यीशुसहाय,

महाशय,
आज कल गर्म के तेजी से बच्चे सब कुछ दुर्बल हैं, आप लोगों का प्रभु में सकुशल चाहता हूं।

महाशय, पादरी, प्रचारक डेरा और गिरजा घर आदि बनाने के लिये जगह बन्दोबस्त किया जा रहा है। रजिष्ट्री के लिये, ~~जमी~~ ५, ६, मई ५९ को cate aaind के संग ५, ६, मई ५९ को टांड मालिक और कुचिन्डा गये थे। रजिष्ट्री कागज लाने के लिये मैं फिर २३ मई ५९ को बुलाया गया हूं। सो आप को मालूम होवे। वर्तमान, पादरी रहने के लिये हम लोग जो, बलन्डा में एक खस्तान भाई का घर देखने गये थे वही रहेगा। बाकी सब पता, Cate. aaind जनायेंगे।

आप का दीन दास——
Cate. S. Dang
Kulpal.
8-5-59.

N.B. मर्ची में बहुत देरी से डायरी भेजता हूं। सो क्षमा दया भाव करके माफ करेंगे।

मार्च १९५६ की डायरी।

१-३-५६ को गिरजा किया।

२-३-५६ " कुलपाल के नये खृस्तानों को धर्म्म में स्थिर रहने के लिए समझाया।

३-३-५६ " खोरगडीह का एक संसार भाई से धर्म्म विषय बात चीत किया।

४-३-५६ " जाम्माल का एक नया खृस्तान बिमार था, उस को दवा औ ~~बिन~~ बिन्तीद्वारा सेवा किया।

५-३-५६ " जाम्माल में २ नया खृस्तानों के संग धर्म्म गीतों को गाया।

६-३-५६ " जाम्माल में नये खृस्तानों को आज्ञा दर्पण और विश्वास दर्पण आदि सिखाया।

७-३-५६ " जाम्माल में एक नया खृस्तान के साथ धर्म्म गीतों को गाया।

~~८-३-५६~~ " गिरजा किया।

९-३-५६ " कुलपाल का एक नया खृस्तान, जिस को संसार सब बाद किये हैं उस को
शान्ति का बचन दिया।

१०-३-५६ " जाम्माल का एक नया खृस्तान को मत्ती ५, ११+१२ से समझाया।

११-३-५६ " कुलपाल का नया खृस्तान प्रभुदयाल को संसार सब सताये, उस को
सुधि दिया।

१२-३-५६ " प्रचारक इस्राइल लुगुन की बेटी बुखार थी, उस को प्रार्थना द्वारा सेवा किया।

१३-३-५६ " बलन्डा के संसार भाई बहिनों को समझाया।

१४-३-५६ " जाम्माल का एक नया खृस्तान बहिन को धर्म्म में स्थिर रहने के लिए समझाया।

१५-३-५६ " गिरजा किया।

~~१६-३-५६~~ " बलन्डा में एक संसार बहिन बिमार थी, बुलाने पर वहां बिन्ती किया।

१७-३-५६ " कुलपाल, जाम्माल और ~~[illegible]~~ भुंई के नये खृस्तान, जिन को संसार सब
औंका रहे हैं, उन को सुसमाचार से शान्ति किया।

१८-३-५६ " बलन्डा और जाम्माल में बिमारियों को बिन्ती और दवा द्वारा सेवा किया।

१९-३-५६ " कुलपाल का एक नया खृस्तान को धर्म्म में स्थिर रहने के लिए समझाया।

२०-३-५६ " जाम्माल में बिन्ती ~~समाज~~ समाज किया।

२१-३-५६ " बलन्डा में बिन्ती समाज किया।

२२-३-५६ " गिरजा किया।

२३-३-५६ " बलन्डा में एक नया धर्म्म खोजक को पेट दर्द किया, दवा औ बिन्ती
द्वारा सेवा किया।

२४-३-५६ " बलन्डा में एक नया धर्म्म खोजक के घर में दुःख था उन को प्रार्थना द्वारा सेवा किया।

२५-३-५६ " कुलपाल के नये खृस्तानों को ईश्वर के बचन से समझाया।

२६-३-५६ " बलन्डा में एक नया धर्म्म खोजक के घर में दुःख था, प्रार्थना द्वारा उन
को सेवा किया।

२७-३-५६ " भला शुक्रवार गिरजा किया।

२८-३-५६ " बलन्डा का एक संसार भाई को, जो गोलमाल करते है, समझाया।

२९-३-५६ " गिरजा किया।

३०-३-५६ " जम्माल में एक नया खृस्तान दुःख में था वहां बिन्ती किया।

३१-३-५६ " रंगोरपाली में मेरा बेटा बिमार हुआ उस को देखने गया था।

Cat. Simon Dang
G. E. L. Church Kulpal.
8-5-59.

अप्रेल महीना का रिपोर्ट

18/IV

१-४-५९, पहली बेला घंटा खरीदने के लिये वारिपदा गया था।
दूसरी बेला घर में मेहमानों के साथ रह कर समय बिताया।

२-४-५९–३-४-५९, मेहमान लोगों के साथ रह कर समय बिताया।

४-४-५९, रंगामाटिया से पुरुलिया जाने में समय बिताया।

५-४-५९, पुरुलिया और बरसोल में बारजा गिर्जा चलाया। और प्रभु भोज बांटा।

६-४-५९, बरसोल से चोरनीसोल आने में समय बिताया।

७-४-५९, पहली बेला गिर्जा चलाया और प्रभु भोज बांटा। दूसरी बेला घंगड़ी गया और वहां रहा। रात को प्रार्थना से काम अन्त किया।

८-४-५९, घंगड़ी में पवित्र प्रभु भोज का गिर्जा पहली बेला चलाया दूसरी बेला गुड्डीग्राम आया और वहीं रात बिताया।

९-४-५९, गुड्डी ग्राम में सबेरे प्रार्थना के बाद पुरुलिया आया और वहीं रात बिताया।

१०-४-५९, पुरुलिया से रंगामाटिया आने में समय बिताया।

११-४-५९, घर में रह कर समय बिताया।

१२-४-५९, रंगामाटिया में गिर्जा चलाया।

१३-४-५९— १७-४-५९, रंगामाटिया में रह कर समय बिताया तबीयत अच्छी नहीं थी।

१८-४-५९, रंगामाटिया से जसीपुर आने में समय बिताया।

१९-४-५९, जसीपुर में गिर्जा चलाया और प्रभु भोज बांटा।

२०-४-५९, अंलायोड़ी में प्रभु भोज गिर्जा चलाया।

२१-४-५९, गोरुमहिषिणी में प्रभु भोज गिर्जा चलाया।

२२-४-५९, अंलायोड़ी में प्रार्थना के बाद पहली कुलडीहा आया और उस दिन कुलडीहा ही में रह कर समय बिताया।

२३-४-५९, कुलडीहा में प्रभु भोज गिर्जा चलाया। दूसरी बेला कुसनुपुर आया और वहीं रात बिताया।

२४-४-५९, पहली बेला कुसनुपुर में प्रभु भोज गिर्जा चलाया और दूसरी बेला बाघपहाड़ होते हुए जसीपुर आया। रात को जसीपुर में प्रार्थना से काम समाप्त किया।

२५-४-५९–२८-४-५९, सिमली पहाड़ के गितिलपिड़ी में दृढ़ीकरण और बपतिस्मा पाने वालों को सिखाया।

३०-४-५९, सारदा में घंटा संस्कार किया और प्रभु भोज गिर्जा चलाया।

Rev. H. Tuti
13-5-59

17/IV

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,
SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH.
~~*Secretary*— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B. A.~~
~~*Joint*~~ *Secretary*— MR. P. DANG, B. A.
Treasurer— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref:

Dated 9. 5. 59.

To

The Secy.
J. M. B. Chaibasa.

Sir,

I have the honour to submit my monthly report for your information and necessary action. I am sorry to say that due to my Illhealth and confinence I did not do well the last month.

April 1 – 11. I was lying on sick bed.

" 12. I conducted Sunday service at Rourkela - 1.

13. Jaldu colony to talk with the mandli Pench of Mahulpali church. We sought their permission to have our Sunday worship combined with the people of N. Z. They did not give us final word. They said to meet them again regarding this.

April 14. I was on the way to Rampur but heard that most of our Christian went to Ranchi on an urgent piece of work & returned from there.

" 15 Rev. C. B. Aind paid a short visit to Rourkela. I spent the evening with him. I assured that he would come here next Sunday.

" 16. I visited the houses in Sector 20.

" 17. I met the people of Jhirpani colony.

" 18. Rev. C. B. Aind came here for Lord's supper and Baptism. We had Lord's supper service in Sector 5 in the evening.

" 19. Sunday service, Lord's supper, Communication and marriage at Rourkela performed by Rev C. B. Aind. Rev. C. B. Aind left

" 20. Rourkela for Ranchi as he was called by the President G. E. L. C. Ranchi. Programme for Lord's supper and other service were left undone.

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,

SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH.
Secretary— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B. A.
Joint Secretary— MR. P. DANG, B. A.
Treasurer— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref:

Dated..

April 20. I visited the ~~people~~ house of Johan Tirkey in Lalcow colony. His daughter died of cholera and ~~her~~ her burial ceremony was performed by a lay man. ~~I was~~ not informed ~~infor~~ in time and secondly weather was not favourable.

April 21 - 30. I left Rourkela for Raipur to attend a conference on Industrial Evangelism.

Yours truly,
P. C. Minz

April 59. Jusaf Kandulna 16/IV

अप्रेल महीन क रिपोर्ट १९५९

१-४-५९ को मैं नवा बपतिस्मा वालों सिक ने में था
प्रभु भोजो के लियो और बपतिस्मा के लियो सिका ते थे
२-४-५९ को मैं सरुदा के गोड़ो गया और साम को गोड़ो था
बाजीर को मैं घर गया और खना खाके दु कुर बेला फिर गोड़ो गया
३-४-५९ को मैं गोड़ो में पचर किया और मैं घर आया था दुसरे बेला गोड़ो गया था
४-४-५९ को मैं अप्रसातकुवा गया था और दो जान के पचर किया
५-४-५९ रुवार को मैं कुदागुटू में गिरज किया और घर गया था
६-४-५९ को मैं गोड़ो में था गोड़ो से ओनपुर गया था पचर किया
७-४-५९ को मैं गोड़ो में था गोड़ो से घोरमपुर गया था पचा किया
८-४-५९ को मैं गोड़ो से सरुदा आया था और सरुदा से गोड़ो गया था
९-४-५९ को मैं गोड़ो से कुदागुटू गया था और पचर किया
१०-४-५९ को मैं गोड़ो से सरुदा गया था और दुबेला सरुदा से गोड़ो गया
११-४-५९ को मैं गोड़ो से मनोपिड़ी गया था और मनोपिड़ी में पचर किया
१२-४-५९ रुवर को मैं कुदागुटू में गिरज किया और गिरज के बादे मैं घर गया
और मैं साम को गोड़ो गया था
१३-४-५९ को मैं गोड़ो से गितिलपिड़ी गया था फिर गितिलपिड़ी से गोड़ो गया था
१४-४-५९ को मैं गोड़ो से सरुदा गया था और मैं सरुदा से गोड़ो गया
१५-४-५९ को मैं गोड़ो से जोजोगोड़ा गया था जोजो गोड़ा में पचर किया
१६-४-५९ को मैं जोजो गोड़ा से सरुदा गया और सरुदा से गोड़ो था गोड़ो में मसा
किया। १७-४-५९ को मैं गोड़ो से सरुदा गया था और मैं सरुदा से गोड़ो गया
१८-४-५९ को मैं ओनिपुर गया था और मैं ओनिपुर में पचर किया
१९-४-५९ को मैं गोड़ो से कुदागुटू गया था और गिरज के बादे मैं गोड़ो
गोड़ो गया था और मैं गोड़ो में राह गया
२०-४-५९ को मैं सरुदा से जसिपुर गया था
२१-४-५९ को मैं जसिपुर में बाजार किया
२२-४-५९ को मैं जासिपुर से सरुदा आया था
२३-४-५९ को मैं सरुदा से गोड़ो गया था और मैं गोड़ो में बास कियो
२४-४-५९ को मैं गोड़ो से बोरामपुर गया था और मैं पचर किया
२५-४-५९ को मैं गोड़ो में राह गया था गोड़ो में पचर किया
२६-४-५९ एतोवर को मैं कुदागुटू में गिरज किया और मैं गिरज के बादे
मैं सरुदा गया था और मैं सरुदा से गोड़ो गया था
२७-४-५९ को मैं चईबासा गया था और मै चाईबासा राह गया था
२८-४-५९ को मैं चईबास से जसिपुर गया था
२९-४-५९ को मैं जसिपुर से सरुदा गया था —
३०-४-५९ को मैं गोड़ो में मई यों के सते मैं राह गया था

ता० ३-५-५९ जुसफ कांडुलना

He baptised some person for Holy Baptism

15/IV

अप्रैल १९५६

१ ता को घर में था।
३ ता: तक - बिमारी के कारण
४ - ता: विशेष काम के लिए टटा गया था
५ ता: तक टाटा में था
६ ता: को खुड़री कोचा
७ ता: से
२२ ता: तक खुड़री कोचा मे था। इस महिना स्कूल का सख्या ७ हो गया। उनको पढता और आस पास के टोलो तथा जंगल से बाहर भी घुमनेलगा और एक बात आब जंगल का पानी विशेष नहीं तथा पता साड़ा पनी के कारण बुखार और सिर दर्द होने लगा इस तरह से मै वहां से घर आया और बिमार ही का हलात मे हुं, विशेष सिर दर्द है। अच्छा होकर जाने पर आब है चपड़ी या केदाडिह के तरफ रह कर आना जाना करूगा दवा करवाता हुं

३० ता: तक नही चंगा हुआ हूं. हमारा बात प्रचारीन भी बहुत कामजोर है

मै आप सभा का विश्वास्त
मनोहर बाड़ा
२-५-५६

Ripoart for the month of Apriel 1959 in Sisibaha cote J. Surin

1-4-59. — रिपोर्ट तैयार किया।
2-4-59. — चक्रधरपुर खिड़की के लिये गया। मिस्त्री को नहीं पाया।
3-4-59 — बाजार कड़ाइ केला गया।
4-4-59 — पाठ तैयार किया।
5-4-59 — परिवारो के साथ गिरजा किया।
6-4-59 — सांसी रोग का दवा बनाया।
7-4-59 — ईचापी, डुरांग दा: और दमुड़ी गया। दमुड़ी में एक रोगी को पाया और दवा
8-4-59 — दिया और वह रोगी उसी दवा से अच्छा हो गया। 20 प्राणी को प्रचार किया।
कुकरु साल गया। वहां शैतान से अधिक समर्थी यीशु मसीह को बताया
उसके बारे धर्म्म पुस्तक से कई प्रमाणो को बताया। वहां के मुन्डा को विन्ती
के साथ (हे प्रभु मुझ पापी को शैतान के बन्धन से छुड़ा) रखने को हुकुम दिया।
वह भी ऐसा प्रार्थना करने को राजी हो गया। और खुद आप हो पूछा।
9-4-59. — गर्मी के तेजी के कारण मुझे गरम पकड़ा चूंकि मैं कुकरु साल से धूप २ लौटा।
वहां एक घराना को खिस्तान धर्म्म और संसार धर्म्म के बारे समझाया।
10-4-59 — कड़ाई केला बाजार गया।
11-4-59. पाठ तैयार किया।
12-4-59 — नाकटी में गिरजा किया।
13-4-59 — घर का काम किया।
14-4-59. चक्रधरपुर गया मिस्त्री मुझे ठग दिया।
15-4-59. दवा बनाया।
16-4-59 — घर का काम किया।
17-4-59 — कड़ाई केला बाजार गया।
18-4-59. ताला बुरु गया। रात को आदमी जामा न हो सके।
19-4-59 — लिंक पानी गिरजा में उपदेश पारी मिला। शाम को ताला बुरु में सृष्टि के बारे लेक्चर
20-4-59. दिया सुनने वाले भाई और बहिन 20 थे।
— ताला बुरु से लौट आये।
21-4-59. प्रभुसहाय तोपनो के लिये दवा बनाया।
22-4-59 — चक्रधरपुर गया। मिस्त्री छिप गया नहीं पाया।
23-4-59. दवा तैयार करके रोगी के घर गया और दवा ~~तैयार करके~~ प्रार्थना कर के रोगी को
खिलाया।
24-4-59. कड़ाई केला बाजार गया।
25-4-59. जराई केला ग्लेडसन सुरिन के साथ वहां की चर्च लेने और क्वाटर देखने गये।
वहां के भाई, बहिन और प्राचारिन खुशी से शहरा किये और चर्च भी खुशी से दिये।
26-4-59 — जराई केला में पूरा गिरजा चलाया।
27-4-59. मनोहर पुर आये।
28-4-59. वहां से शीशी बहा आया।
29-4-59. छोटा लड़का मेरे गैरहाजरी में उल्टी और झाड़ा से थक गया था। प्रचारिन विश्वास
पूर्वक प्रार्थना और सेवा में धीरज के साथ लगी हुई थी। मैं पहुंच के दवा बनाया
और ईश्वर की दया से अच्छा हो गया।
30-4-59. घर ही में रोगी को देखता था।
31-4-59

नोट :-

(क) अफसोस की बात है कि यहां के जो भाई गिरजा करते थे वे नहीं आते हैं। पूछने से तो वे कहते हैं कि हम लोग गिरजा नहीं छोड़ेंगे। हम लोग खिस्तान ही लोग हैं। हम इस को दूसरा पतन गिनते हैं। हो लोग अपनी बात में स्थिर नहीं रह सकते हैं। ये डरपोक हैं। ये संसार की सुखविलास में फांसे हुए हैं। इसी को इन्हें छोड़ना बहुत मुश्किल है। ये कोई कारण नहीं बताते हैं।

(ख) मैं हो लोगो को तन मन से सेवा करता हूं और मेरे सेवकाई के द्वारा यीशु मसीह १२ हो लोगो को चंगा किया है।

(ग) हो लोग दवा के लिये जल्दी नहीं आते हैं पर जब बोंगासे थक जाते हैं तब आते हैं और मेरे दवाओं को लेते हैं। पर जो आते हैं उन्हें यीशु मसीह चंगा करते जाता है।

(घ) ईश्वर की दया को देखते हैं तौभी वे गिरजा में आने का वचन नहीं देते हैं। जब मेरे सेवकाई का फल नहीं दिखता है तो मुझे रहना मन नहीं करता है पर जब तक आप हुकूम नहीं देते हैं तब तक मैं धीरज के साथ काम करते रहेंगे।

(ङ) घर अब मरामत हो चुका है पर जो काम बाकी है उसको बर्षात बाद करेंगे। मेरी इच्छा के मोताबिक करेंगे। जो पैसा दिये हैं सो एक भी खर्च नहीं किया हूं। चूंकि यह पैसा लिपाई के लिये लिया हूं। दिवाल को नया रंग लगाने का विचार है। और जो काम [illegible] होना चाहिये था वह भी अब तक नहीं हुआ है (खिड़की) इसी के कारण काम रुका हुआ है। अफसोस की बात मैं धोखा मिस्त्री के पंजे में फस गया न रुपैया निकाल ने सकता हूं न कुछ उसके खातिर मुझे बार २ चक्रधरपुर जाना पड़ता है। आप को मालूम होगा रिपोर्ट के द्वारा कि मैं महिना में कितना बार चक्रधरपुर गया हूं। मैं expenditer का हिसाब नोम्बेवर महिना में देऊंगा। बर्षात में कुछ रंग खराब हो जायगा बर्षा के कारण इससे बर्षा को पार होने दे लेंगे। जहां जरुरी था तहां आप देख लिये होंगे जहां मेरे समझ और सोच से मराम्मत हो गया है। उस का expenditer नहीं है।

(च) आप मेरे लिये चिन्ता करते हैं तौसपर भी मुझे इस महिना से बहुत तकलीफ हो रहा है चूंकि चावल २६) - २८) मन हो गया है। तौसपर भी मेरा आशा ईश्वर और आप के ऊपर है कि ईश्वर आप के द्वारा मुझे शरीरिक और आत्मिक तौर से सम्भालेंगे।

T. A Bill for the month of April 1959.

7-4-59.	Sisitaha to Echapi. Harangdo, Damudi	Tea		25 N. Paisa
8-4-59	" " Kukrusal.			37 N. Paisa
18-4-59	" " Jalaburu	Buscare	1-	68. N. Paisa
		Tea -	-	25 N. Paisa
19-4-59	"	Tea	-	25 N. Paisa
20-4-59	Talaburu To sisitaha	Bus care	1-	68 N. Paisa
		Tea -		25 N. Paisa
			4.	73 Paisa

Total Rs. four and seventy three new Paisa

Cate J. Irine
8.5.59

12/IV

बाईबेड़ा ~~का~~ जोईन्ट मिशान बोर्ड का रिपोट १९५६ अप्रेल का।

Sri mahamanyawar Rev: H: Kloss –

Rev J: Soy yishusahay.

ता: १ घर का कम किया।

२ बजार किया।

३ जोम्बुरा गया और भाईयों को ईश्वर का बचन सुनाया संख्या २।

४ टोपोसई गया और धर्म्म भजन गीत भाईबहीनोंको सुनाया— संख्या— ७।

५ तेनदमः सोनुआ और सरान्डेया में गिर्जा किया।

६ स्कानिया में गिर्जा किया।

७ खपरा खोजने सुन्दुरी गया।

८ घर का काम किया।

९ बजार किया।

१० गाँव ही में भाईयों को बचन सुनाया संख्या — २।

११ गिर्जा उपदेश बचन तायारी किया।

१२ गिर्जा किया सोनुआ में और सरान्डेयापोस में।

१३ स्कानिया में गिर्जा किया।

१४ सुलैमान के लिये दवाखाने सोनुआ अस्पताल गया।

१५ घर का काम किया।

ता: १६ बजार किया।

१७ सुजनिया गया और भाईबहीनों को प्रभु का बचन सुनाया संख्या ६।

१८ गिर्जा उपदेश बचन तायारी किया।

१९ गिर्जा किया।

२० धर्म्म मेला में उपस्थीत होने के लिये टोकद पाद्री और तोलाईबेरा प्रचारक मुझको बुलाने ~~क~~ बाईबेरा आये थे इस कारण घुमने तो नहीं गया।

२१ धर्म्म मेला केलिये तोलाईबेरा गया धर्म्म मेला में संसारी लोगों की संख्या २०० से उपर थे

२२ धर्म्म मेला से बाईबेरा लौट आया।

२३ बजार किया।

२४ घर का काम किया।

२५ गिर्जा उपदेश बचन तायारी किया।

२६ सोनुआ ~~में~~ और सरान्डेयापोस में गिर्जा किया।

२७ स्कानिया में गिर्जा किया।

२८ जोम्बुरा ~~में~~ के भाईयों को बचन सुनाया संख्या — २।

२९ खपरा पाकाने में कुलीयों को लगाया और कुलीयों के साथ मैं भी काम किया।

३० बजार किया।

अन्त ३ जन ~~प्र~~प्रभु भोज केलिये बचन सीखाता हूँ, और १ जन बपतिस्मा केलिये सीखाता हूँ॥ और धर्म्मी खोजक होनेवाले हैं॥

आपका बिश्वासि इ: तोपनो प्र: बैईबेड़ा॥

राज्य वृद्धि काम का रिपोर्ट हेरो एरिया अप्रैल महीना १९५९ई०

11/IV

तारीख

१ बीमार भाई को देखने पितल गया था।

२, पिताल से हेरो आया

३, स्कूल किया

४. स्कूल किया

५ गिरजा किया

६, स्कूल किया

७ स्कूल किया

८ स्कूल किया और बिरसा भाई को धर्म की बातें बताया।

९ स्कूल किया

१० स्कूल किया और गोइल केरा बाजार गया था।

११- स्कूल किया

१२ गिरजा किया

१३ स्कूल किया

१४ अनन्दपुर बाजार हो के अम्बाकोना गया था।

१५. अम्बाकोना से हेरो आया।

१६ स्कूल किया

१७- स्कूल किया

१८ सेरेंदः बाजार गया

१९ गिरजा किया

२० स्कूल किया

२१- स्कूल किया और एतवा भाई के साथ धर्म की बात किये।

२२. स्कूल किया

२३. स्कूल किया

२४ गोइलकेरा बाजार गया था

२५- स्कूल किया और दूसरी बेला गोइलकेरा गया।

२६- मनोहरपुर पैरिश मिटिंग में सम्मिलित होने के लिये गया था।

२७ गोइलकेरा से हेरो आया।

२८- स्कूल किया

२९- स्कूल किया

३० स्कूल किया।

आप का विश्वासी - Thomas Bhengra

12-5-59

पोदाह उदि ४/IV

ता·३०·४·५६

श्रीयुक्त महा मान्यवर

पाद्री बाबु आप को मेरा यीशु सहाय।

महाशय — आप को मालूम होवे।

ता·१·४·५६ को मैं तुरंग गया था।
ता·२·४· को मैं सरमार बाहर गया था।
ता·३·४· को मैं गंभर मुंडे गया था।
ता·४·४· को मैं तारना जटा गया था।
ता·६·४· को मैं टिकटी पड़ा गया था।
ता·७·४· को मैं डोंगामरेन गया था।
ता·८·४· को मैं एरूजोकुड़ा गया था।
ता·९·४· को मैं गांव ही में घूमा।
ता·१०·४· को मैं बलवा गया था।
ता·११·४· को मैं तिलेमाल गया था।
ता·१२·४ को मैं छुकुकडादे गया था।
ता·१४·४ को मैं पतरातराडेर गया था।
ता·१५·४ को मैं सोड़े गया था।
ता·१६+१७· को मधुपुर का पाद्री बाबु आये थे।
ता·१८·४· को मैं डोंगापबार गया।
ता·२०·४· को मैं आरगोव गया था।
ता·२१·४· को मैं रोयजा गया था।
ता·२२· को मैं मुलेल गया था।
२४· से ३० ता· के भीतर में मैं कहीं नहीं गया कारण कि मेरा घर गिर जा रहा था इस को थोड़ा मरम्मत किया हूँ।

मार्च का तराड्डर आज पायो ४१) रू.
अप्रैल का " " " ३।३) रू.

Bodrama.

१९५९ के अप्रैल का डायरी ॥

ता: १ -- पाद्री Rev. J. Soy के आने के बाद जोहते में था ॥
२ — आज भी उसी के आसरा में रहा ॥
३ — बिशालपलि में गया था ॥
४ — कहीं भी न गया ॥
५ — रविवार को गिर्जा किया ॥
६ — आज चैनोटाम गांव गया था।
७ — बसन्त सिरका ने बिशालपलि गया था।
८ — एक लड़का को बिमार के कारण कहीं न गया।
९ — उसका सेवा टहल में दिन बिताया।
१० — आज भी उसका दवा आदि बनाने में रहा ॥
११ -- फिर Rev. J. Soy के तारिख अनुसार घर में रहा ॥
१२ — रविवार को गिर्जा आराधना किया ॥ मैं आराधना
१३ - उस बिमार लड़का को ईश्वर अपने पास बुला लिया,
रात उस को गाड़ गई ॥
१४ — आज सारा गांव उदास में रह के अपने घर में रहा ॥
१५ — मैं आज भी घर ही में रह गया ॥ Rev. H. Samad से प्रेम भेंट हुआ-
१६ — आज बाजार किया, और
१७ — आज प्रेम से मेंहमान को बिदा किया ॥
१८ — फिर आज बाबु Rev. J. topro-आ पहुंचे ॥
१९ — Rev. J. topno अपना सब काम पूरा करके लौट गये ॥
२० — एक लड़की को बिमार देखने बिशालपलि गया था ॥
२१ — आज भी बिसालपलि गया था।
२२ — बिशालपलि से आज घर गया था ॥
२३ — बाजार - गया था ॥
२४ -- आज घर में रह के अपना डायरी बनाया ॥

एक बालक का स्नान, छे जन नये स्नान हुए- और
छे जन दृढ़ीकरण हुए।

मार्च का आमदनी 2-4-0.

J. Samad
24-4-59

अप्रैल १९५९ की डायरी । 5/IV

१-४-५९ कुलपाल से दुरगाडीह आया ।
२-४-५९ दुरगाडीह से छमड़ा ग्राम को गया
३-४-५९ दुरगाडीह आया ।
४-४-५९ दुरगाडीह में था ।
५-४-५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया
६-१०- छमड़ा की गिरजा घर बनाने में सहायता किया ।
११-४-५९ दुरगाडीह से छमड़ा ग्राम को गया
१२-४-५९ छमड़ा में गिरजा किया ।
१३-४-५९ दुरगाडी से छमड़ा जा कर एक बिमारी की सेवा किया ।
१४-४-५९ दुरगाडीह में था ।
१५-४-५९ " " "
१६-४-५९ Rev. J. Soy और Rev. H. Samad और अन्य भाइयों से जमूनकिरा में भेंट हुआ और साथ में दुरगाडीह आया ।
१७-४-५९ Rev. J. Soy के साथ रवैरडीह होके छमड़ा दूर किया ।
१८-४-५९ Rev. J. Topno के साथ छमड़ा गया और वहां गिरजा हुआ ।
१९-४-५९ रवबार का गिरजा छमड़ा + दुरगाडीह में किया ।
२०-४-५९ Rev. J. Topno के साथ कलापट गया ।
२१-४-५९ कलापट में बड़े गिरजा हुआ उसमें मैं भी शामिल था ।
२२-४-५९ दुरगाडीह में था ।
२३-४-५९ " " "
२४-४-५९ जमूनकिरा गया ।
२५-४-५९ दुरगाडीह में था ।
२६-४-५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया ।
२७-२८- दुरगाडीह में था ।
२९-४-५९ दुरगाडीह से कुलपाल गया ।

नोट :- अर्जी है कि छमड़ा मण्डली के लिए सहायता देने में आपों की विशेष ध्यान और कृपा दृष्टि होवे ।

अप्रैल महिने की मण्डली आमदनी 4॥।)- खर्च =) लिफाफा + कागज में)
Rs. 4-75 N.P. खर्च 19 N.P.

Cate. M. Dang
Durgadih
29-4-59

Diary for the Month of APRIL 1959

1 4/59 बच्चों को पाठ पढ़ाया आठ लड़के हाजिर थे
2 4/59 पाठ पढ़ाया दुसरी बेला सरगीडीह गये
3 4/59 पाठ पढ़ाया
4 4/59 पाठ पढ़ाया
5 4/59 गिरजा किये
6 4/59 पाठ पढ़ाया
7 4/59 पाठ पढ़ाया
8 4/59 पाठ पढ़ाया दुसरी बेला कोनमुन्डा के एक बिमार भाई को प्रभु का बचन सुनाया
9 4/59 पाठ पढ़ाया
10 4/59 " " " "
11 4/59 " " " "
12 4/59 गिरजा किये
13 4/59 पाठ पढ़ाया सब लड़के हाजिर थे
14 4/59 " " " "
15 4/59 " " " " "
16 4/59 " " " " "
17 4/59 " " " " "
18 4/59 " " " " "
19 4/59 गिरजा किये
21 4/59 पाठ पढ़ाया सब हाजिर थे
22 4/59 " " " " "
23 4/59 " " " " "
24 4/59 पाठ पढ़ाया दुसरी बेला गांव के भाईयों को प्रभु का बचन सुनाया
25 4/59 " " " " " "
26 4/59 गिरजा किये
27 4/59 पाठ पढ़ाया
28 4/59 पाठ पढ़ाया
29 4/59 पाठ पढ़ाया
30 4/59 पाठ पढ़ाया

Patras Barla Sargidih
1-5-59

Monthly report for the month of March 1959
Nlauki

26/III

1-3-59 - एक्षा मंडली में गिरजा किया।
2-3-59 - आराम किया।
3-3-59 - घर का काम किया
4-3-59 - महुबुभग से सीसीवा आया।
5-3-59 - स्टाडी किया।
6-3-59 - टोकलो बजार में प्रचार के लिये गया 220 सुनने वाले थे बेधसदा कुराउ के बारे-
बताया। ध्यान से सुने। T.A. I=)
7-3-59 - बमायसाल में प्रचार किये सुनने करीब 25 के लगभग थे। इसके बाद मांग
हातु में किये सुनने वाले करीब 120 थे मुझे यीशु का जीवन-चरित्र पाठ मिला
8-3-59 - जोड़ा जंजीद में गिरजा किया। गिरजा के बाद तीन गावों में घुम 2 कर प्रचार किये।
और जितने मसीही भाइयों के घर में प्रर्थाना भी हुआ। फिर लौट कर रात को
कुछ ईसाई और संसारियों को धर्म के विषय बतलाये।
T.A. I)
9-3-59 - घर लौटते समय ऊँची विति में एक रोगी के यहां प्रर्थाना कर बजार होते हुए सीसीवा पहुंचा
10-3-59 - दोगमतिक नोट लिखा।
11-3-59 - चक्रधरपुर गये वहां एक हिन्दु शिक्षक से ईसाई धर्म के विषय वाद विवाद हुआ।
12-3-59 - चक्रधरपुर से घर लौटते समय राजापरोम में डेरा किये वहां १८ आदमियों को प्रचार किये।
13-3-59 - बजार गये
14-3-59 - पाठ तैयार किया।
15-3-59 - बोंगा जंगा गया तथा गिरजा में उपदेश दिया।
16-3-59 - बोंगा जंगा में एक मसीही भाई के घर में प्रर्थाना कर सिसीवा आया।
17-3-59 - स्टाडी किया।
18-3-59 - स्टाडी किया।
19-3-59 - दवा खोड़ने के लिये जंगल गया।
20-3-59 - बजार किया।
21-3-59 - पाठ तैयार किया।
22-3-59 - गिरजा में हाजिर था।
23-3-59 - घर का काम किया
24-3-59 - सीसीवा से भाईबासा आया। मोटर किराया 1=) Tea -) कुल - 1I=)
2[illegible]-3-59 - भाईबासा से जगरनाथपुर आया। रेक्सा - I=) मोटर किराया 2) Tea =) कुल 2II=)
26-3-59 - बजार किया
27-3-59 - गिरजा में हाजिर था।
28-3-59 - पाठ तैयार किया
29-3-59 - गिरजा चलाया
30-3-59 - घर का काम किया
31-3-59 - स्टाडी किया।

T.A.	Rs-	A-	P.
6-3-59 -	0 -	6 -	0
8-3-59 -	0 -	4 -	0
24-3-59 -	1 -	6 -	0
25-3-59 -	2 -	9 -	0
Total -	4 -	9 -	0

To
The Secretary Rev, H. Kloss
Sir,

according to your information No nil dated 18-3-59 we have Decided that the quater will be complet in the sum of Rs 60
I there fore request your honour to send the above sum of money immediately thus I can do the work in time

I have the honour to be
Sir,
your's truly
Nlauki
2-4-59

नाकटी

जोरन्ट मिशन बोर्ड का मन्थीली रिपोर्ट मार्च महीने का १९५६ ई० की

22/III

१ नाकटी मे गिरजा हुआ

२ घर का काम किया।

३ जोंको गया था मसीही भाईयों के घर में बिनती प्रार्थना हुआ

४ पकड़ा विशेष काम के लिये गया था।

५ सिसिवा गया था विशेष काम के लिये प्रचारक के यहां।

६ टोकलो बाजार गया था वहां २०० आदमीयों को प्रभु यीशु मसीह का वाचन सुनाया, बाद में जोड़ा जजीद गया

8 इचा पी गया था वहां काम से कम २० आदमीयों को प्रचार किया

9 जोड़ा जजीद मांडली में गिर्जा किये (चलाये)

10 ऊंची बीती आया वहां एक भाई के पास प्रार्थना हुआ

11 मदको बेड़ा गया था मसीही भाईयों के साथ प्रार्थना हुआ।

12 घर का काम किया

13 बाजार किया

14 पाठ तैयार किया और दोग मतिका नोट किया।

15 गिरजा चलाया

16 तेनदाः गया था वहां तीन आदमीयों को प्रचार किया

17 बाजार किया

18 घर का काम किया

19 " " " "

20 नाकटी ऊपर टोली गया था एक भाई को प्रचार किया

नाकटी ऊपर टोली गया था एक भाई को प्रचार किया एक कथोलिक भाई को समझाया

21 घर का काम किया बाद में पादरी के साथ एक गया था गिरजा हुआ।

22 ओमा टोंगा पादरी के साथ गया था घर का काम किया

23 घर लौट के फिर से घर का काम किया

24 बाजार किया

25 घर का काम किया।

26 घर का काम किया

27 भला शुक्रवार का गिरजा हुआ

28 प्रभु भोज बांटा गया (गिरजा हुआ)

29 पुनरुत्थान का गिरजा हुआ।

30 घर का काम किया

31 बाजार किया।

मार्च महीने का टी० ए०
टोकलो और जोड़ा जजीद गया
था जामा ।।=) है।

Gl. Swain
N. Barla

21/III

March

तिथि	काम
९ →	समाज कुम्हारगढ़िया में।
१० →	समाज पुरनाटोली में।
११ →	अवकाश,
१२, १३ →	उपवासकाल गिरजा।
१४ →	समाज कुम्हारगढ़िया में।
१५ →	अवकाश
१६–१७ →	समाज, कुम्हारगढ़िया + पुरनाटोली में।
१८ →	समाज अम्बगाँव में।
१९–२० →	ओरिया अध्ययन।
२१ →	पाठ तैयारी।
२२ →	गिरजा अम्बगाँव में।
२३–२४ →	ओरिया अध्ययन।
२५ →	सिरखोमपली के संसारी भाई बहनों से मुलाकात करना।
२६ →	पहारटोली में समाज करना।
२७ →	अवकाश।
२८–२९ →	तैयारी + गिरजा करना अम्बगाँव में।
३० →	अवकाश।
३१ →	कुंजमुरम जाना गेन्द खेल के लिये।

P. T. O.

April

तिथि,	काम,
१ →	कुडामुम में मरना देखना माई बहनों से मिलना औ जकईकेला लौटना।
२ →	जकईकेला में रहकर बाजार करना औ कमपौंड लौटना।
३ →	समाज कम्पौंड में।
४–५ →	पाठ तैयारी + गिरजा करना अम्बगाँव में
६ →	बनाई बाजार
७ →	समाज कुम्हारगोढ़िगा में
८ →	अवकाश।
९ —	समाज अम्बगाँव में।
१२–१२ →	तैयारी + गिरजा करना कुरनापानी में
१३–१४ →	मेला देखना।
१५ →	समाज कम्पौन्ड में।
१६ →	बाजार देखना कपड़े की घटी के कारण।
१७ →	चस्मा छाँटना।
१८–१९ →	पाठ तैयारी + गिरजा अम्बगाँव में।
२०, २१ →	समाज, कुम्हारगोढ़ि + कुरनाटोली में।
२२ →	समाज, कम्पौन्ड में।
२३ →	मेकफासनपुर के संसारिक भाई बहनों से मिलना।
२४ →	चस्मा छाँटना।

April

तिथि	काम
२५-२६ →	पाठ तैयारी + गिरजा आम्बगाँव में।
२७ →	समाज कुम्हारगड़िया में
२८ →	अवकाश।
२९ →	समाज कम्पौन्ड में
३० →	समाज फुरनापानी में

Kerketta Amgaon
2-5-59.

Amgaon
2.5.59.

मानवर Rev j Joy

यीशु सहाय।

महाशय,

माफ करना चूँकि मैं भाषा ठिक नहीं जानने के कारण से कोई स्पष्ट रूप से नहीं कर रहा हूँ। फिर आप को यह जानकारी दिया जा रहा है कि मैं इस महिने के ११ ता० से ३० ता० तक छुट्टी चाहता हूँ चूँकि शादी का बात लेकर मुझको घर जाना बहुत ही जरूरी है। अब निवेदन है कि मुझको छुट्टी दिया जाय।

आपका विश्वस्त
Kerketta Candidat

बोंगाजांमा मिशन फिल्ड का रीपोर्ट। 20/III

मार्च महीना। १९५६ ई। ता: ३१-३-५६।

मान्यवर ई. ऊ. चैंबरस को यीशुसहाय –

आप को इस महीने का रीपोर्ट भेजता हूं, सो कृपाया ग्रहन कीजिये।

ता: १-३-५६ को एतवार गिर्जा चलाया।

ता: २-३-५६ को मतींगे स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया।

ता: ३-३-५६ को स्कूल चलाया।

ता: ४-३-५६ को रुपैया छुड़ाने के लिये केरा पोस्ट ओफीस गया, और सौदा लेने के लिये चक्रधरपुर बजार गया, सांझ होने के कारन वहीं रहा,

ता: ५-३-५६ बिहान को ट्रक से बपडीह आया, और स्कूल चलाया। सांझ २ के समय मोसोडीह दूर करने गया, सांझ को सापरिवार मिल के समाज विन्ती चलाया।

ता: ६-३-५६ को स्कूल चलाया। और शुक्रुवार गिर्जा चलाया।

ता: ७-३-५६ को स्कूल चलाया। ~~और सांझ को शुक्रुवार गिर्जा चलाया।~~

ता: ८-३-५६ को एतवार गिर्जा चलाया।

ता: ९-३-५६ को बिहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया।

ता: १०-३-५६ से ता: १४-३-५६ तक स्कूल चलाया, और १३ ता: को शुक्रुवार गिर्जा चलाया।

ता: १५-३-५६ को एतवार गिर्जा चलाया।

ता: १६-३-५६ को बिहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया।

ता: १७-३-५६ को स्कूल चलाया।

ता: १८-३-५६ को स्कूल चलाया, और दुसरी बेला प्रचारीन बिमार होने के कारन चुकलु गया।

ता: १९-३-५६ से ता: २३-३-५६ तक प्रचारीन के सेवा में रहा, खांसी और पहा रोग से दुर्बल में है।

ता: २४-३-५६ को चुकलु से बपडीह आया।

ता: २५-३-५६ को स्कूल चलाया। ता: २६-३-५६ को बिहान स्कूल चलाया और पर्ब्ब के लिये ६ दिन छुट्टी किया।

ता: २७ को भला शुक्रुवार गिर्जा चलाया।

ता: २८-३-५६ को पर्ब्ब का तैयारी में था।

ता: २९-३-५६ को पुनरुत्थान पर्ब्ब माने बिहान को बपडीह में कबर गिर्जा चलाया, और बाङगाड़ा में कबर गिर्जा गया, जडाई बजे बपडीह ही में पर्ब्ब गिर्जा चलाया।

ता: ३०-३-५६ को घर का काम किया, दुसरी बेला बजार गया।

ता: ३१-३-५६ को रीपोर्ट तैयार किया।

मंडली आमदनी – सिनों १।।।=)।। +
चंद ३।)।।
राज्य वृद्धी =)।
प्रभुभोज =) पादरी को दिया गया।

२।।।)।

18/III

मार्च महीने का रिपोर्ट

ता०

२-३-५९ — ५-३-५९ - रांची महासभा में समय बिताया।

६-३-५९ — दूसरी बेला रांची से अपना गांव दामी जाने में ~~लिये~~ समय बिताया।

७-३-५९ को अपना घर में रह कर समय बिताया। रात को समाज में उपदेश दिया और मयुरभंज जोइन्ट मिशन के काम के विषय अपने गांव के मंडली के भाई बहिनों को बताया।

८-३-५९ - को दामी गिर्जे में गिर्जा चलाया। दूसरी बेला दामी से रांची आया और रांची में रात बिताया।

९-३-५९ - को रांची में Rev. Kloss की बाट जोहने में समय बिताया। Rev. Kloss कलकत्ता गये हुए थे।

१०-३-५९ - रांची से बिचना आने में समय बिताया।

११-३-५९ - बिचना से चाईबासा आने में समय बिताया।

१२-३-५९ - चाईबासा में रह कर समय बिताया।

१३-३-५९ - चाईबासा से टाटा आने में समय बिताया।

१४-३-५९ — टाटा से रंगामाटिया आने में समय बिताया।

१५-३-५९ — रंगामाटिया में गिर्जा किया।

१६-३-५९ — बारिपदा गया था।

१७-३-५९ - २२-३-५९ तबीयत खराब थी अतएव घर में रह कर समय बिताया।

२३-३-५९ - को पुरुलिया और बरसोल गया था।

२४-३-५९ - को पुरुलिया से चोरनी सोल जाने और आने में समय बिताया।

२५-३-५९ - को पुरुलिया से रंगामाटिया आने में समय बिताया।

२६-३-५९ - २९-३-५९ पुनरुत्थान पर्व्व की तैयारी में समय बिताया।

३०-३-५९ - ३१-३-५९ मेहमानों के संग घर में रह कर समय बिताया।

H. Tuti
2-4-59

17/III

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,
SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH.
~~Secretary— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B. A.~~
~~Joint~~ Secretary— MR. P. DANG, B. A.
Treasurer— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref:

Dated 8. 4. 59.

To

The secretary,
J. M. B., Chaibassa.

Dear Sir,

As usual I submit ~~my~~ a short report of my work in Rourkela. As I am not keeping well since Good friday last I am bit late to report you. I am suffering from cold, cough and fever due to change of season. But by and by I am improving my ill health.

March 1-7. I started for Ranchi and Came back.

" 8. church service at Rourkela & Jalda union service Mr. P. C. Das, Sambalpur.

" 9-11. Meeting at Rourkela about united church.

" 12. Went side Ranchi

" 12. Lent service in sector 18.

March 14. Lent service at Loco shed.

" 15 — church service at Rourkela. I could not take more service due to my ill health.

" 16. Jalda colony to meet the friends of the Mahul pali Mandli.

" 17. Bondamunda the next Rly. station from Rourkela to went there in search of a missing man. He was found dead under the Iron Ore.

" 18. Burial ceremony of one of a Christian brothers of Loco shed.

I visited the people of Modern India colony & Lahom colony in the evening.

" 19. Lent service at Loco shed.

" 20 Lent service at Burmah shed.

" 21. Tarkera, sector 20 and Durgal colony in the evening.

" 22. — church service at sector 18, mandli friends meeting at Rourkela and church service at Modern India.

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,

SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH.
~~*Joint*~~ *Secretary*— MR. P. DANG, B. A.
~~*Secretary*— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B. A.~~
Treasurer— MR. S. TIGA.

Continued.

ROURKELA

Ref:

Dated..........................

March 23. I went to Jalda colony in the evening to meet Daniel Kugran of Keotanposh. I was told that he had kept his wifes sister ~~bas~~ divorceing his married wife. He was found and told me frankly that he would not let go his wife sister. He would keep her as his wife. Now she is pregnant.

" 24. Tanposh to take prayer meeting there.

" 25-26. Sector 20. to practise ~~Kur~~ Krush Baani for Good friday.

" 27. ~~Sector 18, 20.~~ Service on Good friday,

Rourkela – 10 A.m.
union service – 2 P.m. } By me.
~~Sector~~ 18. 7 P.m.

P.T.O.

March 28. Sector 18 & 20
" 29 Easter morning service
at Sector 18 at 4 AM.

Sector 18.
Rourkela } By me.
" 30-31. I was sick.

I am glad to report you that we had ~~abad~~ a combined service along with N.Z on Easter morning in the cemetery ground. Rev. Z. Khalkho from Rajgangpur had come to take service but I compelled him to had a combined service with us. He agreed and we did it nicely.

Further I am trying to mix our people with them. For this I went to make friendship with Rev. Z. Khalkho who is a well experienced and active man. I should get his permission to have our Sunday service in Mahulpali church.

Hereby I am sending my medical Bill which amounts Rs. 9.87 N.P. only.

Yours truly
[signature]

16/III

मार्च महीने के रिपोर्ट — १९५८

१-३-५८ रुवार को मैं कुदगुटु में गिरजा किया और मैं गिरजा के सरुदाःप्राय और गोड़ो गा
२-३-५८ को मैं गोड़ो सें सरुदाःप्राय और सांजे को मैं गोड़ो गाय था
३-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राय और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
४-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राय और सांजे को मैं गोड़ो गाया था
५-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
६-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राय और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
७-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदा प्राय और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
८-३-५८ रुवार को मैं कुदागुटु मे गिरजा किया गिरजे के बादे मैं सरुदाःप्राया और सरुदा से गोड़ो गाया था
९-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
१०-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राय और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
११-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
१२-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
१३-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राय और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
१४-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
१५-३-५८ रुवार को मैं कुदागुटु में गिरजा किया और गिरजा के बादे सरुदाःप्राया और सरुदाः से गोड़ो गाया
१६-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राय और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
१७-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
१८-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
१९-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
२०-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
२१-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
२२-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था। गिरजा कोरामपुर में किया क पीजीसा माराङली में हमरा उपुदेस ले था
२३-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
२४-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाय था
२५-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
२६-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदा प्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
२७-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदा प्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था। गिरजा कुदगुटु में हुवा
२८-३-५८ को मैं गोड़ो से सरुदाःप्राया और साँजे को मैं गोड़ो गाया था
२९-३-५८ को मैं गोड़ो से कुदागुटु गाया और मैं गिरजा किया और गिरजा की बादे गितिलपिड़ी गाय और गितिलपिड़ी से सरुदाःप्राय और साँम को गोड़ो गाया
३०-३-५८ से मैं बिली साम को मैं रंगामाटी म था, और मैं मंगर को भी रंगामाटी में था त ३१ तरिक रंगामाटीय था।

जुसफ कडुलना

मार्च १९५६ 15 / III

१ ता० खुडरो कोचा मे गिर्जा कर मटोगड़ाह मे बहिन के साथ प्रार्थना किया। वहां से रोलडिह आया
२ को लौटा मटोगड़ाह होते हुए।
३ ता: से स्कूल
४ ता:
५ ता: ,,
६ ता:
७ ता: को घर खर्चा लाने के लिए
८ ता: घर मे था
९ ता को लौटा
१० ता से २१ ता: तक स्कूल ही करता रहा
२२ ता: महुआराडार एक के साथ गिर्जा गया।
२३: स्कूल
२४ ता: से संसार लोगो का सरूल, और फागुआ होने से और हम लोगो का पर्ब होने के कारण स्कूल
३१ ता: तक छुट्टी हुआ और मै भी कुछ बिमार होता था और घर गया घर मे भी प्रायः सब बिमार थे। यहां का स्कूल पहले तो बहुत अच्छा से चलता था। पर लड़के अपने ईच्छा पर चलने लगे माता पिता भी ज़ोर नहीं देने के कारण एक दम गिर गया दूसरे जगाह बनाने का था पर वे ख्रस्तानसे संसार होने वाले अब लोगो को बहकाना शुरू किया, ईस तरह से संसारी लोग डरते है कि हम लोगो को ख्रस्तान बनावेगा। स्कूल का सख्या १० है

से आप लोगो का बिश्वस्त
मनोहर कोड़ा
खुडरो कोचा
२-५-५६.

Riport for the month of march 1959.
on the Sisibaha Jhurni.

1-3-59. घर का काम किया।

2-3-59. वाईड़ी गया और वहां से ओरओरा हो के घर आया।

3-3-59. नाकटी बाजार चावल खरीदने गया।

4-3-59. चक्रधरपुर खिड़की के बारे गया। मिस्त्री को नहीं पाया।

5-3-59. एक लड़का को पेट का रोग हुआ था। जिस के कारण मैं घर ही में था। रात को बहुत जोर से रोया उस समय मुझे मालूम हुआ और रात ही को दवा बनाया और खिलाया बाद में सो गया और धीरे 2 अच्छा हो गया।

6-3-59. टोकलो बाजार गया वहां उड़ाऊ पुत्र के दृष्टान्त को ले कर इस समय के लोगों की दशा को दर्शाया और मनुष्य ईश्वर के पास से कितना दूर भटक गये हैं तथा ईश्वर भटके हुओं को भी जो उस के पास आते हैं कैसे आनन्द के साथ ग्रहण करते हैं दर्शाया। सुनने वाले 220 थे।

7-3-59. रामायसाल - में सृष्टि और मनुष्य के भ्रष्ट होने के बारे और स्वर्ग और नरक के बारे बताया। सुनने वाले भाई और बहिन 85 थे।

मरंगहातू - एक बड़ी ग्राम है जिस के कारण दो जगह में लेक्चर किया। मनुष्य के भ्रष्ट होने तथा नरक और स्वर्ग और शिक्षा के बारे लेक्चर दिया सुनने वाले भाई और बहिन 120 थीं।

8-3-59 गिरजा में उपदेश पाठ लिया - और उपदेश दिया।

एटकेड़ी में 8 प्राणी को वचन सुनाया।

डांगो में 60 भाई और बहिनों को शिक्षा के बारे लेक्चर दिया। और एक खिस्तान के घर में प्रार्थना किया।

भालसोया में एक रोगी के पास प्रार्थना किया और शांति का वचन उसे सुनाया।

जोड़ा जंजीद - में 12 बजे रात को 15 जनों को महा विचार के बारे समझाया या सुनाया।

वहां ही एक बालक बीमार था गैर मसीहियों के साथ उस बालक के लिये बिन्ती किया। बालक प्रार्थना के द्वारा उसी क्षण अच्छा हो गया। गैर-मसीही देख के चकित हो गये। हम लोग उन्हें जताया कि रोग जब हम लोगों के प्रार्थना और यीशु नाम से भाग जाते हैं और यीशु नाम से रोग भी दूर हो जाता है। यीशु नाम बहुत समर्थ नाम है जो यीशु के पास आता है सब रोगों से बचाता है।

नोट - मैं इस यात्रा में गीतों को लीड करते तथा लेक्चर से मेरा स्वर बिलकुल बिगड़ गया था 15 दिन तक ज्यादा लेक्चर नहीं दे सकता था। दिन और रात काम जारी था साथ में आनन्द से मन झलकता था। कहीं भाई और बहिन नहीं देखा था पर इधर के लोग भाई और बहिन सुनने को जमा होते थे।

9-3-59 जोड़ा जंजीद से ओरओरा होते हुए चीचीबहा आया।

10-3-59. आराम किया।

11-3-59. राजा परोम में दवा बनाया। साम को एक भाई के घर ना समेत प्रार्थना किया।

12-3-59. राजा परोम में 18 जनों को खिस्तान धर्म और संसार धर्म के बारे समझाया और यह भी जताया कि टोन्हों के मंत्र से शैतान मनुष्यों के पास आता है और पकड़ता है। पर खिस्तानों के मंत्र से शैतान भागता है और खिस्तानों को नहीं पकड़ता है चूंकि खिस्तानों का मंत्र में यीशु मसीह है और यीशु मसीह शैतान, संसार और मृत्यु को हराया है। इसलिये जिस मंत्र से शैतान भागता है उसी मंत्र को हमें सीखना है और शैतान को भगाना चाहिये।

13-3-59. बाजार गया।
14-3-59. ओकंपानी गया।
15-3-59. ओकंपानी में गिरजा किया वहां मुझे उपदेश पाठ मिला। मैं हर्ष के साथ उपदेश दिये। भाई और बहिन आनन्द से वचन सुनते थे और कितने तो उपदेश सुन के आंसू बहाये। मंडली के भाई और बहिन भी बोलते थे कि आज हमें अच्छा उपदेश मिला। जिससे कितनों के आंखों से आंसू बह गये।

गिरजा बाद ख्रिस्तानों के साथ मिल के संसारिकों के एक टोली में गये जहां सृष्टि और मनुष्य के भ्रष्ट होने तथा स्वर्ग और नर्क की दशा को बतलाया जिस को कि मैं धर्म पुस्तक और चीज आंख से देखता हूं।

16-3-59. वहां ही रहा तथा बच्चों के लिये थोड़ा गेहूं का बन्दोबस्त किया।
17-3-59. सीधी वहां आया।
18-3-59. पो. ऑफिस आया रु. मनीऑर्डर के लिये और नाकटी गया।
19-3-59 घर का काम किया।
20-3-59. बाजार गया।
21-3-59. चक्रधरपुर गया खिड़की के बारे।
22-3-59. गिरजा किया, परिवारों के साथ।
23-3-59. घर का काम किया।
24-3-59. Nimanki को गाड़ी तक पहुंचाया और राजापरोम गया।
25-3-59. राजापरोम में जो उठना पढ़ी के बारे १० जनों को बताया।
26-3-59. नाकटी गया और वहां से बड़ा दमुडी आया वहां एक घर में गया वहां रोग के बारे समझाया।
27-3-59. बाजार गया।
28-3-59. Rev. J.Toy के साथ नाकटी गया और वहां से लौटते समय ५ भाई और 2 बहिनों को ख्रिस्तान धर्म के बारे बताया जो बिरवां को कै थे जो चौका कोटते हैं।
29-3-59. परिवारों के साथ गिरजा किया।
30-3-59. बनाय साल के हिन्दु मुण्डा के घर गया जो धमोल की दूर में है। वहां मुझे पूछा गया कि आप खाना बनाइयेगा। मैं उन्हें बोला कि आप लोगों के बनाये हुए ही को दीजिये। हम लोग एक ही जात के हैं ख्रिस्तान तो धर्म है पर जात नहीं।
31-3-59. एक मुर्गीआसिकार में दवा सीखाया और प्रार्थना कर के खिलाया। हिन्दु मुण्डा का बिमारी Thisis है। उसी के इलाज के लिये मैं बुलाया गया। मैं खुशी से गया और दवा बनाया। और वहां से लौट आया।

(क) यहां के तीन घर के लोग ख्रिस्तान तो अपने को बताते हैं पर गिरजा नहीं आते हैं। हो सकता है पहिले को बयान को डरते हैं।
(ख) मैं उदास तो हूं चूंकि मेरा परिश्रम का फल देखने नहीं पाता हूं। मेरा प्रार्थना और सेवा को गुरता नहीं दिखता है।
(ग) मुझे कितने तो सुसमाचार मांगते हैं पर देने में लाचार हूं।

T. A Bill for the month of March 1959

Sisibaha to 6-3-59 Toklo. Tea - 37 N. Paisa
Toklo to Sisibaha 9-3-59 ghorjhorq milk 37 N. Paisa
Tea - 25 N. "
100 N. Paisa
Total Rs. 1. Rs. one only

Cert. J Swain 9-4-59

Monthly Report for the month of March 1959 of Nokti

Date	working Plase	Number of Peaples.
1	नकटी	में गिरजा हुआ।
2	"	घर का काम किया।
3	—	बाजार किया।
4	इन्दरा	गया वहां ४ भाईयों को प्रचार किया।
5	नकटी से	से शोशो बहा गया टोकलो। बाजार के लिये
6	टोकलो।	बाजार में प्रचार किया। योशु उद्धारकर्ता है इस के विषय सुनाया गया फिर ईश्वर पिता कैसा दयालु और प्रेमी है यह उड़ाऊ पुत्र से दृष्टान्त साथ दिखाया गया।
~~7-3-59~~		सुनने वाले बहुत ध्यान से सुनते रहे। करीब २०० से ऊपर थे। और एकवार आने के लिये विन्ती किया।
7-3-59		वहां से हम लोग जोरा जंजोद में डेरा किया। और रमय साल में काम हुआ सिंग बोंगा सिरजनहार है और दयालु पिता वह इस मनुष्य का नाश नहीं चाहता है इस का विषय समझौता दिया गया। ॥ विषय ख्रिस्तान धर्म से क्या फैदा है उस को दर्शाया गया। सुनने वाले ३० जन से ऊपर थे। दुसरो बेला सरंग हातु में हुआ। वहां भी मनुष्य की भ्रष्टता को दिखाया गया।

Date	Plase.	Number of Peaples.
7-3-59		सरंग हातु हो में कैसे ख्रिस्तान हुआ इस के विषय ग्रेइसन प्रचारक द्वारा सुनाया गया। और लौकिक लाभ और उन्नति मिली है। ३३ समझाये गये हैं और स्कुल और खेतीबारी के विषय भी कुछ समझौता दिया गया। सुनने वले १२० से ऊपर थे।
8-3-59		पहिलो बेला गिरजा हुआ। दुसरो बेला रुरकेडीह में एक ख्रिस्तान भाई के घर में गिरजा हुआ और वहां संसार भाइयों को सुनाया गया। दुसरी बार डांगों में साम को योशु मसीह का जन्म और दर्शाया गया और क्यों वह लाहु बहाया। सुनने वाले ७० से ऊपर थे। बुढ़ा और बुढ़िया और बच्चे बड़े ध्यान से सुने। फिर पौलुस टोटराय के घर प्रार्थना हुआ। बाद में भालु सोया में एक बिमारी के घर में प्रार्थना हुआ। बाद में रात को ६ बाजे से गिरजा टोली में फिर काम हुआ। सुनने वाले ६ जन संसार भाई लोग थी और ख्रिस्तान भाई लोग भी थे।

III/3

८ ता को जोरजजोद से लौटे
९-१३ तक को आराम किया
१४ ता० भोंकपालो गया वहां
१५ ता० को गिरजा किया। बाद मे
एक ससांर भाई के घर गया और (रमेश्वर भाई का घर गया और उन के सब परिवारों को प्रभु का वचन सुनाया गया।
१६ ता को लौटे। फिर १७- २० ता० को घर का काम किया
२१ ता० को विशेष काम के चक्राधर पुर गया।
२२- ३१ ता० ~~घर~~ आराम किया सिर्फ घर का काम किया चुंकि डम टूटा गिरजा भी था।

आप का विश्वस्त Cate Prabhusahay Topno

104
45
149

12/III

१९५९ बाईबेड़ा जोईन्ट मिशान बोर्ड का रिपोट ।

Sri ~~Maha~~maneyawar Rev H: Kloss

Sri Maneyawar —

Rev: J: Soy Yishusahay:

मार्च ता: १ बुखार हुआ ।

२ बुखार हुआ ।

३ बुखार हुआ ।

४ मैं पैर पर घाव हुआ है इसलिये घूमने नहीं गया।

५ घाव के करण बचन सुनाने नहीं गया ।

६ घाव के करण घूमने नहीं गया।

७ गिर्जा पाठ तायारी किया ।

८ गिर्जा किया ।

९ घाव के करण घूमने नहीं गया।

१० गिर्जा घर का काम के लिये चार जन कुली लगाया - मैं भी कुलीयों के साथ घर का काम किया ॥

११ कुलीयों के साथ गिर्जा घर का काम किया ।

१२ बजार किया ।

१३ गिर्जा घर उसी खापरा से तो नहीं हुआ इसलिये खपरा खोजने गया ॥

१४ पाठ तायारी किया ॥

१५ गिर्जा किया ।

ता: १६ घाव के करण घूमने नहीं गया ।

१७ घाव के करण घूमने नहीं गया।

१८ चलने में तो घाव दर्द होता है इसलिये घूमने नहीं जाता हूँ॥

१९ घाव के करण घूमने नहीं गया ।

२० गिर्जा किया ।

२१ पाठ तायारी किया ।

२२ गिर्जा किया ।

२३ घाव के करण घूमने नहीं गया।

२४ घाव के करण घूमने नहीं गया।

२५ घाव के करण घूमने नहीं गया।

२६ घाव के करण घूमने नहीं गया।

२७ गिर्जा किया ।

२८ गिर्जा पाठ तायारी किया ।

२९ गिर्जा किया ।

३० घाव के करण घूमने नहीं गया।

३१ घाव के करण घूमने नहीं गया।

अभी तो घाव अच्छा हो रहा है ।

आप का बिश्वास इ: तोपनो प्र: ।

मार्च महिना को रिपोर्ट १९५९ 9/III

१-३-५९ को मैं दुबौल से जोजोगुटु को गया, रात को फ्लानेल ग्राफ दिखाया १५ आदमी तक जमा हुए थे वे सुन्ते थे —

२-३-५९ को मैं जोजोगुटु से सालाडु को गया, वहां के सन्ताल लोगों को सुसमाचार सुनाया १० आदमी तक थे —

३-३-५९ को मैं सालाइ से घर चला आया, रास्ता में एक तांती को गीत से सुसमाचार सुनाया, वह गीत को बहुत पसन्द किया —

४-३-५९ को मैं बरंगा गया था एक माहतो को सुसमाचार सुनाया —

५-३-५९ को मैं घर ही में था —

६-३-५९ को मैं अपना बिमारी बच्चों को हॉसपिटल ले गया था —

७-३-५९ को मैं मनोहरपुर को गया, रास्ता में एक हो को ईश्वर के बिषय में बहुत सी बातों को बताया —

८-३-५९ को बिश्राम दिन था —

९-३-५९ को मैं दिरिपसिली को गया था, फ्लानेल ग्राफ दिखाया २० आदमी तक जमा हुए थे, वे बहुत मामुली बात समझे —

१०-३-५९ को मैं बरंगा को गया एक माहतो के साथ में ईश्वर पिता के बिषय में बात चीत किया और एक सन्ताल को भी बहुत समझाया —

११-३-५९ को मैं उरिकिया को गया था, मैं एक माहतो को कहा कि मैं दिन आप लोगों के पास आऊंगा, तो कहता मत आओ क्योंकि हम लोग तुम्हारी मत में नहीं जायेंगे

१२-३-५९ को मैं बरंगा गया था कोई भी साथ बात चीत नहीं किया —

१३-३-५९ को मैं एक हो को सन्ताली भाषा से गीत गा कर और बजा बजा कर सुनाया वह बहुत खुशी हुआ, वह सन्ताली भाषा जानता है —

१४-३-५९ को मैं कहीं नहीं गया क्योंकि मेरे बच्चे लोग बिमार में थे —

१५-३-५९ को बिश्राम दिन था —

१६-३-५९ को मैं लम्बा यात्रा की तैयारी में था —

१७-३-५९ को मैं गाड़ी फेल होने के कारण नहीं गया —

१८-३-५९ को मैं सानुआ के नयां चोलोबोनी टोपोसाइ को गया, गीत बजा और बात चीत से उन को समझाया —

१९-३-५९ को मैं टोपोसाई से ओलिया मार को गया, वहां भी गीत बजा और बात चीत से समझाया —

२०-३-५९ को मैं ओलिया मार से बाइबेड़ा को गया —

२१-३-५९ को मैं बाइबेड़ा से एदेलबेड़ा को गया, रात को फ्लानेल ग्राफ दिखाया १६ आदमी तक जमा हुए थे वे ठीक से नहीं सुन्ते थे, वे सन्ताल लोग थे —

२२-३-५९ को बिश्राम दिन था, मैं एदेलबेड़ा से रागोई को गया, रात को गाना बजा के सुनाया ६ आदमी तक थे वे सुन्ते थे —

२३-३-५९ को मैं घर चला ~~आ~~ आया —

२४-३-५९ को मैं घर ही में था —

२५-३-५९ को मैं मनोहरपुर को गया था

२६-३-५९ को मैं सिमिरता को गया था, लोहरा लोगों के साथ में धर्म के विषय में बहुत बात चीत किया ——

२७-३-५९ को मैं भला शुक्रवार का मेला के लिये मनोहरपुर साइडींग को गया था —

२८-३-५९ को मैं मचुपुर को गया था, माहली लोगों के साथ में हिन्दु धर्म और खिस्त धर्म के विषय में बहुत बात चीत किया —

२९-३-५९ को जी उठना पर्व था —

३०-३-५९ को मैं डुमारिता के एक सन्ताल के साथ में खिस्त धर्म के विषय में बात चीत किया ——

३१-३-५९ को मैं दिरिपासिला को गया था किसी से मुलाकात नहीं हुआ —

अप्रेल

मैं अप्रेल महिना में बिमार में था - होसपिटल में मैं ७ दिन था वहां भी खुब सुसमाचार को सुनाया, फिर घर में भी बीच बीच में लोग आते थे मैं उन को भी सुसमाचार सुनाता था —

पोदा ऊद 8/III
ता. २४. ३. ५६

श्रीयुत महामान्यवर
पाद्री बाबु आप को मेरा योशु सहाय।
महाशय — आप को जनाया जाता है।
ता. २. ३. ५६ को मैं तरना बाटा गया था।
ता. ३. ३. को मैं पोलेनपुड़ गया था।
ता. ४. ३. को मैं संभरबाहर गया था।
ता. ५. ३. को मैं महुव दोरो गया था।
ता. ६. ३. को मैं कुरलिया गया था।
ता. ७. ३. को मैं डोंगापत्थर गया था।
ता. ९. ३. को मैं खोड़ो गया था।
ता. १०. ३. को मैं जामदोरो गया था।
ता. ११. ३. को मैं बेलवन गया था।
ता. १२. ३. को मैं रोयड़ गया था।
ता. १३. ३. को मैं जुलाल गया था।
ता. १४. ३. को मैं आरगुन गया था।
ता. १५. ३. को मैं सरजा पोदा ड़ीह गया था।
ता. १६. ३. को मैं सरजा गया था।
ता. १८. ३. को मैं कुसरा कुन्डा गया था।
ता. १९. ३ को मैं टिकरापड़ा गया था।
ता. २०. ३. को मैं डोंगामरेनु गया था।
ता. २१. ३. को मैं कुटुंका ड़ीह गया था।
ता. २३. ३. को मैं गुलजोबुड़ा गया था।
ता. २४. ३. को मैं पतरामुहार गया था।
जनवरी महीना का मराङली आमदनी मुताबिक ४॥)
फरवरी महीना का " " " " " ४॥=)
प्रचारक सिलयान लकड़ा। कुल जमा : ८॥=) आ.

Bodrama.

ता: मार्च १९५९ का डायरी॥

१ – – एतवार को गिर्जा किया॥
२ – – अपना गांव में दिन को काम किया शाम को बिशलपलि में:
३ – – संग को भी बिशलपलि बचन सिखाने गया था॥
४ – – बिशलपलि बचन सिखाया॥
५ – – आज ~~बाजार~~ बाजार ~~किया~~॥ कर गिर्जा किया॥
६ – – शाम को बचन सिखाया॥
७ – – बचन सिखाया॥
८ – – एतवार को गिर्जा किया॥
९ – – आज से १४ तारिख तक बचन सिखाया॥
१५ – – एतवार को गिर्जा किया॥
१६ – ता: से ता:१९ बिके छोड़ सब दिन बचन सिखाया, २१ तारिख तक.
२२ – – एतवार को गिर्जा किया॥
२३ – – आज ~~से~~ शाम को बचन सिखाया॥
२४ – – दिन को डायरी लिखा – शाम को बचन सिखाया॥

आज कल मैं नया स्नान वालों को सिखाने में लगा हूँ। पांच जन स्नान पाने वाले हैं। प्रभोज पाने वाले पांच जन सिख रहे हैं॥
इस लिये आप लोग आने को कृपा करें॥

पार्चे का आमदनी
= 3-10-0-रु:

J. Sama
24-3-59.

मार्च १९५९ की डायरी (रिपोर्ट)

5/III

१-३-५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया।

२-३-५९ छमड़ा का गिरजा घर बनाने में सहायता किया

३-७ — " " " "

८-३-५९ दुरगाडीह और छमड़ा में गिरजा किया।

९-३-५९ बड़रमा गया।

१०-३-५९ बड़रमा से छमड़ा आया।

११-३-५९ छमड़ा में गिरजा घर बनाने में सहायता किया।

१२-३-५९ " " " " " " "

१३-३-५९ छमड़ा से दुरगाडीह आया।

१४-३-५९ दुरगाडीह में था

१५-३-५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया।

१६-३-५९ बड़रमा गया।

१७-३-५९ बड़रमा से छमड़ा आया

१८-३-५९ दुरगाडीह आया।

१९-३-५९ दुरगाडीह में था।

२०-३-५९ छमड़ा गया। ख्रिस्तान धर्म के विषय समझाया।

२१-३-५९ दुरगाडीह आया।

२२-३-५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया।

२३-३-५९ दुरगाडीह आया।

२४-३-५९ कुनफल्ल गया। शाम को ख्रिस्तान धर्म के विषय समझाया।

२५-३-५९ दुरगाडीह आया।

२६-३-५९ दुरगाडीह में था।

२७-३-५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया।

२८-३-५९ दुरगाडीह में था।

२९-३-५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया। शाम को भजन + दुआ वचन सिखाया।

३०-३-५९ बड़रमा गया।

मार्च माह की सिर्फ आमदनी ५) रु. खर्च १) बही के लिए पार्सल किया।

बाकी ४) रु.।

Cate- M. Dang Durgadih
1-4-59

Diary for the Month of March 1969

1 3/69 गीरजा किया

2 3/69 स्कूल किये आठ लड़के हाजीर थे

3 3/69 स्कूल किये ।

4 3/69 स्कूल किये ।

5 3/69 " " " " "

6 3/69 " " " "

7 3/69 " " "

8 3/69 गीरजा किये सब कोई गीरजा आये थे

9 3/69 स्कूल किया दुसरे बेला कोनमुन्डा के भाईयों को प्रभु का वचन सुनाया

10 3/69 स्कूल किये

11 3/69 " " "

12 3/69 " " " "

13 3/69 " " " "

14 3/69 " " " "

15 3/69 गीरजा किये स्कूल के लड़के सब भी गीरजा में सामील थे

16 3/69 स्कूल किये

17 3/69 स्कूल किये दुसरे बेला पनपाव के एक उरांव भाई के साथ कोनमुन्डा

18 3/69 के संसार भाईयों को प्रभु का वचन सुनाया आनन्द से सुने
स्कूल को किया

19 3/69 स्कूल किया

20 3/69 स्कूल किया दुसरे बेला बेबल का स्टाडी किया

21 3/69

22 3/69 गीरजा किये

23 3/69

24 3/69 दो रोज फगुवा का छुट्टी दिया गया मंगल और बुद्ध को

25 3/69

26 3/69 स्कूल किया और प्रभु का जीउठना का छुट्टी ~~तीन~~ दो रोज हुआ

27 3/69 भला सुक्रवार को गीरजा हुआ सब हाजीर थे

28 3/69 बेबल का स्टाडी किया

29 3/69 प्रभु का जीउठना पर्व मान सब भाई आये थे

30 3/69 स्कूल किये

31 3/69 स्कूल कीये

Patras Barla Sargidih

3-4-69

2/III

From.

S. Kujur. The Reports of the month of March 1959.

Gua.

1/3 - At Ranchi, Attended the Church service at Christ Church Ranchi.
2/3 - At Ranchi, Attended the Mahasabha of the Gossner Church.
3/3 - At Ranchi, Attended the Mahasabha.
4/3 - At Ranchi. Attended the Mahasabha
5/3 - At Ranchi. Attended the Mahasabha.
6/3 - Came back to Gua from Ranchi.
7/3 - Did home work.
8/3 - Conducted Church Service at Gua.
9/3 - Went up the top mountain to see mines work.
10/3 - Went to Bara Jamda for private matter.
11/3 - One truck of sand containing 135 cft was brought for building work. Visited Christian families in Bengali Dhaura.
12/3 - Visited Christian families in Lalji Hating and Bajar Dhaura.
13/3 - Visited a patient at Gua Sai. Conducted Lent Service.
14/3 - Cleaned the Church building. Visited a patient in Hospital.
15/3 - Conducted Church Service at Gua. After the Church service I told the Congregation about the Mahasabha. Attended Mandali Committee meeting.
16/3. Supervised the building work.
17/3. Supervised the building work.
18/3 - Supervised the building work.
19/3 Supervised the building work.
20/3. Supervised the building work. Conducted the Lent Service
21/3 Supervised the building work. Visited a patient.
22/3 - Conducted Church Service at Bakal Hating and Gua proper. Conducted burial service.
23/3 - Supervised the building work.
24/3 - Supervised the building work.
25/3 - Busy in preparation for Holy Week Service.
26/3 - Conducted Church Service.
27/3 - Supervised the building work. Conducted Good Friday Service.
28/3. Busy in preparation for Easter.
29/3 - Conducted Easter Church Service at Bakal Hating and at Gua proper.
30/3 - Visited patients ~~at~~ on the Top mountain and at Upar Dhaura.
31/3 - Received the salary of the month of March. and a sum of rupees from J.M.B. Treasurer, Chaibasa for Building work.

Silas Kujur.
A worker of the J.M.B.
Gua.
3.4.59.

Monthly Report for the month of Feb 1959

N. Manki

1-2-59 – गिरजा गया था।
2-2-59 – दोगमातेक नोट लिखा।
3-2-59 – नकटी गया था वहां एक R.C. mission भाई बिमार था वहां प्रार्थना कर वापस आया
4-2-59 – दोगमातिक नोट लिखा।
5-2-59 – दोग मतिक नोट लिखा।
6-2-59 – करांइकेला बजार गया था।
7-2-59 – कुडित बुका गया था।
8-2-59 – गिरजा चलाया।
9-2-59 – स्टाडी किया।
10-2-59 – रापुवेड़ा में यीशु मसीह के जीवन चरित्र को बारे बतलाया। आनन्द से सुने।
11-2-59 – मुरहातु बैसाइ मे प्रचार किया।
12-2-59 – मुरहातु 30 जनों को प्रचार किया। सिमिद इकोर में 16 भाई भूवहिन सुनने वाले थे। यहीं पर एक भाई गीत सुन कर रोया।
13-2-59 – बजार किया।
14-2-59 – जरकी गया वहां से राजापरोम गया वहां से कोरा आया।
15-2-59 – गिरजा किया।
16-2-59 – पाठ पढ़ा।
17-2-59 – चक्रधरपुर गया था।
18-2-59 – घर को काम किया।
19-2-59 – पेटेडिया गया।
20-2-59 – पेटेडिया; केंके, टोकलो; कायदा: बजार मे प्रचार किये।
21-2-59 – अंजोविता में प्रचार किये
22-2-59 – गिरजा किया। गिरजा के बाद सोनुआ के लिये निकला।
23-2-59 – रेंगड़वेड़ा में प्रचार किये। फिर शाम को टोपो साई में प्रचार किये
24-2-59 – बईवेड़ा आये।
25-2-59 – शौशोवा वापस आये।
26-2-59 – नकटी गया।
27-2-59 – अपना जरूरी समान लाने के लिये घर चला गया
28-2-59 – मेहकुमंग पहुँचा।

T. A. Bill for the month of Feb 1959

Date	Item	Rs.-A.-P.
10-2-59	Food	0-12-0
	Tea	0-2-0
11-2-59	"	1-8-0
	Tea	0-4-0
12-2-59	Food	0-12-0
	Tea	0-4-0
14-2-59	Tea	0-4-0
18-2-59	Food	0-12-0
	Tea	0-2-0
20-2-59	Food	1-8-0
	Tea	0-4-0
21-2-59	Food	0-12-0
	Tea	0-2-0
	Ry	0-6-0
22-2-59	Food	0-12-0
	Tea	0-4-0
23-2-59	Tea	0-4-0
	Ry	0-6-0
25-2-59	Food	0-12-0
	Tea	0-4-0
Total		10-6-0

नोट: सफर में थे जिससे रिपोर्ट सुसमय पर भेजने नहीं सका। कृपया इसके प्रति क्षमा करेंगे।

Putulia
Dated the 1st April 59.
24/XII 58.
I+II+III 59.

मान्यवर पाद्री सहब, यीशु सहाय।

मैं इस वक्त पुरुलिया में हूँ। मैं ता० २६-३-५९ को यहां भला चंगा पहुंचा वहां के भाई बहिनों से मुलाकत हुई सब अच्छे हैं।

इस खत से विशेष में अब तक का रिपोर्ट देना चाहता हूँ:—
जब मैं चाईबासा से आया पहिले. सिमली पहाड़ पहुंचा वहां मैं पांच रोज रह कर वहां के प्रचारक जोसेफ कन्डुलना के साथ तीन मंडलियों में जाकर भाई बहिनों से मुलाकत किया. जहां २ गया प्रार्थना भी हुआ. उस बीच में एक एतवार, गितिलपिढ़ी मंडली में गिर्जा चलाया। पांचे दिन रहने के बाद ९ नोवेम्बर को रंगामटिया पहुंच कर पाद्री टुटी को पहुंचने का रिपोर्ट दिया, वहां मैं उन्हीं के साथ रह कर उनके आत्मिक औ लौकिक कामों में उनका सहायता करता रहा। नोवेम्बर अरवरी और दिसम्बर शुरू में करीब पंन्द्रह दिन बीमार था। अच्छा होने पर कुछ दिन. जसीपुर, — कुलडीहा, और कुसनुपुर में रहा, तत्पश्चात जन्म पर्ब के अवसर में घर गया. घर से वापास आकर रंगामटिया में रहा, वहां रहते मैं गिर्जा बिन्ती और गिर्जा घर के लिये काठ कटने के सम्बन्ध में कुलियों से काम कराता था।

फरवरी २६ को रांची महासभा के लिये ~~रांची के लिये~~ रंगामटिया से निकला २८-२- को रांची पहुंचा, वहां महासभा के अन्त तक रहा, वहां से वापास फिर रंगा मटिया आया कुछ दिन रह कर ता० २६ को पुरुलिया पहुंचा, समान सब वहां रख कर उसी दिन बोड़सोल गया ता० २७ को वहां भला शुकवार गिर्जा किये. उस रात वहां रहकर ता० २८ को फिर पुरुलिया आया,। ता: २९ को सुबेह चार बजे फिर बोड़सोल गया. वहां आठ बजे पुनरुत्थान गिर्जा हुआ और दुसरी बेला पुरुलिया में गिर्जा के लिये वापास आया + इस तरह दो दिन के गिर्जा में कई भाई बहिनों से मुलाकत हुई, और उनसे मुलाकत करने से वे बड़े आनन्दित हुए, लेकिन. अफसोस तो इतना ही है कि मैं उनका भाषा नहीं जानता हूँ थोड़ा बहुत साधारन व्यावहारिक बातों को समझ लेता हूँ, लेकिन उपदेश, आराधना मेरे लिये संताली से और उनके लिये मुन्डा से मुस्किल है, फिर गीतों में तो बहुत ही भिन्नता है उनका राग और गाने का ढंग बिलकुल अलग है।

अब तक मैं. पुरुलिया, कन्दनसोल पुन्डीसोल, बोड़सोल दो टोलियों में गया हूँ. बाकी जगह नहीं गया हूँ, चूंकि आज कल महुवा का दिन है मुझ को साथ ले जाने वाले कोई नहीं मिलते हैं. और वास्ताव में आज कल घर में सिर्फ खाने के समय रहते हैं और बाकी समय महुवा चुनने में बिताते हैं।

ता० ५-अप्रेल से पाद्री सहब मिदनापूर में टूर प्रोग्राम बनाये हैं उसी वक्त मैं साथ जाकर सब जगहों को देख सकूंगा।

इस वक्त मैं पुरुलिया में हूं. लेकिन एरिया का सेन्टर और गिर्जा— आराधना के सुविधा के लिये बोड़सोल में रहना चाहता हूँ अब घर विषयक बात मंजूर करेंगे तो मैं बोड़सोल में रहूंगा।

अब तक का मैं अपना संक्षेप रिपोर्ट देता हूँ। अब आगे में तारीख वा तारीख रिपोर्ट दूंगा। अब तक के ~~लिये~~ मेरे गलतियों औ त्रुटियों के लिये क्षमा प्रार्थी हूँ।

Late - D. Topno
1.4.59

जोइन्ट मिशन बोर्ड का मनथिली रिपोर्ट ~~हहम~~ Nakti
फरवरी महीने का। Date 10-2-[illegible]

ता: 22 / II

१ गिरजा चलाया ६ भाई बहीन हाजिर थे।

2 नकटी ऊपर एक भाई के घर में प्रार्थना किया।

3 मदको बेड़ा गये थे मसीह भाई बहनो के घर में गिरजा हुआ।

4 घर का काम किया।

5 रोग मतिक ~~लोट~~ किया,

6 बाजार किया

~~8~~7 नकटी ऊपर टोली में एक भाई को प्रचार किया। और पाठ तैयार किया

8 गिरजा चलाया ८ भाई बहीन हाजिर थे।

9 सिसिया बिशेश काम के लिये ~~आया~~ था।

10 राड़ बेड़ा गये वहां 40 से ऊपर काम से काम आदमी ने प्रचार कीया।

11 बेराई गये थे वहां 30 भाई बहनो को प्रचार किया।

12 मुरहातु गये थे 35 ~~का~~ भाई बहनो को प्रचार किया।

13 ~~१~~ बाजार किया।

14 पाठ तैयार किया।

15 गिरजा चलाया ४ बहीन हाजिर थे।

16 घर का काम किया।

1~~१~~ बाजार किया।

18 मदको बेड़ा गये थे मसीही भाई बहनो के साथ गिरजा प्रर्थना हुआ

19 पेटे डिपा गये थे केवल धर्म के बिषय एक मसीह भाई के साथ बात चीत किया।

20 काड़दा गये थे वहां एक परीवारों को प्रचार किये।

~~21~~ बद में टोकलो बाजार में गये वहां 200 आदमीयों को प्रचार किये

21 ऊन्चा बीता गये थे १२ से ~~आदम~~ भाई बहनो को प्रचार किया।

~~22~~ गिरजा हुआ बाद में खुंटी चलेगये

23 रेंगड़ बेड़ा गये थे वहां ६० ~~भीर~~ भाई बहनो को प्रचार किये।

24 वाई बेड़ा गये थे वहां ६ भाई बहनो को प्रचार किया।

25 घर लौटे खुंटी से।

26 घर का काम किया।

27 ~~१~~ बाजार किया।

28 पाठ तैयार किया।

फरवरी महीने का टी: ए:

तारीख		रु०	आ०	पैसा
~~१०~~ ता: १०-२-५६	खाना	०	१२	०
	चाय	०	२	०
११-२-५६	खाना	१	८	०
	चाय	०	४	०
१२-२-५६	खाना	०	१२	०
	चाय	०	४	०
१४-२-५६	खाना	०	०	०
	चाय	०	४	०
१६-२-५६	खाना	०	१२	०
	चाय	०	२	०
२०-२-५६	खाना	१	८	०
	चाय	०	४	०
२१-२-५६	खाना	०	१२	०
	चाय	०	३	०
	गाड़ी	०	६	०
२२-२-५६	खाना	०	१२	०
	चाय	०	४	०
२३-२-५६	खाना	०	०	०
	चाय	०	४	०
२५-२-५६	खाना	०	१२	०
	चाय	०	४	०
	गाड़ी	०	६	०
		१० रु०	६ आ०	

कुल जमा टोटल खाना और चाय का १० रु० ६ आना

फेबरवरी।

तिथि	काम
८-१० →	लड़का लड़की के मामले में कुम्हारगड़िया आना जाना।
११ →	लेन्ट गिरजा अम्बगाँव मण्डली में।
१२-२४ →	जे० एम० बी० के प्रचारकों से मुलाकत के लिये जाना और लौटना।
१५ →	पौनामारा (सहजबहाल) में गिरजा करना।
२२ →	पोढ़ाडिह मे गिरजा करना।
२५ →	अवकाश,
२६ →	लेन्ट गिरजा अम्बगाँव में।
२७ →	लेन्ट गिरजा कुम्हारगड़िया में।
२८ →	अवकाश।

मार्च।

तिथि	काम
१ →	अवकाश,
२ →	समाज कुम्हारगड़िया में।
३ →	समाज कुम्हारगड़िया पहारटोली में।
४ →	सिरखोमपल्ली के संसारी भाइयों के पास जाना पर केवल एक भाई से मुलाकत होना।
५ →	अवकाश।
६ →	चरमा छाँटना + लेन्ट गिरजा कुम्हारगड़िया में।
७ →	चरमा छाँटना + पाठ तैयारी।
८ →	अम्बगाँव में गिरजा करना।

N.B. ता० १२-२४ फेबरवरी की सब बातें आइन्द बाबू आपने रिपोर्ट में दर्शाये हैं॥

केन्ड या० केरकेटा।

लेंगा जोगा मिशन फिल्ड का रीपोर्ट

फरवरी महीना १९२६।

मान्यवर ~~पारवरी महीने का~~ रीपोर्ट भेजा जाता है, सो कृपाया ग्रहन करेंगे।

ता: १-२-२६ को एतवार गिर्जा चलाया।

ता: २-२-२६ को बिहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया।

ता: ३-२-२६ को लड़कों का किताब लेने के लिये चक्रधरपुर बजार गया। सांझ को शुक्रवार गिर्जा चलाया। वहां सापरिवार समाज गिर्जा

ता: ४-२-२६ से ६-२-२६ को स्कूल चलाया।

ता: ७-२-२६ को ~~एतवार गिर्जा चलाया~~। एतवार गिर्जा चलाया।

ता: ९-२-२६ को बिहान स्कूल चलाया दुसरी बेला बजार गया।

ता: १०-२-२६ को स्कूल चलाया।

ता: ११-२-२६ को महाउपवास गिर्जा हुआ, स्कूल की छुट्टी हुई।

ता: १२-२-२६ को स्कूल चलाया,

ता: १३-२-२६ को स्कूल चलाया, ~~स्कूल छुट्टी के बाद बाकुगाड़ा गया, सांझ को सापरिवार मिल के गिर्जा हुई~~

ता: १४-२-२६ को स्कूल चलाया स्कूल के बाद बाकुगाड़ा ~~में एतवार गिर्जा चलाया, और वहां से दाऊद के साथ बड़ेडीह आये वहां २ बजे समय एतवार गिर्जा चलाया~~ गया, सांझ को सापरिवार मिल के समाज हुई और ~~ता: १५-२-२६ को~~ समाज के बाद, वहां के पढ़ापन रिवखने वालों को जांच किये।

ता: १५-२-२६ को १० बजे बाकुगाड़ा ही में एतवार गिर्जा चलाया और बड़ेडीह दाऊद के साथ आये २ बजे समय बड़ेडीह में एतवार गिर्जा चलाया।

ता: १६-२-२६ को बिहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया।

ता: १७-२-२६ से ता: २१-२-२६ तक स्कूल चलाया और ता: २०-२-२६ सांझ को शुक्रवार गिर्जा चलाया। ~~इन्हा~~ दर्द के कारन दूर करने नहीं जाने सका।

ता: २२-२-२६ को एतवार गिर्जा चलाया।

ता: २३-२-२६ को बिहान स्कूल चलाया दुसरी बेला बजार गया।

ता: २४-२-२६ से ता: २८-२-२६ तक स्कूल चलाया

ता: २६-२-२६ सांझ को शुक्रवार गिर्जा चलाया।

नराज की बात यह है, कि होयो हातु के लुकीन और उसका भाई जो धर्म खोजक थे, पर निश्चीतपुर मास्टरों से और गांव के आदमीयों से बहकाए जाने से वे आज कल गिर्जा आने भी बन्ध किये हैं। उनको समझौता देने पर भी उनका मन वैसा ही है॥ गिर्जा आमदनी हिसाब :—

एतवार सिनी २॥ +
चढ़ - सिनी - १॥)।
राज्य वृक्षोदान ।)॥।

टोटल - ३=)।

सेठ बाबु आप से हम (मिश्रु पिल्ल वालों की) से अर्जी है कि इस महीने के अन्दर में जरूर पुजे प्रभुजी को ज्ञान और वृन्दावन के लिये और - बिजली घर के नेव नाम जोग के लिये आने को कृपा करेंगे।। आने का तारीख आप सुतामय में खबर भेजने को पत्र करेंगे।

लि० आप का सेवक - पुजारक A. soy.
जोंगा जांगर मिश्रु पिल्लस।
ता: ७-२-२२ का।

१९५९ फरवरी महिना की डायरी।

१-२-५९ को गिरजा किया।

२-२-५९ " बलन्डा में एक नया ख्रस्तान बालक झाड़ा से पीड़ित था, दवा ओ बिन्ती द्वारा सेवा किया।

३-२-५९ " जामाल में एक नया ख्रस्तान के घर में बिन्ती किया।

४-२-५९ " जामाल में एक नया ख्रस्तान बहिन को धर्म्म में स्थिर रहने के लिए समझाया

५-२-५९ " बलन्डा के नये धर्म्म खोजक जो संसारियों की धमकी से उलट गये उन को समझाया।

६-२-५९ " दुर्गाडीह प्रचारकों के यहां गया था।

७-२-५९ " दुर्गाडीह से लौट आया और जामाल पतरस के साथ धर्म्मगीतों को गाया

८-२-५९ " गिरजा किया।

९-२-५९ " कुचिन्डा में संसारों को समझाया।

१०-२-५९ — १७-२-५९ मेरे बेटों को जानने के लिए घर गया था।

१८-२-५९ को बलन्डा में एक नया ख्रस्तान के घर में दुःख था वहां बिन्ती किया

१९-२-५९ " बलन्डा में एक नयी ख्रस्तान बहिन दुःख में थी दवा ओ बिन्ती द्वारा उस की सेवा किया।

२०-२-५९ " कन्डीदत्त Kerketta और प्र० Aaind के संग बातचीत करने के लिये दुर्गाडीह गया था।

२१-२-५९ जामाल के नये ख्रस्तानों को प्रभु यीशु का दुःख और मरण का बखान बताया।

२२-२-५९ " गिरजा किया।

२३-२-५९ " बलन्डा और तुलसीडीह में नया ख्रस्तान और संसार दुःखालियों की सेवा में था।

२४-२-५९ से २६-२-५९ को पेट दर्द किया इसे घर ही में था।

२७-२-५९ " कुलपाल का एक नया ख्रस्तान के साथ धर्म्म विषय बातचीत किया, और महोपवास गिरजा किया।

२८-२-५९ " जामाल में एक नया ख्रस्तान को यीशु मसीह का दुःख और मरण का बयान बताया।

Cate. Simon Dang
G. E. L. Church
Kulpal.
28-2-59

Kulpal.
28-2-59

महा मान्यवर
पादरी बाबू जे० सोय —
आप को मेरा यीशु सहाय।

महाशय,
मैं इस महिना के भितर भी घर गया था। जो ऊपर डायरी में दर्शाया हूँ। हड़बाड़ी के कारण छुट्टी नहीं मांगा। सो मैं इसी डायरी में आप को जनाता हूं। पहिले के मेरे बच्चे सब मेरे माता पिता के हाथ में थे, मेरी माता तो इस दुनियां से बिदा हुई, मेरे पिता भी अब बूढ़ा हो गये जिसे मेरे बच्चों को सम्भालने में असामर्थ हुए, इसे मुझे जाना ही पड़ा सो कृपया मुझे माफ मिले।

आप का आज्ञाधीन सेवक —
प्र० सिमोन डांग जी० इ० एल चर्च
कुलपाल।

फरवरी महीने का रिपोर्ट

१-२-५६- ७-२-५६ बिमार था।

८-२-५६— बारिपदा में गिर्जा किया और पवित्र प्रभु भोज बांटा।

९-२-५६ — रंगामाटिया से झेलाजोड़ी जाने में समय बिताया।

१०-२-५६ — गोरूमहिबिसाई में गिर्जा किया और प्रभु भोज बांटा।

११-२-५६— कुसनुपुर में गिर्जा किया " " " "।

१२-२-५६ — कुलडीहा में " " " " " "।

१३-२-५६ — बादमपहाड़में " " " " " "।

१४-२-५६— बादम पहाड़ में मेहमान रहा!

१५-२-५६— जसीपुर में गिर्जा किया और प्रभु भोज बांटा!

१६-२-५६— जसीपुर से सिमली पहाड़ जाने में समय बिताया।

१७-२-५६ — साऊदा में गिर्जा किया तथा प्रभु भोज बांटा।

१८-२-५६— डुडरू चम्पा में गिर्जा किया और प्रभु भोज बांटा।

१९-२-५६— गोपीनाथपुर में गिर्जा किया " " " "।

२०-२-५६— गितिलपिड़ी में गिर्जा किया " " " "।

२१-२-५६— चोहला में गिर्जा किया और प्रभु भोज बांटा।

२२-२-५६— ओतो: गोड़ा में पवित्र प्रभु भोज बांटा।

२३-२-५६— बोड़रामपुर में गिर्जा किया तथा प्रभु भोज बांटा।

२४-२-५६— सिमली पहाड़ से रंगामाटिया आने में समय बिताया।

२५-२-५६— कुली लोगों की देख भाल करने में समय बिताया।

२६-२-५६- २८-२-५६- रांची महासभा में समय बिताया।

H. Tuti

२३-२-५६

17/II

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,
SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH.
~~Secretary— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B. A.~~
Joint Secretary— MR. P. DANG, B. A.
Treasurer— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref:

Dated 14. 3. 59

To
The Secretary,
J. M. B., Chaibasa.

Dear Sir,

Due to heavy programme I could not send my monthly report in time. ~~For~~ which I beg your pardon.

February 1 - Rourkela - by me.
~~Sector~~ 18. Y. Khalkho.
" 2. M. Jojo
Guradih - M. D. Tiru
union service - Mr. Puri
" 2. Guradih & Lal Tunkey.
" 3. Attended the meeting of Dr. Rajendra Prasad in Rourkela - 2.
" 4. Manoharpur
" 5. Panposh.
" 6. Plant side Rd. Public Sector & Sector 20.

February 7. Tangerpali & Labour Colony.

" 8. Church service -

Rourkela - M.D. Tiru

Tangerpali - S.K. Minz

union service - Mr. Puri.

Sector 18. Y. Khalkho

" 2. M. J. Bjo

" 9 + 10 I left Rourkela by Howrah mail for Chaibasa & Dangoaposi. ~~I had~~ a plan to come down to Chaibasa by the evening Train from Dangoaposi but I was not keeping well I stayed there till Feb. 10.

" 11. I went straight from Dangoaposi to Ranchi. I enquired you at Chaibasa but unfortunately you were at Ranchi.

" 12. I went to my village in the ~~ev~~ afternoon.

" 13. I came back to Rourkela by the evening train.

" 14 Sector 20 & 3.

" 15. Church service. S.K. Minz & Rourkela - M.D. Tiru.

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,
SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH.
~~*Secretary*— MR. C. I. K K. OKIL NAG, B. A.~~
~~*Joint*~~ *Secretary*— MR P. DANG, B. A.
Treasurer— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref: 　　　　*Dated*..........

Feb. 15. Union Service — Mr. B. C. Das.
Sector 2. P C Minz
Tangerpali — N. Lugun.
Sector 18. — J. Khalkho.

" 16. Sector 6. —

" 17. Tarkera & Panposh.

" 18. Sector 20 and Jhirpani, New colony along with Director Lotius and his party.

" 19. Lent Service at Loco shed.

" 20. Lent Service ditto Sector 18.

" 21. Burmah shell.

" 22. Rourkela — B. Tirkey
Sector 18. Lords Supper by Rev. C. B. And
Baptism at Loco shed.

Feb. 23. Gyrradih.

24. Machulpada

25. Dugal colony.

" 26. Lent service at Loco shed.

" 27. " " in sector 18.

" 28. sector 20 & 4.

I am glad to report you that one Oraon Girl converted to Christianity on 22nd of Feb. Two or more Mundas are ~~expected~~ being prepared for conversion. May surely come to our flock in the month of April.

I do hope I shall be able to send the cost of books in the month of May. Please excuse me for delay.

Yishu Sahay,

Yours truly,

[signature]

फरवरी . १९५६ 15/II

१ ता. एतवार

२- हल्दीपोखर बिशप कामके लिए

३ ता: पोड़ाडिहा. के भाईयो के पास और भाव संसारी को सुनया

४ ता: मुड़ासाई मे

५ ता - बड़ासफुट मे

६ ता: डेवली मे

७- ता शनिचार

८ ता. डुकुरडिहा मे गिर्जा किया. साम को बच्चो के प्रेम भोज मे नेवता था. खाने के आगे फेनेलग्राफ तस्वीर दिखाया।

९ ता खुडरी कोचा

१० ता खुडरी कोचा मे

११ ता- साम को गिर्जा किया।

१२- स्कूल का मिटिंग हुआ, महुआराडर बाजार हुआ।

१३ ता- से स्कूल होने लगा।

१४ ता " " " "

१५ गिर्जा

१६ ता स्कूल कर महुआराडर, बिशप सहाब से मिलनेके लिए

१७ ता स्कूल- मे

से

२२ ता एतवार बाद स्कूल होता ही रहा।

स्कूल मे ईस समय १४ बचे है. बहार से आने वाले नही आते है. स्कूल का दुसरा मिटिंग हुआ स्कूल घर ईस जगाल भीतर से बहार बनाने का निश्चय किया- दुसरा बात- योहन नाग और मनसिद्ध दुनो ये दुःख बिपाद के करण परिक्षा मे गिर गये है पर तौभी उनको समझाते मैं हुं. ईश्वर पिता से हम सभो का प्रार्थना होवे. कि- वे मन फिरावे।

मै आप सभो का बिश्वास्त

मनोहर बाड़ा खुडरीकोचा

ता: १-३-५६

Report for the month february 1959 in
cat. Jhurin Sisibaha.

1-2-59. N. manki गिरजा चलाया संख्या १.
2-2-59. मैं रांची बेटी को बोर्डिंग में बहाली करने गया।
3-2-5-59. मैं रांची में था।
6-2-59. शीशी वापस आया।
7-2-59. कुड़ित तुका गया वहां एक घराना को प्रचार किया।
8-2-59. N. manki गिरजा चलाया संख्या २ भाई थे।
9-2-59. पाठ पढ़ाया।
10-2-59. Raubera में सृष्टि तथा मनुष्य के भ्रष्ट होने तथा नरक और
स्वर्ग के बारे उपदेश या लेक्चर दिया बड़े आनन्द से भाई और बहिन
उपदेश को सुनते थे। सुनने वाले भाई, बहिन १५० थे।
11-2-59. नाईसाई में ३० जनो को प्रचार किया। चोकरो नाम का एक भाई धर्म
में आने का वचन दिया और उसके घर में परिवारों समेत प्रार्थना
किया। फिर वहां से मुरहातु में ३० जनो को लौकिक और
आत्मिक जीवन के बारे लेक्चर दिया भाई, बहिन आनन्द से सुने।
12-2-59. मुरहातु में बिहान को प्रभु का वचन सुनाया भाई, बहिन ३० थे।
बहुत आनन्द से सुने। वे बोले फिर आओ और हमें वचन सुनाओ।
वहां से सिंगिद हकिर आये। यहां १६ भाई और ५ बहिनों को प्रचार
किया। यहां मैं एक गीत गाया जिस को सुन कर एक भाई रोने लगा
और बोला कि गाना बन्द कर दो चूंकि गाना से मेरा हृदय छिदा
गया तब मैं गीत गाना बन्द कर दिया।
सिंगिद हकिर से राजापरोम आया वहां बहुत बातविचार हो गया
और कड़ाई केला हो के घर लौट आया।
13-2-59. बाजार किया।
14-2-59. जर की खपरा लाने गया वहां से राजा परोम दवा बनाने गया वहां बोंगा
के बारे समझाया और उन को बताया कि हम लोगो को शैतान डरता है
और हम लोगो के घर में भी प्रवेश नहीं कर सकता है चूंकि हम लोग
शाम को और बिहान को प्रार्थना के द्वारा घर को पवित्र रखते हैं
शैतान पवित्र स्थान में ठहर नहीं सकता है।
राजा परोम से सरजोमडी होते हुए केरा हो के घर लौटा।
15-2-59. गिरजा किया संख्या १.
16-2-59. N. manki को पढ़ाया।
17-2-59. चक्रधरपुर खिड़की के लिये गया। मिस्त्री बोला लोहा मंगाये हैं आ जाने
पर बना देंगे।
18-2-59. घर का काम किया।
19-2-59. बड़े दुख के साथ हम लोग पेटेड़िया १४ मील रस्ता चल के पहुंचा
वहां हम लोग चुपचाप रात बिताया।

20.2.59. पेटेड़िया से बड़े फजिरे उठ के कड़े दाः बके मंदे पहुंचे। मैं रस्ता चल २ के थक गया था और कड़े दाः पहुंचने नहीं चाहता था पर पीछे प्रभु के कारण तकलीफ उठाना भला समझा और वहां गया। वहां जा के विसै का घर खोजा बड़े मुश्किल से पाया पर घर में कोई नहीं थे। ११ बजे लगभग वे घर आये और उन को परिवार सहित प्रभु का वचन सुनाया। वहां से टोकलो बाजार आया। टोकलो बाजार में बड़े मुश्किल से हम लोग जगह पाया। बाजार में मैं हिन्दी भाषा और हो भाषा में उत्पत्ति तथा नरक और स्वर्ग के बारे ज्वलित के साथ लेक्चर दिया। सुनने वाले २०० थे।

— 20-2.59. टोकलो बाजार से शाम को ऊंची बिटी पहुंचे बड़े (बहुत) मुश्किल से रहने की जगह पाये।

21-2.59. ऊंची बिटी में मैं तीन विषयों पर बहुत जोश के साथ लेक्चर दिया जो वहां के भाई, बहिनों का मन खींचा गया। I सृष्टि उत्पत्ति के बारे II शिक्षा और कृषि विभाग के बारे। III. स्वर्ग और नरक के बारे। सुनने वाले भाई, बहिन ३० थे। गांव बहुत बड़ी है पर बहुतों को मालूम नहीं हुआ चूंकि हम लोग रात को पहुंचे थे और खबर भी नहीं दे सके। वहां से बके मंदे गोमासाई आये भूख और पियास से तड़पते थे यहां वचन सुनाने की इच्छा थी पर खाना बनाने की कोई उपाय न हो सका २ बजे हम लोग ^केरा^ पहुंचे और वहां खाये।

केरा से शीशीबाहा आया।

22. 2.59. Head quarter में गिरजा किया और शाम को Ry द्वारा सोनुआ आया।

23. 2.59 Rengarbera में नरक और स्वर्ग के बारे बताया संख्या ६० थे। शाम को टोपोसाई में सृष्टि और मनुष्य के भ्रष्ट होने के बारे बताया। सुनने वाले ४० भाई और बहिन थे।

24. 2.59. बाईबेड़ा आये वहां एक टोली जा के शिक्षा के बारे और खिस्तान और संसार भाई, बहिन प्रेम से रहने के बारे समझाया मैं उन्हें बहुत आनन्द के साथ समझाया।

फिर मैं शाम को बाईबेड़ा गिरजा घर में शाम का आराधना से गिरजा चलाया और छोटी उपदेश दिया। दोनों घर के मसीही हाजिर थे।

25-2.59. Ry द्वारा बाईबेड़ा से सोनुवा हो के घर लौटा।

26. 2.59. चाईबासा जरूरी काम के लिये गया।

27-2.59. बाजार किया।

28. 2.59. राजा पारोम दवा बनाने गया वहां ^के^ भाई बोला कि आप मुझे सांझ और बिहान का प्रार्थना लिख दीजीये। मैं खुशी से प्रार्थना सांझ बिहान का ^लिख^ दिया और बोला कि तुम इससे कंठ कर लेना। उसने कहा कि मैं एक ही दिन में कंठ कर सकता हूं। जिस प्रार्थना में लौकिक और आत्मिक जीवन के बारे और विशेष ^करके^ पवित्रात्मा पाने का विशेष मांग है।

(क) झाड़ी बाहा वाले सिर्फ ठगने वाले हैं। मैं उन की इच्छानुसार गिरजा करने का कोशिस किया पर हो नहीं सका। अपने ही गिरजा का समय देते हैं। उसी समय जाते हैं पर वे भाग जाते हैं। मैं बहुत दुखित हूं मेरा प्रार्थना और सेवकाई और वचन समझाना बेफैदा होता है।
सेवकाई के द्वारा भारी से भारी बिमारी चंगे हो जाते हैं पर वे ईश्वर की दया को नहीं पहिचानते हैं।
२ जन टेवी वाले ५ टाईफाड़ वाले १ जन परसूती वाली ४ अन्य २ बिमारी वाले अच्छे हो गये हैं। कुल जामा १३ अच्छे हो गये हैं। बहुत किश्म के बिमारी वाले आने चाहते हैं पर मुखि हो लोग रोक देते हैं।
(ख) लोंगा जंगा में नया जो गिरजा जाते थे वे भड़कावे के डर से लौट गये हैं।
(ग) पहिली प्रचार यात्रा बहुत सुन्दर और आनन्द जनिक था।
(घ) दूसरी प्रचार यात्रा दुखमय और आनन्द भी था।
(ङ) तीसरी प्रचार यात्रा प्रचार का ज्यादा था। इसमें न दुख थी न आनन्द थी।

13/II

Monthly Reaport fore the month of February 1959

Nakthi J.M.B

Date	Working Plase	Number of Peapols सुनने वालों की संख्या
१	नकटी मे गिरजा हुआ।	गिरजा ४ प्राणी आये।
-	५ ता० को रायमें या विशेष काम के लिये कन्दुलना साहेब के पास गया था। पांच ता० को वहां से लौटा	
६	बाजार किया।	
७	घर का काम किया।	
८	गिरजा हुआ।	
९	घर का काम किया।	
१०	रघुबेरा मे प्रचार हुआ। रात को ८ बाजे से करीब ११ बाजे तक कुछ गीत भी सुनाया गया।	ईश्वर सिरजनहार है सिरजनहार होकर कैसा प्रेमी और दयालु है। इस विषय से लेकर यीशु उद्धारकर्ता है वह जीवतों और मृतकों का विचार करने के लिये फिर आवेगा। इस पर उपदेश दिया गया। सुनने वाले २५० जन थे।

Date	Working Place	Number of peapl's सुनने वालों की संख्या
११	बाई स्याई गये	वहां सुनेनवाले स्त्री पुरुष मील
१२		कर ३० जन थे। प्रभु ने लगा... साथ योशु का बलिदान पुरा बलिदान है इसपर समझौता दिया गया। वहां एक परिवार चोकरो आंगरिया और उसकी स्त्री लादुवा के घर में प्रार्थना हुआ और उन्हो ~~जान का~~ धर्म खोजक होने का बात दिया।
१२	सुरहानु में रात हो को वहां वाले भी	काम हुआ रात को ३० जन थे और ~~दि~~ बाद को ३० जन थे।
	बहुत ध्यानसे सुने और एक भाई मनुवा जो का सुसमाचार खरीद लिया।	
~~१२~~	सिंगोदे इकिर ये दो जगह काम हुआ सुनेवाले एक भाई।	~~करीब~~ करीब ३० जन थे। स्त्रीपुरुष हम लोगों की गीतों को सुनके रोया। राजा परोरा ने भी कुछ समझौता दिया गया।
१३	तार बाजार ~~किया~~ आराम किया	
१४	~~घर~~ पर का काम किया	

Date	Working Place	Number of peaple सुनने वालों की संख्या
१५	गिरजा हुआ	
१[illegible]	चक्राधरपुर गेहूं पिसाई के लिये गया।	
१६	बाजार किया और जोंका गिरजा के लिये गया था	
१८	किताब लाने के लिये चाईबासा गया।—	
१९	तांको टोकलो के लिये निकले और पेटे डोबा में डेरा किये उसरोज काम नहीं हुआ जगह का कोई ठिकाना नहीं था।	
20	को कायदा गये वहां एक परिवार को समझौता दिया विसाई टेमरोम को और उसके बाल बच्चों को फिर १२ बाजे के बाद टोकलो बाजार में प्रचार हुआ तीन विषय पर मनुष्य की उत्पत्ति, भ्रष्टता और उद्धार का मार्ग पर - सुननेवाले २०० से ऊपर थे।	
21	को आंची बिला में प्रचार किया वहां भी ३० जन थे	
22	को गिरजा करके सुनवा गये।	
23	रेंगड़ बेडा में काम हुआ दिनको सुननेवाले ६० जन थे रात को टोपो साई में हुआ वहां भी करीब ३० जन थे स्त्री पुरुष।	

२४ ~~को लौटे~~। वाई बेरा गये वहां खिस्तान भाइयों के
साथ और ३ संसारिक भाइयों को सुनाया।
२५ को ~~आराम किया~~ लौटा। वैबेरा से
२६ जोंको दुःखित भाइयों को देखने गये।
२७ - २८ - १ - २ विशेष काम के लिये औंक्य?
गया।

इन दुरों में हम लोगों को यही पता चला कि
यें पहिले वहां के भाई मरसल जोंको जिस समय
खिस्तान हुआ बहुत लड़ते थे। याने मरसल जोंको
को बहुत घिन दृष्टी से देखते थे। पर अभी वे
कुछ अच्छा बर्ताव उन्हों ने दिखाया अच्छी तरह
उन्हों ने सुना और किताबें उन्हों ने खरीदा
ईश्वर की इच्छा होवे बीज उग जावेगा।
हम लोगों को आशा है।

आप का विश्वासी
प्रचारक प्रभुसहायलोचनों
नकटी।

12 / II

१९५९ बाईबेड़ा जोइन्ट मिशन बोर्ड का रिपोर्ट — फरवरी का ||

श्री महामान्यवर रेभः एचः क्रोस और रेभः जेः सोय— भी सहाय ||

ता: १ गिर्जा किया |
२ घर का काम किया |
३ भूसलता गया भाईयों को प्रभु का बचन सुनाया संख्या ८ |
४ जोम्पुरा गया भाईयों को उद्धार का बचन सुनाया संख्या ७ |
५ बजार किया |
६ तबियत अच्छा नहीं किया |
७ गिर्जा पाठ तायारी किया |
८ गिर्जा किया |
९ घर का काम किया |
१० महाउपवास काल गिर्जा की पाठ तायारी की |
११ गिर्जा किया |
१२ टोपोसाई गया भाईओं को ईश्वर का बचन सुनाया संख्या ३ |
१३ मुन्डुरी गया भाईबहीनों को बचन सुनाया संख्या ५ |
१४ गिर्जा पाठ तायारी की |

ता: १५ सोनुआ और सरन्डेया में गिर्जा किया |
१६ बाईबेड़ा में गिर्जा किया |
१७ गाँव में एक बैठिक था उस बैठिक में मुझको भी जाना पड़ा |
१८ चाईबासा गया |
१९ चाईबासा से बाईबेड़ा लौट आया |
२० शुक्रवार गिर्जा, गिर्जा किया |
२१ गिर्जा पाठ तायारी किया |
२२ गिर्जा किया |
२३ टोपोसाई गये भाईबहीनों को धर्म बचन सुनाये संख्या ५० से उपर थे |
२४ गाँव ही में भाईओं को बचन सुनाये संख्या ३ |
२५ मेरा पैर पर घाव हो गया इसकारण से घुमने नहीं गया |
२६ बजार किया |
२७ बोखार में पड़ा हूँ |
२८ बोखार में पड़ा हूँ |

घाव और बोखार के कारण रिपोर्ट जल्दि से नहीं भेजा— क्यों कि बेमार में पड़ा हूँ

आपका बिश्वास्त इसराएल तोपनो ||

राज्य बृद्धि काम का रिपोर्ट होरो एरिया १९५९ ई० फरवरी महीना

११/II

तारीख

१- गिरजा किया

२- स्कूल किया

३. स्कूल किया

४ स्कूल किया

५- स्कूल किया

६ - स्कूल किया और गोइलकेरा बाजार गया

७ . गोइलकेरा j.samad के घर से होरो आया और स्कूल किया

८ - Rev. j. soy गिरजा किये ।

९ - स्कूल किया

१०- स्कूल किया

११- महाउपवास काल का गिरजा किया ।

१२- स्कूल किया

१३. स्कूल किया और बाजार गया ।

१४ - स्कूल किया

१५ - होरो में गिरजा करके दूसरी बेला मोमदी मरांडी गया था ।

१६- स्कूल किया

१७ स्कूल किया

१८ स्कूल किया

१९ स्कूल किया

२०. स्कूल किया और बाजार गया ।

२१- गिरजा गया था उसी रोज शाम को गाड़ी बिसरा गया था

२२- बिसरा में रहा

२३. बिसरा से होरो आया और स्कूल किया ।

२४ स्कूल किया

२५ स्कूल किया

२६- स्कूल किया

२७ स्कूल किया और गोइलकेरा बाजार गया था ।

२८ स्कूल किया

आप का विश्वस्त
Thomas Bhengra
Horo

Report for M. Samad.

JARAIKELA 10/II
PARODIH
7-3-58

श्रीमान पादरी Rev. J. Foy
साहेब

आप को हम सभों की ओर से सप्रेम प्यार की यीशु सहाय होवे वर्तमान में हम लोग अच्छे हैं। आगे ईश्वर पिता से प्रार्थना है कि हम सभों की रक्षा करे "आमीन"

आप को मैं फरवरी माह/१९५८ का रिपोर्ट देता हूँ।

१-२-५८ - बाप को देखने के लिये घर (घुटबहार) गया था
२-२ " " — को घुटबहार में था।
३-" " " — " " " "
४ " " " — " " " "
५ " " " — " " " "
६ " " " — घुटबहार से सिकरजोर आया।
७ " " " — सिकरजोर से बिरमित्रापुर आया
८ " " " - रास्ता चलने के द्वारा मुझे मलेरिया बुखार पकड़ लियो।
९ " " " — बिरमित्रापुर में था
१० " " " — " " "
११ " " " २½ बजे दिन को ट्रेन (पसिंजर) पकड़ा और जराईकेला पहुँचा
१२ " " " घर में था
१३ " " घर में था। मिर्जा किया।
१४ " " " - घर में था - पाठ तैयार किया।
१५ " " " - Sunday - मिर्जा किया
१६ " " " जराईकेला के कम्पौंडर के पास गया।
१७ " " " जमाल के मास्टर के पास जाकर कुछ बाते हुई जिसमें राम के बारे मुझे बतलाये
१८ " " " जराईकेला बाजार गया और लौटते समय सनातन महतो से पुजा पाठ के बारे मैंने उसे पूछा।
१९ " " " सेतेंग के साथ सागजुड़ी जाकर वहां के स्कूल को खोलने के वास्ते भाइयों से सलाह की।
२० " " " सेतेंग समद के साथ जागजुड़ी गये और स्कूल को लिपाई करवाये।
२१ " " " घर में था पाठ तैयार किया।
२२ " " Sunday
२३ " " को आप के साथ डुमरता गये थे। और वहाँ से घर आया।
२४ " " घर में था
२५ " " सागजुड़ी गया और [illegible] भाई के साथ मुलाकात हुई उनके साथ स्कूल के बारे बातें हुई
२६ " " को हरबाबू के पास गया था।

२१-२-५६ को पाथपड़िया ~~कोरा~~ सनातन महतो के पास गया और कुछ धर्म की बातें बतलाया।

२२-२-५६ को - घर में था पत्र तैयार किया।

लि० आप का विश्वासी

Roy an Samad

Parodih

P.O. Jaraikela

Singhbhum

फरवरी महिना को टुरींग रिपोर्ट १९५८

१-२-५८ को बिश्राम दिन था —

२-२-५८ को मैं एक सन्थाल को उत्पति के बिषय में समझाया —

३-२-५८ को मैं जराइकेला को गया था किसी के साथ मुलाकात नहीं हुआ —

४-२-५८ को मैं बरंगा को गया था, एक मनुष्य के साथ में मन्दिर खड़ा और यीशु के बिषय में समझाया —

५-२-५८ को मैं उरिकिया को गया था एक मनुष्य के साथ मे मुनी ~~समझ~~ समाज के बिषय में बात चीत किया —

६-२-५८ को मैं कुरलाबेड़ा को गया था

७-२-५८ को मैं एक मनुष्य को हिन्दु धर्म का मुख्य बिस्वास और यीशु धर्म सच्चा ईश्वर के पास से आया हुआ धर्म बतलाया, प्रमाण दे करके —

८-२-५८ को मैं बरंगा के कइ एक जनों को यीशु के बिषय में बहुत समझाया —

९-२-५८ को मैं एंगड़बेड़ा को गया था, एक राजपुत बाबु और दो लोन आफिसर के ~~[illegible]~~ क्वार्टर के साथ में हिन्दु धर्म और खृस्तान धर्म के बिषय में तार्क ताक हुआ, मैं ने कहा कि यीशु के लोहु बिना त्राण का कोई उपाय ही नहीं है मैं ने सब धर्म मे जांच करके देखा क्योंकि मनुष्य जाति सब के सब पापी हो गये हैं —

१०-२-५८ को मैं फिर एंगड़बेड़ा को गया, वे फिर भी मुझ को पुछे, मैं कहा कि आप लोग दरिया में घुस कर के देखिये उस मे मगर को मछली है —

११-२-५८ को मैं घर ही में था —

१२-२-५८ को मैं जराइकेला को ~~[illegible]~~ गया था —

१३-२-५८ को मैं ने एक सन्थाल को समझाया कि मनुष्य पापी होने के कारण सारी दुनिया में अन्धकार छा गया, यीशु ने ईश्वर की इच्छा को पुरा किया, इस लिये केवल यीशु ही के कलीसा में उजियाला आया है —

१४-२-५८ को मैं बरंगा तरफ गया था, एक माहतो को यीशु के कहा हुआ चिन्हों के बिषय में और खिस्तान धर्म सचे ईश्वर की ओर से आया बतलाया —

१५-२-५८ को बिश्राम दिन था —

१६-२-५८ को मैं एक सन्थाल को सुसमाचार में से कइ एक बातों को सुनाया —

१७-२-५८ को मैं टिरिपोसलो को गया एक माहतो को बैबल की बातों को बताया —

१८-२-५८ को मैं बरंगा को ~~ह~~ गया एक माहतो को यीशु धर्म और छुआ छुत के बिषय में बात चीत किया —

१९-२-५८ को मैं बरंगा को गया, एक माहतो के साथ में ईश्वर और मुनी समाज के बिषय में बात चीत किया —

२०-२-५८ को मैं हिमिरकेला को गया था किसी के साथ मुलाकात नहीं हुआ —

२१-२-५८ को मैं टिरिपोसिलो को गया था एक सन्थाल के साथ में मुलाकात हुआ कहता है कि और भी यहां पर फ्लानेल ग्राफ दिखाओ —

२२-२-५८ को विश्राम दिन था —

२३-२-५८ को मैं मनोहरपुर से सोनुवाँ को गया, एंगड़बेड़ा में पादरी प्रचारक मिल कर फ्लानेल ग्राफ दिखाया ६० आदमी तक थे, वे सुनते थे, रात को चोलाबस्ती में फ्लानेल ग्राफ दिखाया ४० आदमी तक थे ~~[illegible]~~ उन लोग भी सुनते थे मन लगा कर

२४-२-५९ को मैं चोबाडीह को गया वहां भी यीशु धर्म के विषय में बात चीत किया और ओलिया मारा को गया, वहां भी एक घर में यीशु के विषय में बात चीत किया —

२५-२-५९ को मैं सोनुवाँ से घर चला आया —

२६-२-५९ को मैं ~~सुर सन~~ सारन्डा के तरफ जाने का त्यारी में था —

२७-२-५९ को मैं चिरिया को गया —

२८-२-५९ को मैं दुबील को गया एक घर में सुसमाचार सुनाया —

J. K. Hemrom Dumirta

P.O. urkia

5-3-59

Porahdih 8/II
D.t. 24.2.59

श्री युक्त महा मान्यवर

पादरी बाबू आप को मेरा यीशु सहाय।

महाशय — आप को पता दिलाया जा रहा है।

ता: १.२.५९ को मैं ओरगेज गया था।
ता: २.२.५९ को मैं रोयड़ा गया था।
ता: ३.२. को मैं टिकवी पाड़ा गया था।
ता: ४.२. को मैं गुलझुली छुड़ा गया था।
ता: ५.२. को मैं डोंगा दरेव गया था।
ता: ६.२. को मैं गांव ही में था। कारण की एक बहिन
ता: ७.२. की शादी थी।
ता: ९.२. को मैं ओरेंगे बेलवन गया था।
ता: १०.२. को मैं पटेरा माइर गया था।
ता: ११.२. को मैं चुटुक डोह गया था।
ता: १२.२. को मैं खुड़ा गया था।
ता: १४.२. को मैं डोंगा पटकुल गया था।
ता: १६.२. को मैं लखमर कुरे गया था।
ता: १७.२. को मैं कुर लिपा गया था
ता: १८.२. को मैं परिनफुड़ा गया था।
ता: १९.२. को मैं गांव ही में छुट्टा।
ता: २०.२. को मैं घर ही में था कारण कि मेरी गाय खो गयी थी।
ता: २१.२. को केड़ा वाला बाबू + प्रचारक ~~[illegible]~~ बाबू आये थे।
ता: २२.२. को मैं ओरेंगे गया था।
ता: २४.२. को मैं बेलवन गया था।

१९५८ का मराठी भाग दाम मोल ५६) रूपैया हुआ था। फिर इस में से जनवरी महीना का २०) रू. काट गया तो बाकी बचता है ३६) रू.। फरवरी का भी २०) रू. रख लिजियेगा + मेरे यहां १६) रू. भेज दीजियेगा। वैसा ही मार्च महीने का भी १६) रू. रख कर बचता को मेरे यहां भेज दीजियेगा।

प्रचारक सितारामटिकड़ा

फरवारी १९५६
महिना का डयरी

7/II

१-२-५६ बरटोली ओर गया दवाई बनुवाने के लिये गया था।
२-२-५६ बरटोली से जुनाईन मे रहा।
३-२-५६ जुनाईन से मधुपुर में रहा रत को खृष्टीयानों के घर प्रर्थाना किया।
४-२-५६ टन्गोर पली नया खृष्टीयोंनों को बचन सिखा के प्रर्थाना किया।
५-२-५६ कुलपाल पहुँचा समको धुन धुसा के नये खृष्टीयानों को समझाया।
६-२-५६ धुन धुसा संसर दुखली को दवा औ प्रर्थाना से सेवा किया।
७-२-५६ परचारीन के लिये दवाई लाने रन्धगन्पुर गया था।
८-२-५६ रन्धगन्पुर से बमड़ा में रहा।
९-२-५६ बमड़ा से कुल पल पहुँचा फिर से तुलसीडीह दुखली घर में प्रर्थाना किया
१०-२-५६ बलान्डा के नये खृष्टीयनों के घर में बचन सुना के प्रर्थाना किया।
११-२-५६ कुलपाल में प्रभुदायाल मुन्डू के घर में बचन सिखाया।
१२-२-५६ ~~5 Day~~ प्रचराक के सथ दोनों प्रचराक जोरेया डीह संसरीयों को समझाया।
१३-२-५६ कुलपल मे महपोवास गिरजा किया।
१४-२-५६ छामड़ा गया नया खृष्टीयनों को समझाया रत प्रर्थाना किया।
१५-२-५६ छामड़ा में गिरजा किया।
१६-२-५६ दुर्गाडीह में रहा समको पुराना खृष्टीयानों के सथ प्रर्थाना किया।
१७-२-५६ बोड़ोया गया समको लौटते समय Candidath ~~Aind~~ प्रचराक से मुलाकात हुए थे।
~~१८-२-५६~~
१८-२-५६ तुलसी डीह के संसर दुःखली घर में प्रर्थाना किया।
१९-२-५६ " " " " " " " " " "।
२०-२-५६ बलाँडा के नये खृष्टीयन दुःखली के घर में प्रर्थाना किया।
२१-२-५६ तोमला कोटा खृष्टीयन के घर में प्रर्थाना किया।
२२-२-५६ तोमला कोटा से झरमुन्डा संसर के घर वालों को समझाया और कुलपाल में आकर कुलपाल मंडली में गिरजा किया।
२३-२-५६ टन्गोर पाली के संसर भाई को जमभल में बचन सुनाके समझाया।
२४-२-५६ जमभल में बचन नये खृष्टीयनों को सिखाया।
२५-२-५६ जरेयाडीह के संसरीयों को बचन सुनाया।
२६-२-५६ कुलपाल में जाके खृष्टीयन और संसरों के बिच में आन बन में समझाया।
२७-२-५६ कुलपल में महोपवास गिरजा किया।
२८-२-५६ जमभल में नया खृष्टीयनों को बचन सिखाया।

महा मनन्वार पद्री बाबु J. Soy

आप को श्र प्रेम यीशु सहाय

मंडली गिरजा आना जना मध्याम ही है दुःख सुख मंडली में ~~है~~ होते ही हो रहा है। धुन धुसा वालों ने फिर मसीह ही सेवा में लौट रहे हैं उन लोगों को समझाने के लिये आना जना करते हैं। उन लोग कहते हैं गिरजा घर भी तैयार हो जर गिरजा घर बनाने के लिये स्वीकार कर रहे हैं

मंडली आमदनी १।= एक रुपया तिन आना है।

लि: आप का आज्ञा चिन प्र० [illegible]

फ़बरवारी १९५९ की डायरी। 5/II

ता. १-२-५९ दुरगाडीह और छमड़ा में गिरजा किया।
ता. २-२-५९ दुरगाडीह आया।
ता. ३-२-५९ कुलपाल होके दुखुडीह आया।
ता. ४-२-५९ दुरगाडीह में था।
ता. ५- " - " दुरगाडीह में था।
ता. ८-२-५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया।
ता. ९-२-५९ - कुलपाल गया।
ता. १०-१८ - मेहमान केरेया गया था।
ता. १८-२-५९ दुरगाडीह आया।
ता. १९-२-५९ बड़रम्बा गया कारण कि मधुपुर के पादुरी से चिठी पाया था कि वहां के मंडली अशांति में है उसको देखने गया। अभी तक ~~आदमि~~ आदमियों की मैरहनि से कोई बात नहीं मिला है।
ता. २०-२-५९ झमगांव के अदिहत बाबू केसाथ और प्रः मसुथ अनन्द के साथ निकटवर्ती गावों में दूर किया।
ता. २१-२-५९ दुरगाडीह से हम अलग २ हुए।
ता. २२-२-५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया।
ता. २३-२-५९ छमड़ा में गिरजा घर को बनाने में मदद किया।
ता. २४-२-५९ " " " " "
ता. २५-२-५९ " "
ता. २६-२८। अब लगातार गिरजा घर को बनाने में मदद करता हूं।

cete - Mansidh Dang
२८-२-५९-

मडली की आमदनी ४।।=) नया ४, ६ २ पैसा खर्च २=) न.२.१६ पैसा

यहां की गिरजा घर अभी २५ हाथ लम्बा चौड़ा १० हांथ भीतर है ऊंचा अभी ३ और पत्थर की जोड़ाइ चल रहा है बढ़ी ने चौखट, खिड़कियां दो १ बैठाए हैं। उसका खर्च। उतनी चीजों के बनाने में २४) रु. देना है नहीं दिये हैं। खाना अलग हिसाब होगी। जब खतम होगी तब हिसाब दिया जाएगा। ? बीते महिना में टेक्स + चौकी के बिषय जनाया पर उसका कुछ जवाब नहीं मिला। मैं आशा करता हूं कि जोइन्ट मिशन बोर्ड से कुछ सहायता मिले कारण कि यहां अब दो ही घर खिस्तन धर्म में स्थिर हैं पर तौभी हिम्मत तो करते हैं पर घटी के कारण सहायता न मिलने से काम पुरा होना असम्भव है पर ईश्वर ~~की~~ ही उनकी अगुवाइ करें।

M. Dang
२८-२-५९

नोट :- बन पड़े तो आप + Re. H. Sanad बाबू निश्चय हाल में अपने की कृपा करें बहुत हेतु विशेष २ काम होगी। अशांति! धर्म की बिरुधी करने हारों को समझौता काम और छमड़ा में हड़ापन २ जन पाने वाले हैं। और कुलपाल में मिशन हाता करने को सुविस्तार करना। पादुरी का डेरा (रहने घर) जरूर मिलेगा जहां वे पसंद करेंगे जैसा चाहे वैसा मिलेगें। अगर कहीं भी पसंद नहीं करेंगे तो मेरा ही १कोठरी थोड़े दिनों के लिए छोड़ूंगा। पर इधर पादुरी न रहने से बहुत २ काम रुका जाएगा।

Diary For the Month of February 1959

1/2/59 को गोरजा किये ।

2/2/59 स्कूल किये आठ लड़के हजीर थे

3/2/59 को स्कूल किये

4/2/59 " " " " "

5/2/59 " " " " "

6/2/59 " " " " "

7/2/59 " " " " "

8/2/59 गीरजा किये

9/2/59 स्कूल किये सब लड़के हजोर थे

10/2/59 " " " " " "

11/2/59 महलपवास कावा का गोरजा किया

12/2/59 उस रोज हेडप्रचारक और कंराडेट आमगांव से लड़कों का परिक्षा के लिये आये ।

13/2/59 उस रोज लड़का का परिक्षा हुआ और रेजल्ट सुनाया गया लेकिन लड़का फेल हो गया

14/2/59 को स्कूल किये

15/2/59 को गोरजा किया

16/2/59 स्कूल किये दुसरे बेला कोन मुंडा के भाईयों के पास भी गये

17/2/59 " " " " " " "

18/2/59 " " " "

19/2/59 " " " "

20/2/59 स्कूल किये दुसरा बेला बजार गये ।

21/2/59

22/2/59 को गीरजा किया

23/2/59 स्कूल किये दुसरा बेला बैबल का अध्ययन किया

24/2/59 " " " " "

25/2/59 " " " " "

26/2/59 " " " "

27/2/59 " " " "

28/2/59 " "

Patras Barla
Sargidih
2-3-59

Diary for the month of February 1959.

February, 1. मैं आमगांव में गिर्जा किया (गिर्जा का काम चलाया)।

" 2. कुम्हारगढ़िया में एक शादी लड़की और रफाएल मिंज की गड़बड़ी बात जांच के लिये गया।

3. कान्डेदास बाबू के साथ लम्बा टूर का प्रोग्राम लेकर ठहर गये क्योंकि गड़बड़ी बात का निपटारा करना था।

4. Cand. Y. Kerketta के साथ धर्मप्रचार के लिये मझिन्ता गांव गये।

5. Esther स्त्री का पाठ तैयार किया और साम को उसको सिखाने हाता वालों को दिया।

6+7 अस्पताल तरफ घूमा और पुस्तक अध्यायन किया।

8. आमगांव में गिर्जा किया।

9+10. लड़का का पिता छुट्टी से लौटा और लड़का लड़की का गोलमाल को तै किया।

11. Lent गिर्जा किया।

12 Sargidih का रास्ता Cand. बाबू के साथ पकड़े। साम को सर्गीडिह पहुंचे।

13. Laimuda बाजार घूमा और कितनों से मुलाकात हुई। बाजार से लौट कर पतरस प्रचारक का एक चेला को परीक्षा ली। रात को प्रार्थना समाज किया।

14. १० बजे दिन सर्गीडिह छोड़ कर दोनों पौलाभारा गये। बिश्राम पुर्ती से बातचीत किया। जमीन का Case में 23) रु. खर्च किया। वह दो बैलों का दाम काम किया है उनको ५०) रु. में खरीदने वाला है। बछड़े गाय हैं जो हल चला सकेंगी। उसने बताया कि उनको खरीदने के लिये रुपया है। उसने कहा कि पौलाभारा में कुछ सैफरिक लोग धर्म में आने का पूरी बात दिये हैं! एक मुण्डा जानने वाला प्रचारक को जरूरत होगी।

15+16 ता. १५ को पौलाभारा में गिर्जा किया और ता. १६ को भोजपुर होते हुए कुलपाल पहुंचे पर दोनों प्रचारकों से मुलाकात न हो सकी। एक भाई को लेके गिर्जाघर और वह टांड़ देखा जो मिशन के लिये खरीदने से सुविधा है। उस जमीन का वारिस ६ भाई हैं। दो भाई 300) रु. में देने की बात दिये हैं। सब भाईयों की सलाह से कदाचित कुछ अधिक पैसा लेंगे ऐसा बुझाया। सब भाईयों से मुलाकात न हो सकी। Registration के साथ २ और कमीन खर्च आदि के साथ 800) रु. अन्दाजी रखा।

17 कुलपाल से टमड़ा गये। दोनों टोलों को देखा। कुलपाल के ऐसा कई खड़ीयानों का मन दुबधा में है। समझाने का समय न मिला क्योंकि वे दूर स्थानों में अपना काम के लिये गये हुए थे। दो घर के लोगों का मन स्थिर पाया।

18+19 Chhamda से Bodroma गये। योशुवा प्र. टूर में गये हुए थे। बिसालपाली घूमने को गये। बाद लेन्ट का गिर्जा करके दुर्गाडिह चले आये।

20 जमुनकीरा में कुलपाल प्रचारक शिमोन से भेंट हुई। उसका रिपोर्ट का सारांश ऊपर दर्शाया गया है।

21+22 पोढ़ाडिह में सिलास लकड़ा से मुलाकात हुई। ता. २२ को Cand. बाबू गिर्जा उपदेश और मैं आराधना का काम चलाया। भाई बहिन सन्तुष्ट थे। साम को हिरलीपाड़ा आके Deogarh बस में बैठ गये।

23+24 Deogarh को धुमधाम के दूसरे दिन बड़कोट होके आमगांव पहुंचे।

25+26 आराम करते हुए पुस्तक अध्ययन किया, ता. २६ को Lent गिर्जा किये।

27+28 ता. २६ को अपना रिपोर्ट तैयार किया और ता. २८ को बड़कोट गये क्योंकि प्रचारिन को देवगढ़ जाना पड़ता है। उसको बस में बैठाकर मुझको आमगांव लौटना होगा।

Amus Aind
27-2-1959.

N.B. कृपा करके Ranchi जाने या न जाने का खबर सुसमय पर जनाईयेगा।
Aind
27/2

From.
Silas Kujur
G.E.L. Church Gua. - Gua.

The Reports of the month of February 1959.

1/2. Conducted the church service at Gua.

2/2. Supervised the building work.
3/2. Supervised the building work.
4/2. Supervised the building work.
5/2. Went to Nuia for house visit.
6/2. Supervised the building work. Attended a marriage ceremony solemnised by Rev. C. V. Dang at Christ Church Gua.
7/2. Attended a marriage function at Nuia.
8/2. Attended Church service at Gua. Rev. H. Samad Conducted the service. During the service an Advantist named Silas Guria was received into the Congregation as a member of the Gossner Church. Three Children belonging to Christian parents were baptised by Rev. H. Samad. One female member who was kept into Chhoti Saja (Excommunication) was received into the Christian fellowship.
9/2. Attended a marriage Ceremony solemnised by Rev H. Samad. Supervised the building work.
10/2. Supervised the building work.
11/2. Supervised the building work.
12/2. Supervised the building work.
13/2. Supervised the building work.
14/2. Supervised the building work.
15/2. Conducted Sunday Church service at Gua.
16/2. Supervised the building work.
17/2. Supervised the building work. visited a Christian family.
18/2. Supervised the building work.
19/2. Supervised the building work. Went to Chotom Buru and Conducted prayer meeting.
20/2. Brought fuel from Jungle. Conducted Lent service
21/2. Went up the Top Mountain for Church service. Conducted Prayer meeting at Holej Hating.
22/2. Conducted Church service at Bara Pahar. and at Gua proper.
23/2. Went to Nuia to conduct prayer meeting.
24/2. Went to Lebel Hating for house visit.
25/2. Did home work. In the evening visited a Christian family at Bajar Dhaura.
26/2. Went to Jata Hating for house visit.
27/2. Went to Bara Jamda for personal matter. Conducted Lent service at Gua.
28/2. Went to Ranchi to attend the G. E. L. Church Mahasabha

Report for the month of Dece 1958 to January 1959

N. Lanki

26/XII 58 / I 59.

28-12-58 - अपना घर से चाईबासा के लिये रवाना हुआ।
29-12-58 - लकड़ी से चाईबासा और चाईबासा फिर लकड़ी वापस आया।
30-12-58 - लकड़ी बजार गया।
31-12-58 - घर में स्टाडी किया।

January

1-1-59 - नया साल का पर्व लकड़ी में किया
2-1-59 - कड़ाईकेला बजार गया।
3-1-59 - जोंको एक खिस्तान के घर में गया और प्रार्थना कर आया।
5-1-59 - मदकोबेड़ा मृतक गाड़ने के लिये गया।
4-1-59 - लकड़ी में गिरजा किया।
6-1-59 - लकड़ी बजार गया।
7-1-59 - डुरंगदा स्कूल गया
8-1-59 - पेटेड और प्रचार हुआ
9-1-59 - जंगल गया था।
10-1-59 - एक रोगी के पास गया।
11-1-59 - गिरजा गया था।
12-1-59 - हैयापीढ़ी और ननासोया गया था।
13-1-59 - लकड़ी बजार गया था।
14-1-59 - चक्रधरपुर गया था।
15-1-59 - मीरसोडी और सुरबुड़ा गया था।
- स्टाडी किया।
16-1-59 - पाठ तैयार किया।
17-1-59 - गिरजा जनाया।
18-1-59 - संयोग सोमवार में भारा भजन किया।
19-1-59 - घर का काम किया।
20-1-59 - घर का काम किया।
21-1-59 - मोसोडीह में प्रार्थना किया।
22-1-59 - चुकेलु गया था।
23-1-59 - चुकेलु में घुमा।
24-1-59 - बड़ीडी गिरजा में प्रार्थना किया।
25-1-59 - घर का काम किया।
26-1-59 - स्टाडी किया।
27-1-59 - चक्रधरपुर, जरकी गया था।
28-1-59 - पाठ पढ़ा।
29-1-59 - बजार किया। तथा पाठ पढ़ा।
30-1-59 - स्टाडी किया।
31-1-59 -

नोट:— दिसम्बर १९५८ के चार दिनों का क्या कहते हैं आप के ऊपर है।

T.A. bill for the month of January 1959

Rs.	A.	P.
0	4	0
0	4	0
0	4	0
0	6	0
Total - 1	2	0

N. Lanki
2-2-59

Total Rupees one and Twelve NP

Gladson Surin January 59.

जोइन्ट मिशन बोर्ड का जनवरी महीने का १९५९ई का रिपोर्ट

22/I

ता०	काम की जगह	संख्या
१	छुट्टी ता० २ से ता० ६ तक घर गया था	
२		
३		
४		
५		
६		
७		
८	कुड़ीद टुकू गया था	पांच भाई को सुसमाचार सुनाया
९	बाजार किया	
१०	पाठ तैयार किया	
११	गिरजा हुआ	
१२	कड़ाई केला और सड़ीगाम गया था	१ एक भाई को दोड़ोम पुपों से प्रचार किया
१३	बाजार किया	
१४	कुड़ीद टुकू गया था	एक भगत को प्रचार किया
१५	पता से गया था	एक घर में मसीह के नाम से प्रार्थना हुआ।
१६	बाजार किया	
१७	पाठ तैयार किया	
१८	गिरजा हुआ।	
१९	सपोव सोम्बर गया था ८ मैल की दूरी पर है	कम से कम एक सौ आदमीयों को सुनाया। टी॰ ए॰ चार आना
२०	बाजार किया	
२१	मनको बेड़ा गया था	मसीह ही भाई के घर प्रार्थना हुआ।
२२	पढ़ा और नोट किया	
२३	बाजार किया	
२४	मृतक शरीर को गाड़ने गया था	
२५	गिरजा हुआ	
२६	पढ़ा नोट किया	
२७	,, ,,	
२८	विशेष काम के लिये चक्रधरपुर गया था	
२९	राऊ बेड़ा गया था	२५ आदमीयों को वचन सुनाया। डेग ओर में ५ आदमीयों
३०	बाजार किया	
३१	पाठ तैयार किया	

सपोव सोम्बर टी॰ ए॰ चार आना।
कड़ाई केला और सड़ीगाम दो आना।
जमा ६) आना

P. G. Surin
Nakti

जनवरी Sandy. Kerketta 21/I

तिथि	काम
१ →	{अवकाश
२-३ →	{पाठ तैयारी + समाज कुम्हारगाड़िया में, ×
४ →	{ गिरजा अम्बगाँव में
५ →	{समाज कुम्हारगाड़िया में, ×
६-८ →	{ चाईबासा आना जाना
९ →	{बैब्ल पाठ अम्बगाँव में,
१०-११ →	{समाज + गिरजा पुरनापानी में
१२-१३ →	{ चस्मा छाँटना + समाज कुम्हारगाड़िया में, ×
१४ →	{चस्मा छाँटना।
१५ →	{ बैब्ल पाठ अम्बगाँव में,
१६ →	{समाज पुरनापानी में,
१७-१८ →	{ पाठ तैयारी + गिरजा अम्बगाँव में,
१९-२१ →	{पुरनापानी के ब्याह घर में,
२२ →	{ समाज कुम्हारगाड़िया में, ×
२३ →	{चस्मा छाँटना + बैब्ल पाठ अम्बगाँव में,
२४-२५ →	{ पाठ तैयारी + गिरजा अम्बगाँव में,
२६-२७ →	{चस्मा छाँटना + समाज कुम्हारगाड़िया में, ×
२८ →	{ चस्मा छाँटना + पाठ तैयारी,
२९ →	{ बैब्ल पाठ अम्बगाँव में,
३० →	{ चस्मा छाँटना + समाज पुरनापानी में,
३१ →	{अवकाश,

फरवरी

तिथि —	काम —
१ →	{अवकाश,
२-३ →	{ समाज कुम्हारगाड़िया में ×
४ →	{मसीन्ता जाना संसारी भाइयों के पास पर काम न होना।
५ →	{पाठ तैयारी + बैठक पाठ अम्बगाँव में,
६ →	{ समाज पुरनापानी में।
७ →	{समाज कुम्हारगाड़िया में, ×
८ →	{लड़का लड़की का मामला से कुम्हारगाड़िया में। ×

A. Soy — January 59.

बोंगाजांगा मिश्न फिल्ड का रीपोर्ट। १९५९ई महीना जनवरी

मान्यवर J. Soy को चौवा सहाय— 20/I

आप को ईस महीना का रीपोर्ट भेजता हूं सो कृपाया ग्रहन कीजिये।

ता: १-१-५९ को नया साल पर्व का गिर्जा चलाया।

ता २-१-५९ को स्कूल चलाया। ता: ३-१-५९ को स्कूल चलाया।

ता: ४-१-५९ को एतवार गिर्जा चलाया।

ता: ५-१-५९ को सोमवार स्कूल चलाया दुसरे बेला और मोरा बजार गया।

ता: ६-१-५९ को एपिफानियस का विश्राम माने को गिर्जा चलाया।

ता: ७-१-५९ को स्कूल चलाया। ता: ८ से १० तारिख तक स्कूल चलाया।

ता: ११-१-५९ को एतवार गिर्जा चलाया।

ता: १२-१-५९ को बिहान स्कूल चलाया दुसरी बेला बजार गया।

ता: १३-१-५९ को रुतबुड़ा गया, लोबेद के नया कुटुम्ब आये थे, नया कुटुम्बओं के काम और सभा बहुत आनन्दता से हुई और उम्बुलवाहा नाले हरमुनियम बाजा और फोनोग्राम लाये थे, उसी के जरीये हमलोग रुतबुड़ा में भजन और धर्म प्रचार कीये। उस गांव के आस पास के टोलों के भाई बहीन देखने और सुनने के लिये बहुत जमा हुए थे।

ता: १४-१-५९ से ता: १७ तक मैं छुट्टी में बल्लाको जाने का प्रोग्राम किया था पर बल्लाको मिटिंग जाने नहीं सका, इसलिये तारिख १६ को हमारे बड़ा बेटा को स्कूल में भर्ती होगा या नहीं इसका जांच करने के लिये रांची बरे स्कूल के मास्टरों से बातचीत करने के लिये गया। वहां सांझ को मान्यवर लुकास और एक साहेब बैबल सोसैटी के सम्बन्ध में बहुत मनोहर उपदेश दिये जिसको सुनने से सभों का मन हर्ष से भर गये।

ता: १८-१-५९ को डाकगाड़ा में एतवार गिर्जा चलाया, गिर्जा बाद हमारा घर बयडीह में आया।

ता: १९-१-५९ को बिहान स्कूल चलाया, बजार गया।

ता: २०-१-५९ को स्कूल चलाया।

ता: २१-१-५९ को लड़कों का किताब लेने के लिये चक्रधरपुर बजार गया लौटते समय रुतबुड़ा में रहा सांझ को सापरिवार मिल के समाज हुआ।

ता: २२-१-५९ बिहान को मोसोडीह दूर करने गया, वहां भी सापरिवार मिल के विन्ती हुई और गिर्जा जाने के लिये उनको चलाया। बड़डीह पहुंच कर स्कूल चलाया।

ता: २३-१-५९ को स्कूल चलाया। ता: २४-१-५९ को स्कूल चलाया स्कूल छुट्टी करके विशोवा प्रचारक और एक प्रचारक के साथ अथवा तीन जन हमारे गांव चुकलु गया वहां मेरा बड़ा बेटा बिमार था, उसको देखने और दवाई देने के लिये।

ता: २५-१-५९ को बड़डीह आये और तीनों प्रचारकों से गिर्जा चलाये

ता: २६-१-५९ बिहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया।

ता: २७-१-५९ को स्कूल चलाया। ता: २८-१-५९ को चैबासा आप से और मान्यवर M. Elders से बातचीत करने गया पर आप दोनों के ग्रहजोरी में गया इसलिये भेन्ट नहीं होने सका।

ता: २९-१-५९ को चैबासा से आया और मोसोडीह युसफ के घर में रहा। सांझ को सापरिवार मिल के विन्ती समाज हुआ।

ता: ३०-१-५९ को मोसोडीह के एक परिवार के घर गया वहां के घर मालीक से बातचीत करने अथवा धर्म की बातों को समझाया। वह धर्म—

खोजक होने को चहता है पर अभीतक गिर्जा जाने का शुरू नहीं किया है। आसा है; कोई दिन गिर्जा आने का भी कुलुम्ब करेगा। बपतीस्म गया और स्कूल चलाया।

ता: ३१·१-५६ को स्कूल चलाया। बिहान को होयोहातु के लुकीन और बड़ा भाई के घर गया क्योंकि इस समय निश्चितपुर के मास्टरों और बनालाता के रत्ना के द्वारा से वो लुकीन को ख्रस्तान मत होना इसके बारे कहते हैं, जिससे कि आज कल वे गिर्जा आना भी बन्द कर दिये हैं। उनको फिर से समझौता देने गया। आसा करते हैं वे फिर हमारे ख्रस्तान समाज में जरूर आवेंगे॥

जनवरी १९५६ का आमदनी हिसाब —

सितौ ३१)।+
चन्द - २१)।।।
राज्यवृद्धी - ≡)
करनी - ।।=)।।

३=)।। टोटल

आगे यह बात आप से और लिखते हैं, कि यहां का गिर्जा घर बनाने का आरम्भ जरूर इस महीने से शुरू किया जाय, इसके लिये आप जरूर इन्तिजाम करेंगे॥

आगे लिए आप लोगों का —
विश्वास्त - प्रचारक आन्तोनी टोप।

S. Dang. January 59

१९५९ जनवरी महिना की डायरी। 19/I

१-१-५९ को नया पर्ब्ब गिर्जा किया।
२-१-५९ " मोहिजोर खृस्तानों के घर में बिन्ती किया।
३-१-५९ " कोलापाठ गया और रात को बिन्ती किया।
४-१-५९ " कोलापाठ में गिरजा किया।
५-१-५९ " कुलपाल का प्रभु दयाल बिमार था वहां बिन्ती किया।
६-१-५९ " कुलपाल का एक नया खृस्तान दुःख में था उस को बिन्ती द्वारा सेवा किया।
७-१-५९ " मेरी बेटी झाड़ा से पीड़ित थी उसकी सेवा में था।
८-१-५९ " जाम्माल में एक नया खृस्तान को बिश्वास दर्पण और प्रभु की प्रार्थना आदि को उच्चारण कराया।
९-१-५९ तम्बला कोटा मनसुख जोजो के घर में बिन्ती समाज किया।
१०-१-५९ " जम्माल में एक नया खृस्तान दुःख में था वहां बिन्ती किया।
११-१-५९ " गिरजा किया।
१२-१-५९ " ~~दुर्गाडीह प्रचारक के यहां गया था~~। जाम्माल के नये खृस्तानों को धर्म्म में स्थिर रहने के लिए समझाया।
१३-१-५९ " दुर्गाडीह प्रचारक के यहां गया था।
१४-१-५९ " दुर्गाडीह से लौट कर एक नया खृस्तान के साथ धर्म्म बिषय बात-चीत किया।
१५-१-५९ से १८-१-५९ जड़ाकुदर गिर्जा घर संस्कार के लिये गया था।
१९-१-५९ से २३-१-५९ जड़ाकुदर से घर (मामाभगिना) मेरी बेटी का कुटुम्ब की बात, बात चीत करने के लिये गया था।
२४-१-५९ " प्रचारक बाबू इस्राएल कुजुर का बेटा बिमार था वहां बिन्ती किया।
२५-१-५९ " गिरजा किया।
२६-१-५९ " जाम्माल में एक नया खृस्तान को धर्म्म में स्थिर रहने के लिए समझाया।
२७-१-५९ " जाम्माल में एक नया खृस्तान दांत दर्द से पीड़ित थी ~~वहां~~ वहां बिन्ती किया।
२८-१-५९ " बलन्डा के संसार भाईयों के संग धर्म्म बिषय बात-चीत किया।
२९-१-५९ " मोहिजोर में बिन्ती समाज किया।
३०-१-५९ " कुलपाल के उल्टे हुए खृस्तानों को समझाया।
३१-१-५९ " बलन्डा में एक नया खृस्तान बालक दुःख में था वहां बिन्ती किया।

Cate. Simon Dang
G. E. L. Church Kulpal.
1/2/59.

महा मान्यवर
Rev. J. Soy.
आप को मेरा यीशुसहाय,

महाशय, मैं ७-१-५९ से १४-१-५९ तक घर (मामाभगिना) जाने के लिये छुट्टी के बिषय आपके यहां लिखा था, पर घर में मेरी बेटी झाड़ा दुःख से पीड़ित थी इस कारण वहां से उस वक्त नहीं गया। जड़ाकुदर गिर्जा घर संस्कार के लिए गया था। वहीं से घर तरफ तरफ पहुंचा। केवल हेड प्रचारक A. Aind को और बामड़ा देशों से जो प्रचारके गये थे, उन सब को जान्ती दिया। मैं आप को इस बिषय कोई खबर नहीं दिया हूं, सो कृपया माफ कीजिए। मैं डायरी में लिख भेजता हूं कृपया ग्रहण कीजिये।

दूसरी बात — गिरजा घर बलन्डा सिमान में सरकारी टांड़ में जैसा कैसा झोपड़ी के ऐसा बनाये हैं और वहीं गिर्जा करते हैं। पर ठीक बन्दोबस्त नहीं करने से अच्छा नहीं होगा। सो मैं तो एक टांड़ जो बलन्डा के प्रजा सब का है पूछ पाछ किया हूं, जहां पादरी डेरा-

P. T. O

ओ प्रचारक डेरा आदि बनाया जाय। सभों का मंजूर होवे तो गिरजा घर भी वहीं बनाया जाय। अगर बन्दोबस्त किया जाय तो जहां बनाया गया है" गिरजा घर तो वहीं बनाने से भी थायद सुबिधा होगी। प्रजा सब का ८ टांड़ देखने में करीब एक एकड़ ही होगा, पर २००) रु. डाक किये हैं सो आप को जनाया जाता है। आप ही मालिक हैं कैसा किया जाय सो रास्ता दिखाइये।

आप का आज्ञा धीन सेवक
Cat. S Bang
G. E. L. Church Kulpal.
1/३/५९:

N. B. वर्तमान में बिशेष करके यहां घंटी की जरूरी है।

17/I

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,

SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH.
~~*Secretary*— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B. A.~~
~~*Joint*~~ *Secretary*— MR. P. DANG, B. A.
Treasurer— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref:

Dated 8. 2. 59.

To

The Secretary,
J. M. B., Chaibassa.

Dear Sir,

Herby I submit my short ~~report~~ of my work for your information.

January 1. Church service at Rourkela.
" 2. I visited Lal Tunky & modern ~~India~~ construction colony.
" 3 Durgapur.
" 4. { Mahulpali & Sector 2.
Church service at Rourkela.
" 5. Loco shed.
" 6. Panposh.
" 7. Rourkela town.
" 8. Uditnagar I (near weekly market).
" 9. Uditnagar II
" 10 Burman shell.

17/I

January 10. Church Service at
Rourkela and union
12 Service.
Sector 2.
" 13. Jalda colony and Panposh.
" 14. Public Sector and Sector 4.
" 15 Sector 6.
" 16 Mr. J. M. Das came to us from
Berhampur with his magic lantern. He
showed pictures in Loco shed.
" 17. I was getting ready to go to
Zarakudar.
" 18 Zarakudar —
" 19. Mr. J. M. Das came to us again
in the evening and showed
pictures.
" 20. Mr. B. B. Das, the Secretary,
Bible Society, Cuttack came
to Rourkela with ~~his~~ Bible van.
We ~~he~~ heard from him
in sector 5.
" 21. I accompanied him in selling
Bible in Rourkela market.
" 22. Hathibari market to sell
the Bible.
" 23. Panposh market for the
same purpose.

17/I

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,

SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH.
Secretary— ~~MR. C. L. K. K. OKIL NAG, B. A.~~
Joint Secretary— MR. P. DANG, B. A.
Treasurer— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref:

Dated 8. 2. 57

January 24. I visited the people of Sector 4, 20 and 2.

" 25. Church service at Rourkela and meeting of the mandli [illegible] and again meeting with the people of Kurnapari in the evening. They agreed to build a quarter on the cemetary ground.

" 26. I visited the people of Sector 20, 19 and public Sector.

" 27. Mahulpali

" 28. Sector 18, Sector 20 and Tanjurpali

" 29 Labour Colony

" 30. Loco shed.

" 31. Church service at Rourkela.

Jan. 1956. J. Kandulna 16/I

जनवरी महीन का रिपोर्ट

१-१-५६ को मैं कुदागुटू में गिरज किया और गिरज के बदे मैं सरुदा आया

२-१-५६ को मैं घर से निकाले इसुकू लड़का के साते मैं कुदागुटू में आया था

३-१-५६ को मैं कुदागुटू से मैं गाड़ासै गया पचर किया और दो जन को बाउताया

४-१-५६ को मैं गिरज किय और गिरज के बादे असताकुवा गया हुवा भी दो जन को पचार

५-१-५६ को मैं कुदागुटू से निकले साम को मैं कदोगुरुवा में मसा किया

६-१-५६ को मैं जलिपुर पैंउछ और जलिपुर में रह गया

७-१-५६ को मैं जलिपुर से बादामपहड़ा गया बादाहम से चाईबासा गया और चाईबसा में मसकि

८-१-५६ को मैं चाईवासा से जाते में मसा किया

९-१-५६ को मैं जाते से पाड़ासु में मसा किया

१०-१-५६ को मैं पाड़ासु से मैं कासोवार आया और कासोवार में मसा किया

११-१-५६ को मैं गिरज छोटी मैं कोचा गया और कोचा में मसा किया

१२-१-५६ को मैं कोचा से चाईबासा आया और चईबासा में मस किया

१३-१-५६ को मैं चईबसा से मैं जलिपुर आया और जलिपुर में मसा किया

१४-१-५६ को मैं जलिपुर से मैं सरुदा आया और सरुदा मैं मस किया

१५-१-५६ को मैं घर में रह गया

१६-१-५६ को मैं गितिलपीड़ी गया था मराङली पैसा उठाने के लिया

१७-१-५६ को मैं गोपिनातोपुर गया था और गोपिनापुर से सरुदा आया

१८-१-५६ को मैं सरुदा से कुदागुटू गया और मैं कुदागुटू में गिरज किया

१९-१-५६ को मैं डुङरुचापक गया था और मैं डुङरुचापक में पैस के जच किया मराङली पैसा

२०-१-५६ को मैं डुङरुचापक से मैं सरुदा आया और पचर नहीं किया —

२१-१-५६ को मैं कुदागुटू गया और मैं पचार नहीं कर सके

२२-१-५६ को मैं बोरामपुर में रह गया हुवा भी कम नहीं हुवा

२३-१-५६ को मैं पायर को लाग हुवा था गाड़ी पाय गाड़ी से गया जलिपुर

२४-१-५६ को मैं जलिपुर से डुकूरडीया गया था और डुकूरड़ीया मैं धका लागया और आखी आचा होगया

२५-१-५६ को रविवार को मैं डुकूरडीया में थे और मैं हम मनोवा पचार के साते हम रह गया

२६-१-५६ को मैं डुकुरड़ीया से रसंपुर आया और मैं एक जन को पचर किया

२७-१-५६ को मैं रसंपुर से जलिपुर आया और मैं जलिपुर में मस किया

२८-१-५६ को मैं जलिपुर से सरुदा आया और मैं सरुदा में रह गया था

२९-१-५६ को मैं कुदागुटू गया और मैं कुदागुटू में रह गया और मैं पचर कार ना नहीं हुवा

३०-१-५६ को मैं असताकुवा गया था दो जन को पचार किया

३१-१-५६ को मैं गितिलपिड़ी गया था और मैं गितिलपिड़ी लड़ यों को समझाया प्रभु योजो के लीया ठीक कैने के लीया !

जुसफ कुन्दुलना

Jan. 1959. M. Baxa. 15/I

जनवरी १९५९

१ ता – कुकुरडिहा मे था
से
१९ ता: तक क्योंकि शरीर का तबियात अच्छा नही था
और बहुत ही काम खेती होने से कुछ घर का भी काम
किया, और उस के बाद, पुस पर्व भी पहुचा।
उसके कारण नही गया।

१० – ता: को घपड़ी पहुचा पर सोकोर का धूम धाम लगा
हुआ था.

१२-ता: को खुड़ी कोचा पहुचा पर यहां भी वही हालात
घर २ टोला मे नसा मे थे, स्कूल तथा कोई काम
से नही हो सकता था। इसलिए
२४ ता तक वहां था. स्कूल और बातो का कुछ फैसाला
नही हो सकता था. क्योंकि पास मे मेला लगा हुआ था

२५ ता को मै फिर घर लौट गया. क्योंकि मेरे कुटुम्बीयों के
घर मे सादी था

२६ से २७ ता सादी मे बित गया.

२८-२९ ता कोवाली, बलियाडिया के तरफ रह कर
सादी का काम किया.

३० ता: को घर लौटा
३१-ता को शनिचार बाजार गया।

घर मे रहने और उस आस पास मे काम करने
का मतलब. कि विशेष प्रचारीन कुछ काम नही
कर सकती है. और बच्चों का किताब आदि खरीदने के कारण
पैसा का खर्चा का अभाव हो. तंग हालत हो गया था
कृपा माफ करेंगे

मै आप लोगो का बिश्वस्त
मनोहर बाड़ा, खुड़ीकोचा
१-२-५९

Catechist Jhuni Lisiboha Ka report
January 1959.

1-1-1959. कनारोंवा मंडली में भाई और बहिनो को राज्य वृद्धि कार्य्य के बारे बताया।
2-1-1959. बेड़ाहोंजेर में 20 भाइयो को राज्य वृद्धि कार्य्य के बारे बताया।
3-1-1959. कुलबुरु में रहा। फिर इधर की रहन, सहन तथा भाषा के बारे बताया।
4-1-1959 कुसुमटोली मंडली में गिरजा किया।
5-1-1959 बनाबिरा आया वहां प्रभु के राज्य के प्रचार में हमें किन२ तकलीफें हो रही है बताया।
6-1-1959. औषधी बहा आया।
7-1-1959. द्वीतीय पुत्र को हुरांगदा: स्कूल में बहाली किया।
8-1-1959. पेटे इकिर में दो हिन्दू तथा २ धर्मी लोगो को प्रचार किया T.A. 0.4.0
9-1-1959. जंगल दवा कोड़ने गया तथा बाजार किया।
10-1-1959. एक रोगी को दवा बनाया।
11-1-1959. गिरजा चलाया २ भाई हाजिर थे।
12-1-1959. इचा: पी में 6 भाई और २ बहिनो को तथा बनासोया में २ भाई को प्रचार किया। T.A. 0.4.0
13-1-1959. नाकटी बाजार चावल खरीदने गया।
14-1-1959. चक्रधरपुर गया।
15-1-1959. मोसोड़ी में 7 भाइयो को समाज के बारे और धर्म के बारे समझाया। सुरबड़ा: वहां धर्म मानते थे। T.A. 0.4.0
16-1-1959. दो रोगियो को दवा बनाया।
17-1-1959. पाठ तैयार किया।
18-1-1959. N. Manki गिरजा किया २ भाई हाजिर थे तथा नाकटी गिरजा में हाजिर हुए
19-1-1959. सयोब सोमार बाजार में उत्पत्ति तथा मनुष्य के भ्रष्ट होने के बारे लेक्चर दिया जहां खीष्टी वहां से 10 मील दूर हैं। उपदेश सुनने वाले 100 थे।
20-1-1959. दो रोगियो को दवा बनाया और घर का काम किया। T.A. 0.6.0
21-1-1959. घर का काम किया।
22-1-1959. मोसोड़ी में 1 खिरस्तान के घर प्रार्थना किया वहां से बड़ीड़ी गया सब जगहो में हो लोग धर्म मानते थे कहीं वचन नहीं सुना सके
23-1-1959. चुकलु गया वहां A. Soy के बेटे को देखने गया जो बिमार में था।
24-1-1959. चुकलु ही उसी रोगी के लिये दवा बनाया।
25-1-1959. बड़ीड़ी में गिरजा किया वहां उपदेश वचन लिया - वहां गिरजा के समय बहुत से गैर मसीही आंगन में बैठ के उपदेश को ध्यान से सुनते थे।
26-1-1959 घर का काम किया।
27-1-1959. घर का काम किया।
28-1-1959. चक्रधरपुर तथा जरकी खपरा के बारे गया।
29-1-1959 पाठ पढ़ाया।
30-1-1959 पानी किया - बाद में बाजार किया।
31-1-1959. ओकं पानी एक रोगी के पास गया।

T. A. Bill for the month of January 1959.

			Rs. As. Ps
8.1.1959.	Sisitaka to	Rilsakir	0-4-0
12.1- "	"	" Banasoya.	0-4-0
15.1- "	"	Mosidi	0-4-0
19.1- "	"	Sayob sombe	0-6-0
			1-2-0

Total Rs one and twelve naya Paise

नोट:- (a) अभी गिरजा में शर्माई हाजिर होते हैं बाकी सब ठगने वाले जैसा लगता है।

(b) जो लोग अपनी बात पर स्थिर नहीं रह सकते हैं वे सरकारी के समान तथा एक मनुष के दो पुत्रों के समान हैं जो काम में जाने का वचन दिया पर वह नहीं गया। Rev. J. Soy इन के स्वभाव को पुरा अनुभाव किये हैं।

(c) Mr. N. Marki काम के योग्य हो गये हैं आप की क्या इच्छा है सिद्ध पूरी करें।

(d) खास बीबी वहा अभी सुख विलास में फांसी हुई हैं वे तमाशा देखते हैं। मुझे अनुभाव हो रहा है कि चुपके से लोगो को बिगाड़ती हैं

(E) N. Mambi जगनातपुर जाने से नहीं डरते हैं।

J Surin
2.2.59.

महा मान्यवर

रेभ. जे: सोय चाईबासा।

आप को यीशु सहाय।

महाशय,

आप से अर्जी है कि मैं बेटी की चिठ्ठी को पा कर 2-2-59 को रांची जा रहा हूं। सो आप मेरे गैरहाजरी को माफ करें और Rev. Klos से भी मिलने चाहता हु अगर समय हो तो। आप खुद जानते हैं कि साहेब मुझे ज्यादा परिवार के सर्त पर 20) या उससे अधिक तलब देने का वचन दिये हैं मैं उस वचन को फरवरी 1959 से पाना चाहता हूं अगर यह सच्ची बात न हो तो हम बच्चों को घर लौटा दें ताकि वे उधर ही कोई उपाय से जीवें। चूंकि मेरा दूसरा उपाय नहीं है इसलिये आप मेरे ऊपर दया पूर्ण ध्यान दें।

2.2.59.

आप के विश्वास्त सेवक।
प्रचारक. जे सुरेन बीचोवहाँ

P. S. Topno Jan. 1959.

13/I

जोइन्ट मिशन बोड़ें नकटी।
१ला जनवारी १९५९ ई०

ता० काम
१ नया साल गिरजा हुआ।
२ बाजार किया।
३ जोंको में एक मलीही भाईके घरमें गिरजा किया।
४ गिरजा हुआ।
५ मृतक गड़ने गया मद को बेरा।
६ बाजार किया।
७ घर का काम किया।
८ कुईतुका में पांच भाईयों को सु सुसमाचार सुनाया।
९ बाजार किया।
१० कोचा गया।
११ " मंड़ली में गिरजा किया।
१२ कोचा से लौटा चाको मे ४ जनों को प्रभु का बचन सुनाया।
१३ बाजार किया।

१४ कुइेतुका में लोकेन्द्र भगत को
प्रकाशित धम्मा २१ से समझाया।
१५ पताह साई में एक घर में मिलती हुआ।
और योशु उद्धार कर्ता है यह सुनाया गया।
१६ बाजार किया।
१७ चक्राधरपुर विशेष काम के लिये गया।
१८ गिरजा हुआ।
१९ सयोब सोमवार बाजार में लेकर हुआ।
पाप कैसे आया और पाप का फल क्या
है और उससे उद्धार पाने का क्या उपाय है
इसके विषय प्रचार हुआ। सुनने वाले १०० से ऊपर थे
20 बाजार किया।
22 भाइयों की हलात देखने के लिये मद को बेरा
गया।
22 जरूरी काम के लिये चाईबासा गया।
23 शोशो वहां प्रचारकों का तलब पहुंचाने
गया और बजार किया।
24 एक मृतक गाड़ने गये।
25 गिरजा हुआ।

२६ घर का काम किया और ब्लेड्सन को
२७ को पढ़ाई हुई।
२८ चक्राधरपुर गेंहू पिसाई के लिये गया।
२९ साधु बेरागया। वहां २५ आदमियों को प्रभु उद्धार करता है ~~इस~~ इसके विषय समझौता दिया गया।
३० डेंगपुर में पाच जनों को प्रभु का वचन सुनाया गया।
३१ गिरजा हुआ।

नोट :— टी . ए . बिल

~~१६-१-५६ को~~ सयोव १६-२-५६ को ~~सोमवार में नहा~~ सयोव सोमवार बाजार में ~~सयोव सोम~~ नास्ता किया
४ आना खर्च हुआ
८ मील रास्ता है।

Cate P.S. Topno

Israel Topno. January 59

12/I

१९५९ बाईबेड़ा जोईन्ट मिशन बोर्ड का रिपोट जनवरी का।

स्री माहा मान्यवर रेभ एच: क्रोस रेभ जे: सोय —

यीशु सहाय।

ता: १ नाये साल का गिर्जा किया।

२ मुजनिया गया और भाईयों को ईश्वर का बचन सुनाया संख्या ३।

३ गिर्जा पाठ तायारी किया।

४ गिर्जा किया।

५ सर्दी के कारण तबियत अच्छा नहीं किया।

६ सर्दी के कारण तबियत अच्छा नही किया।

७ स्यानिया हो में भाईबहीनों को प्रभु का बचन सुनाया संख्या ४।

८ ३ जन प्रचारक जो बमड़ा में रहते हैं मुझको बीसेष काम केलिये बुलाये थे, और मैं चला गया।

९ बमड़ा में था, तथा बिसेष काम प्रचारकों के साथ परिश्राम किये।

१० बमड़ा में था तथा बिसेष काम प्रचारकों के साथ परिश्राम किये।

११ प्रचारकोंके साथ जरुरत काम परिश्राम किये। और गिर्जा किये।

१२ प्रचारकों के साथ जरुरत काम परिश्राम किये।

१३ प्रचारकों के साथ परिश्राम किये। जो हम लोग परिश्राम किया [illegible] नहीं हुआ।

१४ बमड़ा से बाईबेड़ा लौट आया।

१५ बजार किया।

१६ कुल्हुरी गया और भाईबहीनों को मुक्तिदाता यीशु मसीह का बचन सुनाया सुनेंवालों की संख्या ८।

ता: १७ गिर्जा पाठ तायारी किया।

१८ गिर्जा किया।

१९ घर का काम किया।

२० गाँव ही मे भाईयों को ईश्वर का बचन सुनाया संख्या ६।

२१ जोम्पुरा गया भाईयों को प्रभु का बचन सुनाया संख्या २।

२२ बजार किया।

२३ स्यानिया हो में भाईबहीनों को बचन सुनाया संख्या ४।

२४ जोम्पुरा गये भाईयों को धर्म्म बचन सुनाये संख्या ३।

२५ गिर्जा किये और उसी रोज धर्म्म खोजीं को का बपतिस्मा हो गया।

२६ होयो साई गये भाईयों को ईश्वर का बचन सुनाये संख्या १०।

२७ तबियत अच्छा नही किया।

२८ कुन्दुसाई गया भाईयों को बचन सुनाया संख्या २।

२९ बजार किया।

३० पानी किया इसलिये घूमने नहीं गया पर गाँव ही में १ आदमि को बचन सुनाया।

३१ पाठ तायारी किया।

आप का बिश्वासत इसराइल तोपनो प्रचारक।।

Thomas Bhengra.
January 1959.

11/I

माध्य बुद्धि का रिपोर्ट होरो खोरिया
जनवरी महीना १९५५ ई०

ता:
१ नया साल पर्ब्ब का गिरजा किया
२ घर में रहा
३ घर में रहा
४ गिरजा किया
५ स्कूल शुरु किया
६ स्कूल किया
८ स्कूल किया
९ स्कूल किया
१० स्कूल किया
११ गिरजा किया
१२ स्कूल किया
१३ स्कूल किया
१४+१५ को पुस पर्ब्ब का छुट्टी किया उस रोज पोंबिंगहट गया था कुछ भाई के साथ धर्म की बात की
१६ गोड्डा केरा बाजार होते हुए जड़ाकुदर गिरजा घर संस्कार देखने के लिये शाम को गाड़ी से बिसरा गया
१७ बिसरा से जड़ाकुदर गया
१८ जड़ाकुदर में रहा उसी रोज गिर्जे (घर) का संस्कार हुई।
१९ जड़ाकुदर से बिसरा आया
२० बिसरा से होरो आया
२१ स्कूल किया बरा गांव (नये) स्कूल लड़कों के खोज में गया
२२ स्कूल किया
२३ गोड्डा केरा बाजार गया
२४ स्कूल किया
२५ गिरजा किया और केबरा गांव गया वहां पर कई एक भाई यों के साथ धर्म की बात चीत किये।
२६ स्कूल किया
२७ स्कूल किया
२८ स्कूल किया और औरेंगा के स्कूल लड़कों को बुलाने गया
२९ स्कूल किया
३० गोड्डा केरा बाजार गया था
31 स्कूल किया।

आप का विश्वस्त -
Thomas Vengra.

Jan 59: J.K. Hemrom

जनवरी महिने का रिपोर्ट १९५९ 9/I

१-१-५९ को मैं उरिकिया को गया था —

२-१-५९ को मैं अचइपुर को गया था —

३-१-५९ को मैं सिरका और छपलहांड़ को गया था, मैं एक मनुष्य को ख्रिस्त चर्म के बिषय में बहुत समझाया —

४-१-५९ को बिश्राम दिन था —

५-१-५९ को मैं उरिकिया को गया था, एक मुन्डारी के साथ में चर्म के बिषय में बहुत बात चीत किया —

६-१-५९ को मैं कहीं नहीं गया —

७-१-५९ को मैं बांगा को गया, एक मुनी समाज मुन्डारी के साथ में ईश्वर के बिषय में बहुत बात चीत किया —

८-१-५९ को मैं मनोहरपुर से थोलकोबाद को गया जो २६ माइल दीघाया जंगल में है —

९-१-५९ को मैं चोलकोबाद में फोरेस्टर सुलेमान सोय, एक स्कूल मास्टर को पाया और एक स्थानियां है पर संसारी लड़की के साथ में शादी हुआ है. एक S.P.G. है, और एक घर पहले रोमन में था अब उलट हुआ है, एक लड़का बप्तिस्मा लिया है. रात को फ्लानेल ग्राफ दिखाया २० आदमी तक थे। और कुछ [illegible] मुन्डा भी हैं —

१०-१-५९ को मैं थोलकोबाद से जाइकेला को आया —

११-१-५९ को बिश्राम दिन था- मैं पड़ोडीह से जमल को गया उसे बिमारी को देखने के लिये- वहां से मैं सागजोड़ी को गया- उसे बिमारी को मनोहरपुर हॉसपिटल में पहुंचाने का सलाह देने के लिये —

१२-१-५९ को मैं उरिकिया, बांगा को गया, मैं उन को साथ में कुआ कुत के बिषय में बात चीत किया —

१३-१-५९ को पुस पर्ब था, सब लोग नशा में थे- इस लिये कहीं नहीं गया —

१४-१-५९ ,, ,, ,,

१५-१-५९ ,, ,, ,,

१६-१-५९ को मैं कटोनसा को गया, मुनी समाज वालों के साथ में चर्म के बिषय में बात चीत किया —

१७-१-५९ को मैं फिर कटोनसा को गया —

१८-१-५९ को बिश्राम दिन था —

१९-१-५९ को मैं उरिकिया को गया- माहतो लोगों के साथ में चर्म के बिषय में बात चीत किया

२०-१-५९ को मैं वाघचरा को गया- वहां वाले पहले ख्रिस्तान होने को कहते थे अब सब चुप हैं —

२१-१-५९ को मैं पहाड़ीहा को गया- वहां दो घर सन्ताल लोग ख्रिस्तान होने का बात देते हैं पर अकेला होने के कारण से पछलों होते हैं। मैं घर लौटा —

२२-१-५९ को मैं मनोहरपुर को गया- रास्ता में एक मुन्डारी के साथ में मुलाकात हुआ। कमीनष्ट पार्टी की ओर से बात निकाला गया और मैं यीशु की ओर ले गया- इस प्रकार से चर्म के बिषय बहुत बात चीत हुआ —

२३-१-५९ को मैं एक सन्ताल को कम्युनिष्ट पार्टी के तरफ से वाद निकाला और मैं उस को सुसमाचार की बातों को बहुत सुनाया —

२४-१-५९ को मैं एक उरांव को बैबल पढ़ पढ़ कर समझाया —

२५-१-५९ को विश्राम दिन था —

२६-१-५९ को मैं बांगा को गया - मुन्डा लोगों के साथ में सृष्टि के विषय में बहुत बात चीत किया —

२७-१-५९ को मैं सिमिरता को गया, लोहरा और माहली लोगों के साथ में छुआ छुत मानने के कारण से क्या क्या हानी है बात चीत किया —

२८-१-५९ को मैं गोलहुली को गया, एक सन्ताल बुढ़ाने मुझ को कहता है कि मैं भी खृस्तान होने चाहता हूं, पर लड़के लोग नहीं चाहते हैं —

२९-१-५९ को मैं घर लौट आया —

३०-१-५९ को मेरे छोटे भाई की बेटी एलीशाबा, परलोक हो गई मैं दफ्न देने के लिये मनोहरपुर को गया था —

३१-१-५९ को मैं घर ही में था —

आप का आज्ञाचीन प्रचारक

J. K. Hemrom
V- Dumirta
P.O. Urkia
14-2-59

S. Lakra. Jan. 59. पोटाह डीह 8/I

श्रीयुक्त माननीयवर

ता. २४. १. ५९

पादरी बाबू आप को मेरा प्यार यीशु सहाय।

महाशय मैं आप को याद दिलाता हूँ

ता. २. १. ५९ को मैं मुतेल किसान भाइयों के यहां गया था
ता. ३. १. को मैं रायड़ा गया था।
ता. ४. १. को मैं कोरगेन उरांव भाइयों के यहां गया था।
ता. ५. १. को मैं पटिन पुड़ा मुराज भाइयों के यहां गया था।
ता. ६. १. को मैं गुरकिया किसान भाइयों के यहां गया था।
ता. ८. १. को मैं डोंगापखर मुराग भाइयों के यहां गया था।
ता. ९. १. को मैं लोड़े किसान भाइयों के यहां गया था।
ता. १०. १. को मैं बेलवा " भाइयों के यहां गया था।
ता. १२. १. को मैं पतरा भाड़र " भाइयों के यहां गया था।
ता. १३. १. को मैं कुनकुन डीह उरांव भाइयों के यहां गया था।
ता. १४. १. को मैं गुलाजी गुड़ाखड़ियत भाइयों के यहां गया था
ता. १५. १. को मैं टिकली पड़ा " भाइयों के यहां गया था।
ता. १६. १ को मैं ओंगाकरेन किसान भाइयों के यहां गया था।
ता. १८. १. को मैं गांव ही से किसान भाइयों के यहां गया था
ता. १९. १. को मैं गम्भर मुंह उरांव भाइयों के यहां गया था।
ता. २०. १. को दांत दर्द किया जिस के कारण से मैं कहीं
ता. २१. १ जा नहीं सका।
ता. २२. १ को मैं कुरेग किसान भाइयों के यहां गया था
ता. २३. १. को मैं बड़ोबादल किसान भाइयों के यहां गया था
ता. २४. १. को मैं बड़ोबादल " भाइयों के यहां गया था।

ये लोग अब तक अंधकार में पड़े हुए हैं ईश्वर को नहीं जानते हैं शैतान के पूजा पाट में फंसे गये हैं। मैं उनके बीच में जाकर के ईश्वर का बचन प्रचार करता हूं। शैतान के पूजा पाठ को छोड़ने के लिये मना करता हूं।

प्रचार के सिलसिले में

Jan. 59. I. Kandulna J. Lugun. ~~7/I~~ 7/I

जनवरी १९५९ महिना का डईरी

तरिक

१" नयाशर्ल कुलपाल में गिरजा किया।

२" जोरेयाडीह २ दो बहिन १ एक संसर भईयों को बचन सुनाया।

३" कुलपल के नये खृष्टीयन दुखाली के घर में बचन सुना के प्रर्थना किया।

४" कुलपाल में गिरजा किया।

५" कुलपाल के नये खृष्टीयानों को बचन सिखाया।

६" कुलपाल के नये खृष्टीयान दुखाली के घर में बचन सुनाके प्रर्थाना किया।

७" बलान्डा खृष्टीयात दुखाली के घर में प्रर्थाना किया।

८" तोमलाकोटा खृष्टीयान भईयों के घर में बचन सुना के प्रर्थाना किया।

९" बलान्डा के पुराना खृष्टीयानों के घर में प्रर्थाना किया।

१०" कोलापार के पुराना खृष्टीयनों को सुना के प्रर्थाना किया।

११" कोला पार में गिरजा किया।

१२" महिजोर पुराना खृष्टीयन दुखाली के घर में प्रर्थाना किया।

१३" जोटेयाडीह संसरीयों को समझाया।

१४" कुलपाल के संसरीयों बचन सुनाया।

१५" पोवला मोरा नया खृष्टीयान के घर में गिर्जाभजन के बाद प्रर्थाना हुई।

१६" सोर्गीडीह में संसर भाई यों के बिच में प्रचर किया।

१७" जड़ाकुदार शमको पहुँचा।

१८" जड़ाकुदर में गिरजा घर सस्कैर को गिरजा किया।

१९" जड़ाकुदार से बताई बलेया जंगल में रात रहा।

२०" सर्गीडीह में रहा शमको बचन सुनाके प्रर्थाना किया।

२१" कुलपाल पहुँचा थकवाट के करण घर में रहा।

२२" जोटेपाडीह दुर किया एक संसर भाई को समझाया।

२३" कुलपाल के नये खृष्टीयानों को समझाया।

२४" जममाल में रहा।

२५" तोमला कोपा के खृष्टीयानों के घर में प्रर्थाना किया।

२६" जममल में बचन सिखाया।

२७" कुलपाल से बमरा रतको रहा:

२८" घोघोर बरटोलि में रहा शदी में हम लोगों को बुलाये थे।

२९" घोघोर बरटोलि में रहा।

३०" घोघोर बरटोलि में रहा।

महा मनन्वार पद्री बाबु

आप को यीशु सहाय। मंडली आमदानी इस महिना का (१॥)" एक रुपाया दो पैसा सो आप को जनाते हैं। कहे कि नये खृष्टीयानों को संसर सब भड़काते हैं कन्या देवा देई नहीं खना पिना भी सम्बन्ध नहीं करेंगे इतना दुःख पर सब लौट गए हैं। बकि नया खृष्टीयान ३ घर हैं। J. Lugun G.E.L Church Kulpal.

जनवारी महिना
का मंडली आमदानी
३॥ दो रुपाया दो पैसा।
सो आप को मलुम हों।

Joshua Samad. January 59.
Bochrama.

जनवरी 19.59- का डायरी ॥

ता:
१-१-५९- में नये साल का गिर्जा किया ॥
२-और ३ ता: में गांव से बाहर नहीं गया ॥
४-ता: एतवार गिर्जा किया ॥
५- ,, को मैं बिशनपाल गया था ॥
६ ,, इपिफनीपर्व गिर्जा किया ॥
7 ,, चेपोराम गया था ॥
८ ,, को- बाजार किया ॥
९ ,, को- मैं अरखानाला गया था ॥
१० ,, में कहीं ना गया ॥
११ ,, को एतवार गिर्जा किया ॥
१२ ,, को बिशालपाल सर्वेतरों को समझाने गया था ॥
१३ ,, आज मैं फिर अरखानाला गया था ॥
१४ ,, मैं कहीं नहीं गया ॥
१५ ,, आज मैं बाजार किया ॥
१६ ,, और १७ ता: में मेहमानों के मारे कहीं ना गया ॥
१८ ,, एतवार को एक जोड़ा का बचन दत्त काम किया ॥
१९ ,, को स्कूल लड़का के साथ बास में गोबिनपुर गये ॥
२० ,, में वहां से किरसितपुर को पहुंचा ॥
२१ ,, को क्लास में बहालो कर ~~कर~~ के फिर ट्रेन में बयारा लौटा ॥
२२ ,, में वहां से खुतमुरा गया था ॥
२३ ,, आज वहां से- पैरखुण्डा गांव पहुंचा ॥
२४ ,, को अपना डेरा बेडरासा पहुंचा ॥
२५ ,, में एतवार गिर्जा किया ॥
२६ ,, को अपना डायरी तैयार किया ॥

J. Samad.
26-1-59.

Mansidh Dang. January 59.

जनवारी १९५९ की डायरी । 5/I

ता· १-१-५९ बड़रमा नया साल का गिरजा किया ।

ता: २-१-५९ - दुरगाडीह आया ।

ता· ३-१-५९ दुरगाडीह में था ।

ता· ४-१-५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया/शाम को बन्यापूरे में बचन सिखाया

ता· ५-१-५९ - दुरगाडीह आया ।

ता· ६-१-५९ - दुरखुडीह में शाम को बिन्ती समाज किया ।

ता: ७-१-५९ दुरगाडीह आया ।

ता· ८-१-५९ दुरगाडीह में था ।

ता· ९-१०-५९ दुरगाडीह में था । कुच्छ बुखार हुआ ।

ता· ११-१-५९ छमड़ा + दुरगाडीह में गिरजा किया ।

ता· १२-१-५९ - दुरगाडीह आया ।

ता: १३-१-५९ दुरगाडीह में था ।

ता· १४-१-५९ प्र· खिमन्त डांग के साथ कुलपान गया ।

ता· १५-१-५९ कुजपाल से कुचिन्डा गया ।

ता· १६-१-५९ दुरगाडी आया ।

ता· १७-१-५९ प्र· प्रभुसहाय डांग के साथ बड़रमा गया ।

ता· १८-१-५९ छमड़ा + दुरगा डीह गिरजा किया ।

ता· १९-१-५९ दुरगाडीह आया ।

ता· २०-२४- दुरगाडीह में था ।

ता· २५-१-५९ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया । शाम को गीत भजन सिखाया ।

ता· २६-१-५९ दुरगाडीह आया ।

ता· २७-१-५९ दुरखुडीह में शाम को ठहरा ।

ता· २८-१-५९ कुचिन्डा होके दुरगाडीह आया ।

ता· २९-३१- दुरगाडीह में था ।

जनवारी ५९ की तलबदानी
५) रु· ।

Cate. Mansidh Dang -
Durgadih Dete 31-1-59 -

P. Barla January 59 4/I

Diary for the Month of

January 1959

1/1/59 ~~को स्कुल~~ छुट्टी गये थे उस रोज रौरकेला में थे रस्ता में नया साल माने ।

2/1/59 को सरगीडीह पहुंचे ।

3/1/59 को स्कुल किये और इस साल ८ लड़के स्कुल आते हैं ।

4/1/59 को गोरजा किया ।

5/1/59 स्कुल किये ।

6/1/59 " " "

7/1/59 " " " " " "

8/1/59 " " " " " "

9/1/59 " " " " "

10/1/59 " " "

11/1/59 गोरजा किये गोरजा बाद देवपाईन के भाईयों के पास गये ।

12/1/59 कुलपाल गये

13/1/59 कुलपाल में थे

14/1/59 को घर आये

15/1/59 स्कुल किये

16/1/59 स्कुल किये

17/1/59 जड़ाकुदार के गोरजाघर संस्कार के लिये निमन्त्रन मिला वहां गये ।

18/1/59 जड़ाकुदार में थे उस रोज जड़ाकुदार में गिरजा हुआ

19/1/59 जड़ाकुदार से आये बलिया में रह गये

20/1/59 को घर पहुंचे

21/1/59 स्कुल किये

22/1/59 " " " " " "

23/1/59 " " " " " "

24/1/59 " " " " " "

25/1/59 गोरजा किये ।

26/1/59 स्कुल किये । " "

27/1/59 " " " " "

28/1/59 " " " " "

29/1/59 " " " " "

30/1/59 " " " " "

31/1/59 " " "

Patras Barla Sargidih
3-2-59

37
16-8
20-8

Amus Aind.

Report for the months of December + January 1959.

3/XII Dec. + I.

December 1, 1958:—
Rev. C. P. Kandulna प्रभुभोज, स्नान काम के लिये आमगांव आये हुए थे।

" 2, Mansidh चौकीदार की गड़बड़ी से Mrs. Dungdung से एक बच्चा पैदा हुआ सो उस बच्चा (लड़का) बारे काफी बातचीत हुई।

" 3, Mackfersonpur तरफ धर्मप्रचार के लिये गया था। तीनचार लोगों से बात हुई।

" 4. Patras Barla प्रचारक सुन्दरसिंह से एक भाई के साथ दवा लेने के लिये मेरे पास आया था। हमलोग अस्पताल आसपास घूमघाम किये।

" 5. मैं कोन्डहोल तरफ जाने वाला था पर घर में घरवार न रहने के कारण मैं लौट आया।

" 6 मैं अपना सैकल को मरम्मत कराया क्योंकि ट्युब आदि सब खराब हो गया था

" 7. मैं आमगांव में गिर्जा किया।

" 8 बड़कोर जाके Nov. + Dec. का जमा २६०) रु. कालिउदत्त बाबु से मिल कर लाया।

" 9. एक बिमारी को लेके अस्पताल में इलाज कराया।

" 10 मैं कालिउदत्त के साथ ओराकुन्होड़ गांव में प्रभु का काम के लिये गया था।

" 11 आज मैं पुस्तक अध्ययन किया और Dr. Arnt Bischoff साहेब को चिट्ठी का जबाब दिया।

12+13+14 मैं कुम्हारगड़िया तरफ गया। ता. 14 को गिर्जा पाठ किया गया था। साम के साम हम पर्व की गीतों का Practice करते थे।

15+16 मैं ता. १५ को पुस्तक अध्ययन किया और ता. १६ को मैकफरसनपुर प्रचार के लिये गया।

17+18 मैं ता. १७ को पुस्तक अध्ययन किया और ता. १८ को फूलकागज के लिये बनईगढ़ गया।

19–22 प्रचारिन को रंगबाद के समान एक कठिन पीड़ादायक घाव के निकलने से उसकी सेवा में था, और पर्व के फूलों को काटता था।

23+24. कुम्हारगड़िया तरफ घूमने गया। ता. 24 को गिर्जा जगह सिंगार किया।

25. जन्म पर्व का गिर्जा और आराधना का काम मुझको करना पड़ा।

26. प्रचारिन को उसकी बिमारी जो नहीं छुटा था, देशी दवाई को बनाने से कुछ आराम हुई।

27. इतवार के वचनों का अध्ययन किया। ता. २८ को गिर्जा किया।

29 Director Lokies, Mrs. Lokies, Klimkeit साहेब और Rev. Klon और Mrs. Klon और ~~Rev.~~ Dr. Piens आदि साहेबों को स्वागत किये।

30. प्रचार काम के लिये Mackfersonpur गये थे और लौट के रिपोर्ट तैयार किया

31. साहेबों को बमड़ा का संक्षिप्त रिपोर्ट कह सुनाया।

January 1, 59 बिहान को साहेब लोगों को बिदाई दिये और नया साल का गिर्जा किये।

2, 3, +4, मैं कुम्हारगड़िया घूमने गया था और ता. 3 को पुरनापानी मंडली में समाज (भाई बहिनों के साथ) किये और ता. ४ को ईश्वराराधना किया।

5–9 : मैं कम्पौन्डर बाबु से एक, हिन्दु और हिन्दु धर्म की पुस्तक को पाने से जो उड़िया में है विशेष स्टडी किया। ता. ८ को मैकेफरसनपुर और ता. ९ को कुम्हारगड़िया गया और ता. ९ को मशिन्ला गांव में कुछ लोगों को धर्म प्रचार किया।

10+11 Burhabhuin में एक संसारिक गांव में प्रचार करने को गया। ता. ११ को धर्मप्रचार किया और मंडली में गिर्जा किया।

12 बुढ़ाभुंई से घर लौट आया।

13–15. हिन्दु धर्म की पुस्तक का अध्ययन किया।

16. ता. १६ को जड़ाकुदर गिर्जा का ~~संस्कार~~ निमन्त्रणानुसार मैं आमगांव ~~आम~~ से चल निकला

17 ता. १७ को जड़ाकुदर पहुंचा और संस्कार तैयारी में हाथ बटाया।

18. ता. १८ को सुर्योदय होते Raurkela से १५० जर्मन भाई और बहन कार में आ पहुंचे। साथ में Dr. Lokies, Dr. Piens और Dr. Bage; Rev Klon; E. C. Secretary और राजगंगपुर Director S. Surin आदि पहुंचे। उनका स्वागत बड़े आनन्द से हुआ। Rev. H. Samad और प्रचारक पतरस, और कुलपाल के दोनों प्रचारक और भाईयों से मुलाकात हुई। संस्कार कार्य Director लोकिस किये।

19–21 ता. १९ को जड़ाकुदर; ता. 20 को बड़घाट; ता. २१ साम को आमगांव पहुंचे।

20–25 मैं आराम किया ता. २४ को बाजार किया और ता. २५ को इतवार आराधना किया।

26–31 ता. २६ को Miss साहेब विशेष काम के लिये कुलसेरा भेजी। प्रचार का काम किया गया। ता. २८ को बेबल क्लास का काम चलाया। ता. ३० को बड़कोर से बेतन लाया और ता. ३१ को बाजार किया और रास्ता में धर्म प्रचार किया।

(सही) — Amus Aind 5-II-59

2/I

The Report of the month of January 1959.

1/1 – Conducted the New Year Church Service at Gua.
2/1 – Visited a patient in Upar Dhaura. Took Census of Christians living in Jata Hating.
3/1 – Cleared up the building account.
4/1 – Conducted Church Service at Gua. Sunday School was held.
5/1 – Prepared the Report of the month of December 1958.
6/1 – Building work was done. Went to Gua Sai and Bhati Hating for Census. Visited a patient. Prepared the Report of the month of December 1958.
7/1 – Building work was done. Sent the Report of the month of December 1958 to Rev. H. Closs, Chaibasa. Went to Bhati Hating for house visit. Visited some Christian families in Nuia Baiki.
8/1 – Building work was done.
9/1 – Building work was done. Visited some Christian families in Bajar Dhaura.
10/1 – Went up to Bara Pahar. Took Census there.
11/1 – Attended Church Service at Bara Pahar. Conducted Church Service at Gua. Sunday School was held.
12/1 – Went to Topa Piri for house visit.
13/1 – Building work was done. Went to Nuia for house visit.
14/1 – Did the work of Clearing the Building account and Church Income.
15/1 – Cleared up the building account.
16/1 – Went to Chaibasa to meet Rev. H. Closs.
17/1 – At Chaibasa, met Rev. H. Closs ~~and~~ regarding the new building.
18/1 – At Chaibasa, Attended the Church Service.
19/1 – Came back Gua from Chaibasa.
20/1 – Did home work.
21/1 – Did building work.
22/1 – Did building work.
23/1 – Did building work.
24/1 – Did home work.
25/1 – Conducted Church at Gua.
26/1 – Building work was done.
27/1 – Supervised the building work.
28/1 – Supervised the building work. Visited Christian families at Jata Hating.
29/1 – Supervised the building work.
30/1 – Visited some Christian families at Gua Sai.
31/1 – Supervised the building work.

N.B. – Regarding the new building.

The building work is being done by and by. Much work is still to be done. Roofing is on the way to completion. Few parts of wall plastering is not yet finished. Flooring has not yet been touched.

Cand: Silas Kujur
A Co-worker of the J.M.B.
Gua.
6.2.59

Report for januari. 59 -

Rev. Ch. H. Samad. January 59. 1/I

Date

१, -१ से ६ जनवरी तक छुट्टी में घर गया था।

७- घर से जगन्नाथपुर पहुँचा।

८- बजार किया।

९- करंजीया गया था।

१० घर में स्थाडी किया।

११- गिरजा किया।

१२- जयपुर बनय हो के घर गया था।

१३- डांगुआपोसी गया था।

१४ महतो भाई उपेन्द्रनाथ सिंकू के घर गया था।

१५- बजार किया।

१६- जगन्नाथपुर से कुनडी गया था।

१७- जड़ाकुदर गिरजा घर संस्कार हुआ, देखने गया था।

१८- गिरजा घर संस्कार हुआ।

१९- रौरकेला से जराइकेला लौटा, प्रचारक का घर।

२०- जराइकेला से कुनडी।

२१- कुनडी में ठहर गया।

२२- कुनडी से बड़ाजमदा।

२३- बड़ाजमदा से जगन्नाथपुर पहुँचा।

२४. घर में स्थाडी किया।

२५- डांगुआपोसी में गिरजा किया।

२६- घर में रहा।

२७- जेडेया गया था।

२८. चाईबासा गांव गया था बहन हेमरोन के घर।

२९- बजार किया।

३०- गोविन्दपुर डांगा राम हो, के घर गया था।

३० घर में रहा स्थाडी किया।

नोट— यहाँ अभी तक एक भी धर्म खोजक नहीं है।
डांगुआपोसी मिशन घर उरांव भाई सब आते जाते हैं।

C. H. Samad. Pastor.

Jagannathpur.